खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 17 अप्रैल, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-105

सोनिया-राहुल ने हड़पी 2000 करोड़ की सम्पत्ति, 414 करोड़ का टैक्स चुराया

राष्ट्र-प्रथम बनाम धन-प्रथम

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। सोनिया गांधी और राहुल गांधी पर चल रहे मनी लॉन्ड्रिंग केस में भारत के खिलाफ षडयंत्र में लगे अमेरिकी धनपशु जॉर्ज सोरोस से लिए गए धन का मामला भी जुड़ेगा। भारत विरोधी गतिविधियों के लिए अमेरिकी कांग्रेस पार्टी को दिया था। नेशनल हेराल्ड केस से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले के साथ ही यह विदेशी फंडिंग का मामला भी सोनिया गांधी और राहुल गांधी को कानून के शिकंजे में कसेगा।

राजीव गांधी फाउंडेशन सहित कई एनज-

नेशनल हेराल्ड अखबार में गांधी-घोटाले के कई पन्ने हैं

फंडिंग एजेंसी यूएसएड ने राजीव गांधी फाउंडेशन और अमेरिका में रह रहे ओवर-सीज कांग्रेस के अध्यक्ष एवं राहुल गांधी के सिपहसालार सैम पित्रोदा को भारी फंडिंग की थी। बांग्लादेश की तरह भारत को तोड़ने के लिए जॉर्ज सोरोस ने 5000 करोड़ डॉलर मिले थे। जिसे सोरोस ने राहुल गांधी और ओ ने यूएसएड से पैसे लेकर देश विरोधी तत्वों को फायदा पहुंचाया। राजीव गांधी फाउंडेशन के विजय महाजन के जरिए यूएसएड से पैसे का लेनदेन हुआ। देश में जातीय जनगणना की हवा फैलाने में लगा ग्रामीण विकास ट्रस्ट भी यूएसएड से धन ले रहा था। कांग्रेस समर्थित जकात फाउंडेशन

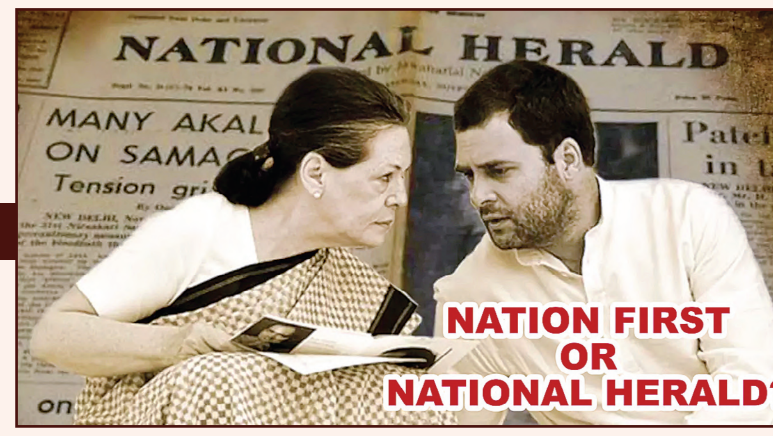

को भी यूएसएड से लगाता धन मिल रहा था। कांग्रेस के समर्थन से देशभर में धर्मांतरण विरोधी कानून के खिलाफ प्रदर्शन करने वाले वर्ल्ड काउंसिल ऑफ चर्चेज, वर्ल्ड इवैंजेलिकल अलायंस और वर्ल्ड विजन को भारत विरोधी गतिविधियां चलाने के लिए यूएसएड से लगातार अकूत धन मिल रहा था। इन गतिविधियों के कारण ही वर्ष 2024 में मोदी सरकार ने वर्ल्ड विजन का एफसीआरए लाइसेंस निलंबित कर दिया था। 2021 में इज़राइलियों ने इसकी एक ब्रांच बंद करने के लिए आवाज उठाई थी। उस समय वर्ल्ड विजन का गाजा में मैनेजर मोहम्मद अल हलबी था, जिसने हमास को 50 मिलियन डॉलर की मदद दी थी। विदेशों से धन लेकर सुनियोजित तरीके से भारत को

मनी लॉन्ड्रिंग में सोरोस से लिया धन भी शामिल होगा

इसके अलावा जॉर्ज सोरोस के धन से चलने वाले एटलांटिक काउंसिल ने कांग्रेस के इशारे पर भारत के कुछ पत्रकारों और फैक्ट चेकर्स को पीएम मोदी के खिलाफ माहौल बनाने के लिए भारी धन दिया गया था। वर्ल्ड विजन संस्था आतंकी संगठन हमास को पैसे देने के कारण भी काफी बदनाम रही है। साल खोखला करने के सारे मामले अब क्रमशः कानूनी कार्रवाई की परिधि में लाए जा रहे हैं। कांग्रेस के मुखपत्र नेशनल हेराल्ड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पार्टी के पूर्व अध्यक्षों सोनिया गांधी और राहुल गांधी के विरुद्ध प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जो चार्जशीट दाखिल की है,

▶10पर

अमेरिका के टैरिफ युद्ध का भारत पर कोई असर नहीं

अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका लगातार चौथे साल वर्ष 2024-25 में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना रहा। इस दौरान दोनों देशों के बीच 131.84 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार हुआ। हालांकि, इस अवधि में चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा बढ़कर 99.2 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

पिछले वित्त वर्ष में चीन को भारत का निर्यात 14.5 प्रतिशत घटकर 14.25 अरब डॉलर रह गया। 2023-24 में यह आंकड़ा 16.66 अरब डॉलर था। हालांकि, 2024-25 में भारत का चीन से आयात 11.52 प्रतिशत बढ़कर

113.45 अरब डॉलर हो गया, जबकि 2023-24 में यह 101.73 अरब डॉलर था। चीन के साथ व्यापार घाटा पिछले 127.7 अरब डॉलर के दो तरफा कारोबार के साथ भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा। 2023-24 में

चीन से व्यापार घाटा बढ़कर 99.2 अरब डॉलर हुआ

वित्त वर्ष में लगभग 17 प्रतिशत बढ़कर 99.2 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया, जो 2023-24 में यह आंकड़ा 85.07 अरब डॉलर था। चीन 2024-25 में दोनों देशों के बीच 118.4 अरब डॉलर का कारोबार हुआ था। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 2013-14 से 2017-18 तक और 2020-21 में चीन भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार था। चीन से पहले, संयुक्त अरब अमीरात देश का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार था।

2021-22 से अमेरिका भारत का सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार है। पिछले वित्त वर्ष के दौरान, 100.5 अरब डॉलर के साथ यूएई भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा। बीते वित्त वर्ष में अमेरिका को भारत का निर्यात 11.6 प्रतिशत बढ़कर 86.51 अरब डॉलर हो गया, जबकि 2023-24 में यह 77.52 अरब डॉलर था। 2024-25 में भारत का अमेरिका से आयात 7.44 प्रतिशत बढ़कर 45.33 अरब डॉलर हो गया,

▶10पर

वक्फ संशोधन कानून पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई जारी

वक्फ के विरोध में हिंसा गलत है : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली,16 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में वक्फ (संशोधन) अधिनियम-2025 की संवैधानिक वैधता के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई कल यानि 17 अप्रैल को भी जारी रहेगी। आज सुनवाई शुरू होते ही मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने पक्षकारों से दो बिंदुओं पर विचार व्यक्त करने को कहा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उसके सामने दो सवाल हैं पहला, क्या उसे मामले की सुनवाई करनी चाहिए या इसे हाईकोर्ट को सौंप देना चाहिए और दूसरा वकील किन बिंदुओं पर बहस करना चाहते हैं। इसके बाद याचिकाकर्ताओं ने कोर्ट के

सामने कानून की खामियां गिनाईं। सरकार ने कानून के पक्ष में दलीलें दीं। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ बाई यूजर को लेकर भी सरकार के लिए कल दोपहर दो बजे का समय तय किया। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने यह भी कहा कि एक बात बहुत परेशान

दबाव बनाने के लिए हिंसा का इस्तेमाल गलत : केंद्र

से कठिन सवाल किए। इसके बाद केंद्र ने कोर्ट से मामले की सुनवाई कल करने का निवेदन किया। सरकार की बात मानते हुए कोर्ट ने मामले की सुनवाई करने वाली है, वह है हिंसा। यह गलत है और बेहद चिंता का विषय है। यह मुद्दा न्यायालय के समक्ष है और हम इस पर निर्णय लेंगे। इस पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिए कि हिंसा का इस्तेमाल दबाव बनाने के लिए किया जाए।

इससे पहले याचिकाकर्ताओं में से एक की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने अपनी दलीलें शुरू करते हुए कहा कि संसदीय कानून के जरिए जो करने की कोशिश की जा रही है, वह एक आस्था के आवश्यक और अभिन्न अंग में हस्तक्षेप करना है। अगर कोई वक्फ स्थापित करना चाहता है तो उसे यह दिखाना होगा कि वह पांच साल से इस्लाम का पालन कर रहा है। राज्य को यह कैसे तय करना चाहिए कि वह व्यक्ति मुसलमान है या नहीं? व्यक्ति का पर्सनल लॉ लागू होगा।

▶10पर

सुप्रीम कोर्ट ने रेवंत सरकार को लगाई कड़ी फटकार

घने पेड़ काटने की इतनी जल्दी क्या थी?

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। हैदराबाद विश्वविद्यालय के पास पेड़ों की अंधाधुंध कटाई मामले में सुप्रीम कोर्ट ने रेवंत रेड्डी सरकार को कड़ी फटकार लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम पर्यावरण को हुए नुकसान से चिंतित हैं। ऐसे वीडियो देखकर हमें घोर आश्चर्य हुआ। जानवर आश्रय की तलाश में भाग रहे हैं। सरकार तय करे

अगली सुनवाई तक पेड़ों की कटाई पर रोक लगी

कि उन जंगली जानवरों की सुरक्षा कैसे होगी? सरकार को पेड़ काटने की इतनी जल्दी क्या थी? हैदराबाद विश्वविद्यालय के पास कांचा गचीबावली में पेड़ों की कटाई मामले में बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना सरकार की कार्यवाई पर सवाल उठाए।

▶10पर

दुबई में दो हिंदुओं को पाकिस्तानी ने मार डाला

तेलंगाना के रहने वाले थे मृतक, बेकरी में करते थे काम

दुबई, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। कट्टरपंथी पाकिस्तानी ने दुबई की एक बेकरी में अष्टपु प्रेमसागर और श्रीनिवास की

धारदार हथियार से हत्या कर दी। प्रेमसागर तेलंगाना के निर्मल जिले के निवासी थे। श्रीनिवास तेलंगाना के निजामाबाद के रहने वाले थे। पाकिस्तानी के हमले में एक भारतीय गंभीर रूप से घायल है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के दुबई में एक पाकिस्तानी ने मजहबी नारे लगाते हुए 3 भारतीय हिंदू कामगारों पर हमला कर दिया। उसने तलवार से दो भारतीयों को काट डाला, इस हमले में उनकी मौत हो गई। सागर नामक घायल भारतीय का इलाज चल रहा है।

▶10पर

पाकिस्तान ने तालिबान पर दोहरा चरित्र अपनाया

अपने ही जाल में फंस गया पाकिस्तान : जयशंकर

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। गुजरात के चारोतार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में संवाद सत्र के दौरान विदेश मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान दोहरा खेल खेल रहा था। वह तालिबान के साथ भी खेल रहा था और दूसरे पक्ष के साथ भी। लेकिन, जब अमेरिकी चले गए, तो दोहरा खेल जारी नहीं रह सका। पाकिस्तान ने ही आतंकवाद को बढ़ावा दिया। वही उन्हें वापस आकर नुकसान पहुंचा रहा है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान को घेरा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अपने ही धोखे के जाल में फंस गया है। उसने तालिबान और अन्य पक्षों के साथ दोहरा चरित्र अपनाया। गुजरात के चारोतार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में संवाद सत्र के दौरान

विदेश मंत्री ने कहा कि कैसे पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के साथ गलत किया और अपने ही जाल में फंस गयाउन्होंने कहा कि पाकिस्तान दोहरा खेल खेल रहा था। वह तालिबान के साथ भी खेल रहा था और दूसरे पक्ष के साथ भी। लेकिन, जब अमेरिकी चले गए, तो दोहरा खेल जारी नहीं रह सका।

▶10पर

कार्टून कॉर्नर

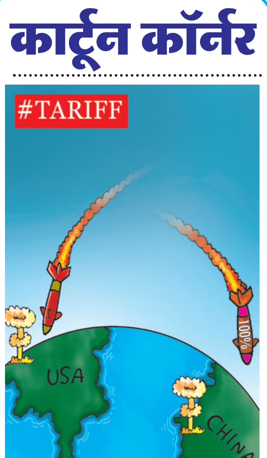

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 36°
न्यूनतम : 26°

घुसपैठियों को भारतीय पासपोर्ट देने वाला सरगना गिरफ्तार

हिंदुओं पर हिंसा करने के लिए तुर्की से आया धन

कोलकाता, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ (संशोधन) कानून के विरोध में हिंदुओं पर की गई हिंसा के लिए तुर्की एवं कुछ अन्य देशों से धन मुहैया कराया गया था। इस हिंसा में तीन लोगों की जान गई और सैकड़ों हिंदू घायल हुए। सैकड़ों हिंदू परिवारों को अपने घर छोड़कर सुरक्षित ठिकाने पर भागना पड़ा। खुफिया एजेंसियों के अनुसार, यह हिंसा कोई अचानक घटना नहीं थी, बल्कि इसकी साजिश तीन महीने पहले से सुनियोजित ढंग से रची गई थी। इसके लिए तुर्की, बांग्लादेश, पाकिस्तान से कट्टरपंथियों को धन मुहैया कराया गया था। हिंसा में बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों का भरपूर इस्तेमाल किया गया। इसी सिलसिले में सुरक्षा एजेंसियों ने उस गिरोह के सरगना को पकड़ा जो घुसपैठियों को भारतीय पासपोर्ट मुहैया कराता था।

खुफिया एजेंसियों का कहना है कि पश्चिम बंगाल में फैलाई गई हिंसा के पीछे विदेशी फंडिंग का हाथ है। इस हिंसा के लिए मुख्य रूप से तुर्की से फंडिंग की गई थी, और हमलावरों को लूटपाट के लिए प्रति व्यक्ति 500 रुपए दिए गए थे। जांच एजेंसियों ने पाया कि साजिशकर्ताओं का मकसद पश्चिम बंगाल को बांग्लादेश जैसी अराजक स्थिति में धकेलना था। हिंसा की योजना पिछले तीन महीनों से तैयार की जा रही

खुफिया एजेंसियों ने किया सनसनीखेज खुलासा

थी। दो महीने पहले आतंकी संगठन से जुड़े दो सदस्य मुर्शिदाबाद पहुंचे थे और स्थानीय लोगों को एक बड़ी दावत की बात कही थी।

जानकारी के अनुसार इस हिंसा के लिए पहले तो रामनवमी को निशाना बनाने की योजना थी, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था के चलते इसे टाल दिया गया। लेकिन वक्फ बिल ने साजिशकर्ताओं को नया ट्रिगर पॉइंट दे दिया। हमलावरों को ट्रेनों को बाधित करने, सरकारी सम्पत्ति को नष्ट करने, हिंदुओं पर हमला करने और उनके घरों को लूटने का लक्ष्य दिया गया। साजिशकर्ताओं ने उन्मादियों को लूटपाट और नुकसान के आधार पर अधिक धन देने का लालच भी दिया था। उन्मादियों ने साजिशकर्ताओं के अनुसार 10 अप्रैल को हिंसा में प्रदर्शनकारियों ने पुलिस वाहनों में आग लगा दी, सड़कों को जाम किया और रेलवे सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए केंद्र सरकार ने तुरंत केंद्रीय सुरक्षा बलों की पांच अतिरिक्त कंपनियां तैनात कीं। पहले से मौजूद 300 बीएसएफ जवानों के साथ मिलकर ये बल अब इलाके में कड़ा पहरा दे रहे हैं। हिंसा के बाद कई परिवार अपने घरों को लौटने लगे हैं, लेकिन डर का माहौल अभी भी बरकरार है। जांच एजेंसियां हिंसा के पीछे की साजिश को और गहराई से खंगाल रही हैं। तुर्की से फंडिंग और हमलावरों की ट्रेनिंग के सबूतों ने इस मामले को राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़ दिया है।

▶10पर

ओडेसा में नाटो महासचिव ने दोहराया समर्थन, यूक्रेन को 22 अरब डॉलर की सुरक्षा सहायता का वादा

ओडेसा (यूक्रेन) ,16 अप्रैल (एजेंसियां) ।

नाटो महासचिव मार्क रूटे ने मंगलवार को यूक्रेन के बंदरगाह शहर ओडेसा का दौरा करते हुए यूक्रेन के प्रति गठबंधन के अटूट समर्थन को दोहराया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 की पहली तिमाही में नोटो सहयोगी देशों ने यूक्रेन को 20 अरब यूरो (लगभग 22 अरब डॉलर) की सुरक्षा सहायता देने का संकल्प लिया है। रूटे ने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा, मैं यहां इसलिए हूं क्योंकि मैं मानता हूं कि यूक्रेन के नागरिकों को अपने देश में वास्तविक शांति और सुरक्षा का अधिकार है। ओडेसा के एक अस्पताल में उन्होंने ज़ेलेंस्की के साथ घायल सैनिकों से भी मुलाकात की। यह दौरा ऐसे समय हुआ जब हाल ही में रूस ने उत्तर-पूर्वी शहर सुमी पर दो बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया, जिसमें 35 नागरिकों की मौत हो गई थी, जिनमें दो बच्चे भी शामिल थे, और 119 लोग घायल हुए थे। इससे पहले, 04 अप्रैल को ज़ेलेंस्की के गृहनगर क्रिवी रिह पर भी मिसाइल हमला हुआ था, जिसमें 20 लोगों की जान गई थी। रूटे ने हालिया हमलों को भीषण हिंसा करार देते हुए कहा, इन हालात में बातचीत आसान नहीं है, लेकिन हम अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा शुरू की गई शांति वार्ताओं का समर्थन करते हैं। बता दें कि ट्रंप के नेतृत्व में सऊदी अरब में कीव और मॉस्को के बीच कई दौर की बातचीत हो चुकी है। हालांकि, रूस ने युद्धविराम के लिए कई शर्तें लगाकर इस प्रक्रिया को रोक रखा है। इसके बीच, यूरोपीय देशों और यूक्रेन ने मिलकर एक बहुराष्ट्रीय सुरक्षा ढांचा तैयार करने की दिशा में काम शुरू कर दिया है, जिसे कोएलिशन ऑफ द विलिंग कहा जा रहा है। इसका उद्देश्य युद्धविराम के बाद भविष्य में किसी भी रूसी आक्रामकता को रोकना है। जेलेंस्की ने बताया कि तुर्की ब्लैक-सी की सुरक्षा सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभा सकता है। तुर्की में चल रही बैठक में यूक्रेन, फ्रांस, ब्रिटेन और तुर्की के सैन्य प्रतिनिधि इस विषय पर चर्चा कर रहे हैं। नाटो प्रमुख ने कहा, यह वार्ता इस बात का संकेत है कि हम भविष्य की सुरक्षा तैयारियों की दिशा में गंभीर हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

अमेरिकी नागरिकता के लिए इंटरव्यू देने गया फिलिस्तीनी छात्र गिरफ्तार

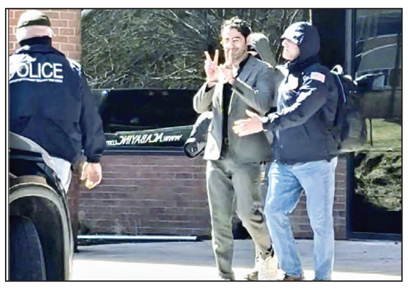

वाशिंगटन। अमेरिका की नागरिकता लेने के लिए इंटरव्यू देने पहुंचे फिलिस्तीनी छात्र को मंहगा पड़ गया। उसे अमेरिका की पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। छात्र पर आरोप है कि गाजा युद्ध के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में छात्र ने सक्रिय भूमिका निभाई थी। फिलीस्तीनी छात्र मोहसिन महदावी पिछले करीब दस साल से अमेरिका में रह रहा है। वह 2015 से वहां का ग्रीन कार्ड धारक भी है। वह मंगलवार को अमेरिकी नागरिकता के लिए यूएस स्टेट वर्मोंट के इमिग्रेशन दफ्तर में पहुंचा था। जब वह नागिरकता के लिए इंटरव्यू देने अंदर आफिस में गया तो उसे पहले हिरासत में लिया गया। उसके बाद लंबी पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया। छात्र अमेरिका की कोलंबिया यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर चुका है। अब वह मास्टर डिग्री करना चाहता है।उधर गिरफ्तार किए गए छात्र महदावी के वकील लूना ड्रोबी ने कहा कि अमेरिकी प्रशासन ने छात्र को फिलिस्तीनियों के समर्थन में आवाज उठाने के कारण गिरफ्तार किया है। यह पूरी तरह से असंवैधानिक है।

रूस अगर यूक्रेन के साथ युद्ध समाप्त करता है तो अमेरिका उसे बड़ी सौगात देगा

वॉशिंगटन। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को रोकने के तमाम प्रयास सफल नहीं हो पाए हैं। ऐसे में अमेरिका ने रूस को बड़ा ऑफर देते हुए कहा है कि यदि रूस इस युद्ध को रोकने की पहल करता है तो अमेरिका उसे बड़ी सौगात देगा। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता कैरोलिन लेविट ने कहा कि अमेरिका, रूस के साथ आर्थिक साझेदारी भी कर सकता है। हालांकि उन्होंने कहा कि पहले रूस को युद्धविराम करना होगा। व्हाइट हाउस ने यह बात ऐसे वक्त कही है, जब हाल ही में राष्ट्रपति ट्रंप के विशेष प्रतिनिधि स्टीव विटकॉफ ने मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। व्हाइट हाउस ने कहा कि दोनों के बीच अच्छी बातचीत हुई और हमारा मानना है कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन भी युद्ध समाप्त करना चाहते हैं। व्हाइट हाउस प्रवक्ता कैरोलिन लेविट ने कहा कि अगर रूस, यूक्रेन के साथ युद्ध को समाप्त करता है तो रूस को बड़ी सौगात मिल सकती है। हो सकता है कि अमेरिका और रूस के बीच आर्थिक साझेदारी हो जाए, लेकिन पहले हम चाहते हैं कि युद्धविराम हो और राष्ट्रपति के प्रतिनिधि विटकॉफ ने राष्ट्रपति पुतिन को यह बात स्पष्ट रूप से बता दी है। अमेरिका के विदेश विभाग ने कहा है कि अमेरिका रूस और यूक्रेन के बीच युद्धविराम के लिए कोशिश करता रहेगा।

अल्जीरिया और फ्रांस में बढ़ा तनाव, फ्रांस के 12 अधिकारियों को देश छोड़ने को कहा

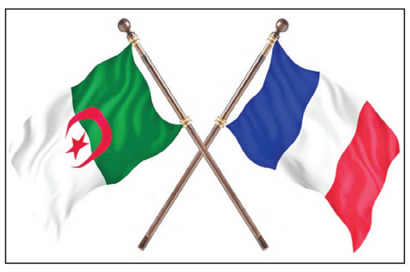

अलजीरियस। अल्जीरिया ने फ्रांस के 12 अधिकारियों को 48 घंटे में देश छोड़ने को कह दिया है, जिससे दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। अल्जीरियाई विदेश मंत्रालय ने कहा कि फ्रांस में एक अल्जीरियाई काउंसलर की गिरफ्तारी के बाद यह फैसला लिया गया है। इसके लिए फ्रांस के गृह मंत्री ब्रूनो रिटेलो जिम्मेदार हैं। दोनों देशों के बीच हालिया विवाद 11 अप्रैल को शुरू हुआ था जब फ्रांस ने तीन अल्जीरियाई नागरिकों को गिरफ्तार किया था। इसमें अल्जीरियाई काउंसलर भी शामिल थे। इन पर अप्रैल 2024 में एक अल्जीरियाई सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर अमीर बौखोर्स का किडनैप करने का आरोप है। अमीर 2016 से फ्रांस में रह रहे हैं। साल 2023 में उन्हें वहां राजनीतिक शरण मिल गई थी। वे अल्जीरियाई सरकार की आलोचना के लिए जाने जाते हैं। फ्रांस की जांच में सामने आया कि अपहरण में एक अल्जीरियाई काउंसलर का भी हाथ हो सकता है। काउंसलर का फोन अमीर के घर के आसपास देखा गया था। इसके बाद फ्रांस ने तीन अल्जीरियाई लोगों को किडनैपिंग, अवैध हिरासत और आतंकी संगठन से जुड़े होने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। अल्जीरिया ने फ्रांस की इस कार्रवाई को गलत बताया और कहा कि उनके काउंसलर को बिना किसी डिप्लोमैटिक सूचना के सार्वजनिक जगह से गिरफ्तार किया गया, जो उनके अधिकारों का उल्लंघन है।

यूनुस सरकार ने भारत से धागा लेना किया बंद : बांग्लादेश के लिए घातक होगा ये कदम

ढाका,16 अप्रैल (एजेंसियां) ।

भारत और बांग्लादेश के बीच रिश्ते सुधरने का नाम नहीं ले रहे हैं। बांग्लादेश ने अब भारत से धागा लेना बंद कर दिया है। इससे माना जाने लगा है कि बांग्लादेश आत्मघाती कदम उठा रहा है। बांग्लादेशी नेशनल बोर्ड ऑफ रेवेन्यू (एनबीआर) ने भारत से धागे (सूत) के आयात पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। इस निर्णय के तहत बेनापोल, भोमरा, सोनामस्जिद, बंगलाबंधा और बुरिमारी जैसे प्रमुख भूमि बंदरगाहों के जरिए सूत आयात की अनुमति अब नहीं होगी। यह कदम बांग्लादेश टेक्सटाइल मिल्स एसोसिएशन (बीटीएमए) की शिकायतों के बाद उठाया गया है, जिसमें दावा किया गया कि भारत से सस्ते सूत के आयात से स्थानीय टेक्सटाइल उद्योग को भारी नुकसान हो रहा है। बांग्लादेश की गारमेंट इंडस्ट्री देश की अर्थव्यवस्था का रीढ़ है। यह भारत से लगभग 95 प्रतिशत सूत आयात पर निर्भर है। 2024 में बांग्लादेश ने 1.25 मिलियन मीट्रिक टन सूत आयात किया, जो 2023 की तुलना में 31.5 प्रतिशत अधिक है।

हालांकि, बांग्लादेश के गारमेंट निर्यातकों ने इस निर्णय को आत्मघाती करार दिया है। बांग्लादेश निटवेयर मैन्युफैक्चरर्स एंड एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन (बीकेएमईए) के अध्यक्ष मोहम्मद हातेम ने कहा कि यह कदम तैयार परिधान निर्यातकों के लिए लागत बढ़ाएगा और छोटे-मध्यम उद्यमों (एसएमबी) के लिए बाजार में प्रतिस्पर्धा को और कठिन कर देगा। 2023-24 में भारत ने बांग्लादेश को 11 बिलियन डॉलर का निर्यात किया, जिसमें सूत, कपास, इंजीनियरिंग सामान और पेट्रोलियम उत्पाद शामिल थे। वहीं, बांग्लादेश से भारत का आयात 1.8 बिलियन डॉलर रहा। हाल के महीनों में बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता और डॉलर की कमी के कारण भारतीय निर्यातकों को भुगतान में देरी का सामना करना पड़ा है।

सबसे सस्ता सूत देता है भारत - बीटीएमए का कहना है कि भारत से जमीन मार्ग के जरिए आयातित सूत की कीमत समुद्री मार्ग से आने वाले सूत की तुलना में काफी कम है, जिससे स्थानीय मिलों को प्रतिस्पर्धा में नुकसान उठाना पड़ रहा है। उदाहरण के लिए, बांग्लादेश में 30 सिंगल सूत की कीमत 3.40 डॉलर प्रति किलोग्राम है, जबकि भारत में यह 2.90 डॉलर और वियतनाम में 2.96 डॉलर प्रति किलोग्राम है।

भारत-बांग्लादेश संबंधों में हालिया तनाव - यह निर्णय भारत-बांग्लादेश व्यापार संबंधों में हाल के तनावों की कड़ी में नवीनतम कदम है। हाल ही में, भारत ने बांग्लादेश को तीसरे देशों में माल निर्यात के लिए अपने भूमि सीमा शुल्क स्टेशनों के माध्यम से ट्रांसशिपमेंट सुविधा को रद्द कर दिया था। भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि इस सुविधा के कारण भारतीय हवाई अड्डों और बंदरगाहों पर भीड़भाड़ बढ़ रही थी, जिससे भारत के अपने निर्यात में देरी और लागत में वृद्धि हो रही थी। इसके अलावा, बांग्लादेश के अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार मुहम्मद यूनुस के हालिया बयान ने दोनों देशों के बीच राजनयिक तनाव को बढ़ा दिया। यूनुस ने भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को जमीन से घिरा क्षेत्र बताया और चीन को क्षेत्र में आर्थिक उपस्थिति बढ़ाने के लिए आमंत्रित किया था। भारत और बांग्लादेश के बीच व्यापारिक संबंध दक्षिण एशिया में सबसे मजबूत रहे हैं, लेकिन हाल की घटनाओं ने इस रिश्ते को प्रभावित किया है।

अफगानिस्तान में आए भूकंप से हिल गई दिल्ली और एनसीआर

काबुल। सुबह सुबह अफगानिस्तान के हिंदूकुश क्षेत्र में 5.6 तीव्रता का भूकंप आया, जिसके झटके भारत की राजधानी दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) सहित उत्तरी भारत के कई हिस्सों में महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने बताया कि भूकंप सुबह लगभग 4:44 बजे (भारतीय समयानुसार) आया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस भूकंप से अफगानिस्तान या भारत में किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। हालांकि, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों में लोगों ने हल्के से मध्यम झटकों का अनुभव किया। यूरोपियन-मेडिटरेनियन सिस्मोलॉजिकल सेंटर (ईएमएससी) के अनुसार, भूकंप की गहराई 121 किलोमीटर थी और इसका केंद्र बघलान शहर से 164 किलोमीटर पूर्व में था। भूकंप विशेषज्ञों के अनुसार, दिल्ली और उत्तरी भारत हिमालयी क्षेत्र के करीब होने के कारण भूकंपीय रूप से संवेदनशील हैं। भारत के भूकंपीय जोन मानचित्र के अनुसार, दिल्ली जोन-4 में आता है, जो मध्यम से उच्च जोखिम वाला क्षेत्र है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने साफ कहा चीन को ही अमेरिका के साथ डील करनी होगी

वॉशिंगटन,16 अप्रैल (एजेंसियां) ।

चीन से साथ चल रहे टैरिफ वॉर के बीच अमेरिका ने साफ कर दिया है कि चीन को ही अमेरिका साथ डील करनी होगी। साथ ही दो टूक कहा है कि अमेरिका टैरिफ के मामले में झुकने वाला नहीं है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सरकार ने चीन पर 145 फीसदी टैरिफ लगाने का ऐलान किया था। इसके जवाब में चीन ने भी 125 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया था।

व्हाइट हाउस ने कहा कि चीन दुनिया के किसी अन्य देश से अलग नहीं है। उन्होंने कहा, चीन को वो चाहिए जो हमारे पास है। सभी को वो चाहिए, जो हमारे पास है। यानी अमेरिकी उपभोक्ता या आसान भाषा में कहें, तो उनको हमारे धन की जरूरत है। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति ने एक बार फिर साफ कर दिया है कि वह चीन के साथ डील करने के लिए तैयार है, लेकिन चीन को अमेरिका के साथ डील करनी होगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ट्रंप ने साफ कर दिया है कि चीन को फैसला लेना है। व्हाइट हाउस प्रेस सचिव कैरोलीन लेविट ने कहा, राष्ट्रपति ने चीन को लेकर अपना मत साफ कर दिया है। हालांकि, मेरे पास उनका एक बयान है, जो उन्होंने ओवल ऑफिस में मुझे दिया है। उन्होंने कहा, फैसला चीन को करना है। चीन को हमारे साथ डील करनी ही होगी। हमें उनके साथ डील करने की कोई जरूरत नहीं है।

चीन- अमेरिका विवाद में भारत को फायदा

नीति आयोग ने एक रिपोर्ट में कहा है कि चीन पर अमेरिकी शुल्क और बढ़ती लागत भारत के लिए वैश्विक उपकरण निर्यात बाजार में अपनी भूमिका को बढ़ाने का एक बड़ा अवसर है। रिपोर्ट में साथ ही स्थानीय उपकरण उद्योग को बढ़ावा देने के लिए वैश्विक स्तर के संकुल बनाने और लागत को कम करने के लिए जरूरी सहायता प्रदान करने जैसे उपाय सुझाए गए हैं। नीति आयोग ने भारत के हाथ और बिजली से चलने वाले उपकरण क्षेत्र: 25 अरब डॉलर से अधिक निर्यात अवसर शीर्षक से जारी एक रिपोर्ट में कहा कि इस उद्योग में निर्यात की काफी संभावनाएं हैं।

यूक्रेन पर हमले को लेकर रूस और स्वीडन में तनातनी

रूस और यूक्रेन युद्ध को लेकर यूरोपीय देशों ने रूस पर दवाब बनाना शुरू कर दिया है। इसकी शुरूआत स्वीडन ने कर दी है। हाल ही में यूक्रेन मिसाइल हमले करने पर स्वीडन ने रूस के राजदूत को विदेश मंत्रालय में तलब किया है। स्वीडिश विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के मुताबिक इंटरनेशनल मानवीय नियमों के मुताबिक लोगों के बुनियादी ढांचों की सुरक्षा करना रूस का कर्तव्य और जिम्मेदारी है। इस मामले में स्वीडन ने रूस के राजदूत से अपने देश का रूख भी स्पष्ट करने को कहा है। इस तरह राजदूत को तलब करना यह दिखाता है कि स्वीडन यूक्रेन पर हमलों को लेकर रूस के प्रति खासा नाराज है। गौरतलब है कि रविवार को रूस ने यूक्रेन के सुमी शहर पर मिसाइल से हमला किया था। इस हमले में 35 लोग मारे गए थे ।

शेख हसीना और उनके बेटे सहित 17 लोगों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट

ढाका,16 अप्रैल (एजेंसियां) ।

बांग्लादेश की एक अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना, उनके बेटे सजीब वाजेद जॉय और 16 अन्य लोगों के खिलाफ सरकारी भूखंडों के आवंटन में भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं। अदालत ने यह आदेश एंटी करप्शन कमीशन (एसीसी) द्वारा दायर छह मामलों में से दो में आरोप स्वीकार करने के बाद दिया। अदालत ने ढाका समेत कई जिलों के पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे 29 अप्रैल तक वारंट की तामील की रिपोर्ट अदालत में पेश करें।

एसीसी ने अप्रैल 10 और 13 को पूर्वांचल भूखंड घोटाले से जुड़े चार अन्य मामलों में भी गिरफ्तारी वारंट जारी किए थे। इन सभी मामलों में अब शेख हसीना को एक सामान्य आरोपी के तौर पर नामित किया गया है। इस घटनाक्रम के बाद बांग्लादेश की राजनीति में हलचल मच गई है। जहां एक ओर विपक्षी दलों ने इस कार्रवाई का स्वागत किया है, वहीं सत्तारूढ़ दल आवामी लीग के समर्थकों ने इसे राजनीतिक प्रतिशोध करार दिया है। एसीसी दस्तावेजों के अनुसार, शेख हसीना पर आरोप है कि उन्होंने शीर्ष अधिकारियों के साथ मिलकर ढाका के सेक्टर-27 स्थित पूर्वांचल न्यू टाउन परियोजना में 10 कट्ठा आकार के छह भूखंडों का अवैध आवंटन अपने और अपने परिवार के सदस्यों के नाम पर करवाया। आरोपितों में उनके बेटे सजीब वाजेद जॉय, बेटी सायमा वाजेद पुतुल, बहन शेख रिहाना, रिहाना के बच्चे रदवान मुजीब सिद्दीकी बॉबी, अजमीना सिद्दीकी और ब्रिटिश सांसद ट्यूलिप सिद्दीकी के नाम शामिल हैं। सभी को इन मामलों में फरार घोषित किया गया है।इन आरोपों से अलग, एसीसी ने ब्रिटेन की सांसद ट्यूलिप सिद्दीकी के खिलाफ एक और केस दर्ज किया है, जिसमें कहा गया है कि उन्होंने ढाका के गुलशन इलाके में एक रियल एस्टेट कंपनी से अवैध रूप से लग्ज़री फ्लैट प्राप्त किया।

सिंगापुर में लगी आग में फंसे बच्चों के लिए देवदूत बने भारतीयों को मिला जीवनरक्षक पुरस्कार

सिंगापुर,16 अप्रैल (एजेंसियां) ।

सिंगापुर में बीते सप्ताह लगी आग में फंसे बच्चों और लोगों को 18 भारतीयों ने देवदूत बनकर बचाया। अब इन देवदूतों की सराहना चौतरफा हो रही है। सिंगापुर सरकार के सिंगापुर नागरिक सुरक्षा बल (एससीडीएफ) ने सभी भारतीयों को सामुदायिक जीवनरक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया है। भारतीय श्रमिकों ने अपनी जान की परवाह न करते हुए बच्चों को सुरक्षित आग से बाहर निकाला।

आठ अप्रैल की सुबह भारतीयों ने पास की इमारत से बच्चों की चीखें सुनीं और धुआं निकलते देखा, तो वे तुरंत हरकत में आ गए। उन्होंने अपने निर्माण स्थल से मचान और सीढ़ी उठाई और सामने की इमारत में फंसे बच्चों को बचाने पहुंच गए। एससीडीएफ डिवीजन के कमांडर कर्नल ताई जी वेई ने कहा कि सभी आग की घटनाओं के लिए समय महत्वपूर्ण है। इसलिए, हम वास्तव में जनता के सदस्यों को धन्यवाद देते हैं जिन्होंने उस दिन एससीडीएफ के आने से पहले ही प्रतिक्रिया दी। उनकी बहादुरी, उनकी त्वरित कार्रवाई और उनके सामूहिक कार्य ने वास्तव में उस दिन लोगों की जान बचाई। एससीडीएफ अग्निशमन दल के पहुंचने से पहले 18 लोगों ने छह से 10 वर्ष की आयु के बच्चों और 23 से 55 वर्ष की आयु के छह वयस्कों को बचाया और उनकी देखभाल की। आग से बचाई गई 10 वर्षीय ऑस्ट्रेलियाई लड़की की बाद में एक अस्पताल में मौत हो गई थी। बच्चों को बचाने वालों में चिन्नाप्पा कन्नदासन, हसन इमामुल, शकील मोहम्मद, दास तपोश, हसन राजीब, रवि कुमार, वरुवेल क्रिस्टोफर, गोविंदराज एलंगेश्वरन, मुथुकुमार मुगेश, इंद्रजीत सिंह, सिवासामी विजयराज, नागराजन अनबरसन, सुब्रमण्यम सरनराज, इस्लाम शफीकुल, सुब्रमण्यम रमेशकुमार, बेन्सन लो, शेख अमीरुद्दीन बिन कमालुद्दीन और डॉ. लौरा बिफिन शामिल हैं।

बच्चे कूदना चाहते थे

बच्चों को बचाने में मदद करने वाले निजी-किराए के ड्राइवर बेन्सन लो ने कहा कि इमारत के किनारे पर मौजूद बच्चे कांप रहे थे और किनारे से कूदना चाहते थे। भारतीयों श्रमिकों ने उन्हें रुकने के लिए चिल्लाया। निर्माण श्रमिक शकील मोहम्मद, 35, साथी निर्माण श्रमिकों हसन इमामुल, 20, और चिन्नाप्पा कन्नदासन, 32 के साथ सबसे आगे थे। उन्होंने बच्चों को सुरक्षित स्थान पर ले जाने के लिए मानव श्रृंखला बनाई।

हमास दे रहा धमकी कहा- ऐसा ही रहा तो इजराइल के सभी बंधक ताबूतों में ही लौटेंगे

गाजा। इजराइल ने हाल ही में मिस्र और कतर के मध्यस्थों को 45 दिन के अस्थायी युद्धविराम का प्रस्ताव दिया है, जिसमें बदले में 11 इजराइली बंधकों की रिहाई और हमास के हथियार डालने की मांग रखी गई है। हालांकि, हमास ने स्पष्ट किया है कि वह किसी भी तरह के निरस्त्रीकरण को स्वीकार नहीं करेगा। इसी बीच कसाम ब्रिगेड्स ने एक और वीडियो जारी कर बंधकों के परिवारों को चेताया कि यदि इजराइली हमले जारी रहे, तो उनके बच्चे ताबूतों में लौटेंगे, शरीर टुकड़ों में बिखरे होंगे। उधर, वाइट हाउस के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने कहा है कि एडन एलेक्जेंडर की रिहाई ट्रंप प्रशासन की शीर्ष प्राथमिकता है। इसी विषय पर पिछले महीने हामास और अमेरिकी प्रतिनिधियों के बीच वार्ता भी हुई थी।संयुक्त राष्ट्र ने गाजा में मानवीय हालात को अब तक के सबसे खराब स्तर पर बताया है। इजराइल की ओर से लगातार बमबारी और जनवरी 2024 के बाद से फिर से लगाए गए पूर्ण प्रतिबंधों ने भोजन, ईंधन और दवा जैसी जरूरी चीजों की आपूर्ति को लगभग असंभव बना दिया है। जानबूझकर बमबारी करने का आरोप इजराइल के हमलों के बीच हमास के सशस्त्र विंग कसाम ब्रिगेड्स ने दावा किया है कि इजराइली सेना ने जानबूझकर उस स्थान पर बमबारी की है, जहां अमेरिकी मूल के नागरिक एडन एलेक्जेडर को कैद में रखा गया था। संगठन के मुताबिक, इस हमले के बाद से उनका बंधक और उसे कैद करने वाले समूह से संपर्क टूट गया है। हमास का आरोप है कि इजराइल, बंधकों की हत्या कर उन्हें छुड़ाने के लिए बने अंतरराष्ट्रीय दबाव से बचना चाहता है। जिंदा देखा गया था अमेरिकी बंधक शनिवार को हमास ने एक वीडियो जारी किया था, जिसमें 21 वर्षीय एलेक्ज़ेंडर को ज़िंदा दिखाया गया।

ईडी ने जब्त की सहारा की 1400 करोड़ की सम्पत्ति

खूबसूरत एंबी वैली सिटी भी जब्त हुई

मुंबई/कोलकाता, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कोलकाता और मुंबई शाखा ने सहारा समूह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने महाराष्ट्र के लोनावला में मौजूद एंबी वैली की 707 एकड़ जमीन जब्त कर ली है, जिसकी अनुमानित कीमत 1460 करोड़ बताई जा रही है। यह कार्रवाई सहारा समूह के निवेशकों को उनकी धनराशि वापस करने में विफल रहने के चलते की गई है।

ईडी की छानबीन में पता चला है कि सहारा ग्रुप ने लोगों को पैसे इन्वेस्ट करने के लिए मजबूर किया था, इस काम में लोगों की सहमति नहीं ली गई थी। जब लोगों ने अपनी जमा पूंजी मांगी, तो पैसे वापस नहीं किए गए। सहारा समूह पोंजी स्कीम चला रहा था, इसमें सहारा हाउसिंग इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड, सहारा इंडिया कमर्शियल कारपोरेशन लिमिटेड, सहारा क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, सहारा समूह, सहारयन यूनिवर्सल मल्टीपर्पज कोऑपरेटिव सोसाइटी आदि कम्पनियां शामिल थीं।

ईडी का कहना है कि सहारा ग्रुप ने पैसा वापस तो नहीं किया बल्कि जमाकर्ताओं की अपना पैसा फिर से जमा करने के लिए मजबूर किया और एक योजना से दूसरी योजना में लगाया। खातों की कॉपी को छुपाने में हेराफेरी भी की। कई ऐसे ऑफर देकर निवेश का नाम देकर लोगों के पैसों की ठगी की। सहारा समूह ने 2007-2008 में ऑप्शनली फुली कन्वर्टिबल डिबेंचर्स (ओएफसीडी) के माध्यम से लगभग 3 करोड़ निवेशकों से 17400 करोड़ की राशि जुटाई थी। हालांकि, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने इन योजनाओं को अवैध घोषित किया और निवेशकों को पैसा वापस करने का आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने 2012 में सहारा को 24000 करोड़ निवेशकों को लौटाने का निर्देश दिया था, जिसमें से अब तक केवल 11000 करोड़ ही वापस किए गए हैं।

बिहार में मामला दर्ज हुआ था। ईडी की जांच चार एफआईआर के आधार पर हुई थी, जिसमें ओड़ीशा, बिहार और राजस्थान की पुलिस ने सहारा इंडिया क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड और अन्य के खिलाफ दर्ज की थी। 500 से ज्यादा मामले इस केस में दर्ज किए जा चुके है, जिसमें 300 से ज्यादा मामले मनी लॉन्ड्रिंग को लेकर है। सुप्रीम कोर्ट ने सहारा समूह को निवेशकों की बकाया राशि चुकाने के लिए एंबी वैली की सम्पत्तियों को अटैच करने का आदेश दिया था। बॉम्बे हाईकोर्ट के ऑफिशियल लिक्विडेटर ने एंबी वैली की नीलामी प्रक्रिया शुरू की, जिसका रिजर्व प्राइस 37392 करोड़ रुपए निर्धारित किया गया। ईडी को पता चला है कि ये भूखंड बेनामी नामों से खरीदने के लिए सहारा समूह की कंपनियों से पैसे निकाले गए थे। यह फैसला निवेशकों को उनकी धनराशि वापस दिलाने के प्रयासों का हिस्सा है।

कांग्रेस परिवार के बीआर गवई होंगे अगले मुख्य न्यायाधीश

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के अगले मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) के लिए न्यायमूर्ति भूषण आर गवई के नाम की सिफारिश की गई है। सर्वोच्च न्यायालय ने यह सिफारिश विधि मंत्रालय को भेज दी है। प्रस्ताव वर्तमान मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की ओर से भेजा गया है। वे 13 मई को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। परंपरा के अनुसार, वर्तमान सीजेआई अपने उत्तराधिकारी के रूप में सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश की सिफारिश करते हैं। जस्टिस गवई कांग्रेस समर्थक परिवार से आते हैं। उनके पिता कांग्रेस के सांसद और राज्यपाल रह चुके हैं।

जस्टिस गवई वरिष्ठता के क्रम में सबसे आगे हैं, जिसके चलते उनके नाम की सिफारिश की गई है। गौरतलब है कि इससे पहले कानून मंत्रालय ने सीजेआई जस्टिस खन्ना से उनके उत्तराधिकारी का नाम देने की आधिकारिक अपील की थी।

जस्टिस गवई के नाम पर अगर मुहर लगती है तो वे देश के 52वें मुख्य न्यायाधीश होंगे। वे 14 मई को सीजेआई पद की शपथ ले सकते हैं। जस्टिस गवई का कार्यकाल हालांकि छह महीने का ही होगा क्योंकि वे नवंबर 2025 में रिटायर हो रहे हैं। जस्टिस गवई को 24 मई 2019 में सुप्रीम कोर्ट में जज नियुक्त किया गया

जस्टिस गवई का जन्म 24 नवंबर 1960 को महाराष्ट्र के अमरावती में हुआ था। जस्टिस गवई के पिता दिवंगत आरएस गवई भी एक मशहूर सामाजिक कार्यकर्ता और बिहार और केरल के पूर्व राज्यपाल रहे। जस्टिस गवई ने अपने वकालत करियर की शुरुआत साल 2003 में बॉम्बे उच्च न्यायालय में बतौर एडिशनल जज की थी। इसके बाद साल 2005 में वे स्थायी जज नियुक्त हुए। जस्टिस गवई ने 15 वर्षों तक मुंबई, नागपुर, औरंगाबाद और पणजी की पीठ में अपनी सेवाएं दीं।जस्टिस गवई के नाम पर अगर मुहर लगती है तो वे देश के दूसरे अनुसूचित जाति से संबंध रखने वाले मुख्य न्यायाधीश होंगे। उनसे पहले जस्टिस केजी बालाकृष्णन साल 2010 में यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। जस्टिस बीआर गवई साल 2016 में नोटबंदी को लेकर दिए गए फैसले का हिस्सा रहे। जिसमें कहा गया था कि सरकार को करेंसी को अवैध घोषित करने का अधिकार है। इसके अलावा जस्टिस गवई बुलडोजर कार्रवाई के खिलाफ दिए आदेश का भी हिस्सा रहे और इलेक्टोरल बॉन्ड को लेकर फैसला देने वाली पीठ का भी हिस्सा रहे।

विषाक्त पदार्थों के खिलाफ मधुमक्खियों को बनाया हथियार

जम्मू, 16 अप्रैल (ब्यूरो)। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले का एक व्यक्ति मीठी और संधारणीय क्रांति के साथ लहरें पैदा कर रहा है। कुलगाम के सोनीगाम गांव के एक उच्च योग्यता प्राप्त युवा शब्बीर अहमद इटू मधुमक्खी पालन की दुनिया में ख्याति पा रहे हैं। शब्बीर अपने बगीचे में प्राकृतिक प्लांट ग्रोथ रेगुलेटर के रूप में मधुमक्खियों का उपयोग करते हैं, जिससे हानिकारक रासायनिक परागण की आवश्यकता पूरी तरह से समाप्त हो जाती है। उनके तरीके न केवल पर्यावरण के अनुकूल हैं, बल्कि जीवन रक्षक भी हैं।

मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देने के लिए समर्पित, शब्बीर साथी उत्साही लोगों को उच्च गुणवत्ता वाले मधुमक्खी बक्से, उपकरण और विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।

वह पूरे साल शहद निकालते हैं और चार अन्य लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा किए हैं, जो अब उनके साथ काम करते हैं। उन्होंने परागण के उद्देश्य से अन्य बागवानों को मधुमक्खी कालोनियों को बेचना भी शुरू कर दिया है। शब्बीर ने मधुमक्खियों के झुंडों को सुरक्षित रूप से पकड़ने और स्थानांतरित करने के लिए एक विशेष झुंड-पकड़ने की तकनीक विकसित की है। ज्ञान, कौशल और सही उपकरणों के संयोजन का उपयोग करते हुए, वह झुंड की रानी को ढूंढता है और उसे बक्से में बंद कर देता है, जिससे बाकी मधुमक्खियां तैयार किए गए छत्ते में उसका अनुसरण करने के लिए प्रोत्साहित होती हैं।

यह मानवीय तरीका मधुमक्खियों और समुदाय दोनों की भलाई सुनिश्चित करता है और स्वस्थ परागण और शहद उत्पादन को बढ़ावा देता है। वह बिना किसी सुरक्षात्मक गियर का उपयोग किए, अपने नंगे हाथों से पेड़ों से मधुमक्खियों के झुंडों को हटाने की अपनी अनूठी क्षमता के लिए भी जाने जाते हैं। उच्च गुणवत्ता वाले शहद की बिक्री से, वह अच्छी आय अर्जित करते हैं। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग की एचएडीपी योजना ने भी उनके व्यवसाय को बढ़ाने में मदद की, जिससे उन्हें सब्सिडी के तहत एक इकाई प्रदान की गई।

ट्यूलिप गार्डन ने 20 दिनों में बनाया नया रिकार्ड

जम्मू, 16 अप्रैल (ब्यूरो)। मौसम विभाग ने अगले चार दिनों तक कश्मीर में मौसम ठंडा रहने की भविष्यवाणी की है पर ट्यूलिप गार्डन की देखभाल करने वालों के चेहरों पर बढ़ती गर्मी का तनाव दिख रहा है। अप्रैल में श्रीनगर में 32 डिग्री का तापमान नया रिकार्ड बनाने लगा है और यह ट्यूलिप के फूलों के लिए जानलेवा साबित हो सकता है।

श्रीनगर में इंदिरा गांधी मेमोरियल ट्यूलिप गार्डन में इस वसंत में पर्यटकों की अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई है। 26 मार्च 2025 को खुलने के बाद से केवल 20 दिनों में रिकार्ड तोड़ 6,71,926 पर्यटकों का स्वागत किया गया। यह उल्लेखनीय संख्या उद्यान के इतिहास में अब तक की सबसे अधिक संख्या है, जिसने इसे भारत के सबसे अधिक मांग वाले वसंत आकर्षणों में से एक के रूप में स्थापित किया है। जबरवान रेंज की तलहटी में स्थित और शांत डल झील के सामने स्थित, यह उद्यान वर्तमान में पूरी तरह से खिले हुए 1.7 मिलियन ट्यूलिप का घर है, जो परिदृश्य को लाल, पीले, गुलाबी, बैंगनी और सफेद रंग के जीवंत मोज़ेक में बदल देता है। चल रहे ट्यूलिप शो द्वारा प्राप्त विवरणों के अनुसार इस वर्ष 27,810 स्थानीय, 3,91,918 घरेलू पर्यटक और 2,198 अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों सहित एक उदार भीड़ को आकर्षित किया है।

पिछले वर्षों की तुलना में पर्यटकों की संख्या में यह वृद्धि ऐतिहासिक है। 2022 और 2023 दोनों में, उद्यान में 3.65 लाख पर्यटक आए, और 2024 में यह संख्या बढ़कर 4.45 लाख हो गई। हालांकि, इस साल का आंकड़ा पहले ही 6.71 लाख से अधिक हो चुका है, और सीजन के कई दिन अभी भी बाकी हैं, इसलिए अंतिम संख्या और भी अधिक होने की उम्मीद है। जम्मू और कश्मीर पर्यटन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रिकार्ड भीड़ को क्षेत्र के पर्यटन क्षेत्र के लिए एक बड़ी सफलता बताया। उन्होंने कहा कि ट्यूलिप का खिलना देश में वसंत ऋतु के प्रमुख आकर्षणों में से एक बन गया है। यह रिकार्ड तोड़ प्रतिक्रिया कश्मीर में एक सुरक्षित और सुंदर गंतव्य के रूप में पर्यटकों के बढ़ते विश्वास को दर्शाती है।

आने वाले पर्यटक उद्यान की सुंदरता की प्रशंसा में भावविभोर हैं। गुजरात के एक पर्यटक संदीप ने कहा, यह कश्मीर की मेरी पहली यात्रा है, और मैं बस मंत्रमुग्ध हूं। मैंने अपने जीवन में फूलों का ऐसा रंगीन प्रदर्शन कभी नहीं देखा। यह अनुभव शब्दों से परे है। यूनाइटेड किंगडम के एक यात्री ने कहा कि ट्यूलिप गार्डन की प्राकृतिक सुंदरता, कश्मीर के गर्मजोशी भरे आतिथ्य के साथ मिलकर इसे किसी भी यात्री के लिए एक जरूरी जगह बनाती है। रिकार्ड पर्यटकों की उपस्थिति ने स्थानीय समुदाय में आर्थिक उत्साह भर दिया है। गार्डन के बाहर आइसक्रीम की दुकान चलाने वाले इलियास अहद ने कहा कि व्यापार में तेजी आ रही है। यह वर्षों में सबसे अच्छा मौसम रहा है। कुछ दिनों में, मैंने शाम से पहले ही अपना सारा स्टाक बेच दिया। भीड़ ने हम सभी को एक नई उम्मीद दी है। यह बात जरूर थी कि बढ़ती गर्मी उसे भी चिंता जरूर दे रही थी।

जैसे-जैसे ट्यूलिप का मौसम जारी है, हवा में आशावाद है, न केवल पर्यटकों के बीच जो फूलों को देखकर मस्त हैं, बल्कि स्थानीय व्यापारियों और अधिकारियों के बीच भी जो इसे कश्मीर की एक शांतिपूर्ण और मनोरम पर्यटन स्थल के रूप में बढ़ती लोकप्रियता के संकेत के रूप में देखते हैं।

टीएमसी के लिए मुश्किलें खड़ी करेगा सत्ता पोषित दंगा

रही सही कसर पूरी करेगा शिक्षक भर्ती घोटाला

कोलकाता, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में झटकों और मोड़ों की कोई कमी नहीं रहती है। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) अपनी करतूतों की वजह से इन्हीं झटकों और खतरनाक मोड़ों से गुजरने वाली है। टीएमसी का मुस्लिम ध्रुवीकरण का खेल, प्रायोजित दंगा-फसाद, उच्चस्तरीय भ्रष्टाचार और चुनावी हिंसा में टीएमसी की हिस्सेदारी उसे क्रमशः आम नागरिकों के मन से दूर करती जा रही है। बंगाल की धरती का इतिहास रहा है कि जब किसी चीज की अति होने लगती है तो बंगाल के लोग आमूल-चूल परिवर्तन कर देते हैं। पूरी सत्ता बदल देते हैं और एक नए दौर का प्रारंभ करते हैं। बंगाल से कांग्रेस का पटाक्षेप, वाम का आगमन और लंबे कालखंड के बाद उसकी विदाई, फिर टीएमसी का सत्ताग्रहण और अब उसकी भी विदाई की तैयार हो रही भूमिका हमें बंगाल के लोगों के मूल चरित्र की याद दिलाने लगी है।

ममता के राज में पश्चिम बंगाल में अब कुछ भी सही नहीं चल रहा है। बात अगर सिर्फ हाल के दिनों की करें तो शिक्षा भर्ती घोटाला, टीएमसी के अंदर जारी अंदरूनी लड़ाई और अब वक्फ कानून के खिलाफ सड़कों पर होती सत्ता पोषित सांप्रदायिक हिंसा से साफ संकेत मिल रहे हैं कि ममता बनर्जी की पकड़ अब बंगाल में कमजोर हो रही है। बंगाल के विधानसभा चुनाव से एक साल पहले ही ममता के खिलाफ माहौल बनता हुआ साफ-साफ दिख रहा है, आक्रोश की एक लहर बड़े वर्ग में साफ दिखाई दे रही है।

शिक्षक भर्ती घोटाले में जिस तरह से ममता सरकार की किरकिरी हुई है, वह टीएमसी की मुश्किलें बढ़ाने वाली है। सुप्रीम कोर्ट की इस मामले में टिप्पणियां भी सीएम ममता की लोकप्रियता को चोट पहुंचाती हैं। जिस तरीके से सीधे-सीधे 26 हजार शिक्षकों की नौकरी गई है, इसने बंगाल की टीएमसी सरकार पर दबाव बढ़ा दिया है। यहां पर समझने वाली बात यह है कि विवाद सिर्फ इन 26 हजार शिक्षकों का नहीं है, ज्यादा बड़ी बात यह है कि इन 26 हजार शिक्षकों पर उनका पूरा परिवार निर्भर करता है, ऐसे में बंगाल का एक काफी बड़ा वर्ग इस समय आक्रोशित चल रहा है। किसी के भ्रष्टाचार की कीमत जब किसी निर्दोष को चुकानी पड़े तो खतरे की घंटी नेता और उस पार्टी के लिए ही होती है।

एसएससी स्कैम पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) की ओर से आयोजित 2016 की भर्ती प्रक्रिया में अनियमितता से जुड़ा हुआ है। नियुक्तियों में बड़े पैमाने पर धांधली हुई। ऊपर से लेकर नीचे तक कई स्तर पर भ्रष्टाचार हुआ। पक्षपात के जरिए करीबियों को नौकरियां दी गईं। यहां भी सबड़े बड़ा खेल मेरिट लिस्ट में हुआ जिसमें कम अंक वालों को नौकरी मिली और ज्यादा अंक वालों को नहीं। साल 2022 में इस केस में सीबीआई की एंट्री हुई और ममता के करीबी पार्थ चटर्जी से पूछताछ शुरू हुई।

पार्थ चटर्जी 2014 से 2021 तक बंगाल के शिक्षा मंत्री रहे, उन पर भी आरोप लगा कि उन्होंने इस पूरे मंत्रालय को ही अपने कब्जे में रखा और मनमुताबिक नियुक्तियां कीं। इसके ऊपर उनके करीबी अर्पिता मुखर्जी के आवास पर जब नोटों का बंडल मिला, उसने मुख्यमंत्री ममता की किरकिरी और ज्यादा करवा दी। अब इस मामले में जब सुप्रीम कोर्ट ने भी राज्य सरकार को कठघरे में खड़ा किया है, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की इमेज को सीधी चोट लगी है। इसके ऊपर शारदा चिट फंड घोटाला, नारदा स्टिंग कुछ और ऐसे विवाद हैं जहां सीधे और गंभीर सवाल ममता सरकार को लेकर ही उठे हैं।

उनके लिए ज्यादा परेशानी का सबब यह है कि ऐसी चुनौती तब आई है जब उन्हें बंगाल के आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में लगना है। किसी भी राज्य में भ्रष्टाचार और उसके खिलाफ पैदा हुए आक्रोशित को छोटा कर नहीं आका जा सकता। हाल ही में दिल्ली चुनाव के दौरान भी आप संयोजक अरविंद केजरीवाल कथित शराब घोटाले को नजरअंदाज करते रहे, खुद को तो निर्दोष बताया ही, जनता के गुस्से को भी नहीं समझ पाए। लेकिन जब नतीजे आए, खुद अपनी सीट गंवा बैठे और आम आदमी पार्टी की भी करारी हार हुई। ऐसे में ममता बनर्जी के लिए शिक्षा भर्ती घोटाला एक बड़ी चुनौती बनने वाला है। उनके लिए चुनौती भाजपा के लिए उतनी बड़ा ही अवसर भी रहने वाला है।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और टीएमसी की प्रमुख के लिए एक चुनौती अपनी खुद की पार्टी को संभालना भी बन गया है। पहले ऐसा कहा जाता था कि ममता का अपनी पार्टी पर पूरा कंट्रोल है, उनका सख्त अंदाज ऐसा रहता कि कार्यकर्ता भी उनसे सहम जाते थे। कई बार तो पब्लिक में जिस तरह से उन्होंने अपने ही पार्टी कार्यकर्ताओं को फटकार लगाई, वो देखते ही बनता था। लेकिन ये सारी बातें अब पुरानी हो चुकी हैं, अब की टीएमसी अंदरूनी झगड़ों से जूझ रही है, खुद ममता बनर्जी स्थिति को कंट्रोल में नहीं कर पा रही हैं। कई मामलों में उनकी चुप्पी ने भी ऐसे विवादों को और ज्यादा हवा देने का काम किया है।

हाल ही में महुआ मोइत्रा और कल्याण बनर्जी के बीच हुई तू-तू मैं-मैं ने सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोरी थीं। असल में भाजपा ने ही व्हाइट्स ऐप चैट्स शेयर कर दावा किया था कि पार्टी के दो दिग्गज नेताओं के बीच में खूब नोकझोंक हुई। लड़ाई की शुरुआत कल्याण बनर्जी और कीर्ति आजाद की बहस से हुई और बाद में उसमें महुआ की भी एंट्री हुई। बाद में टीएमसी नेता सौगत राय ने ही दावा किया कि उन्होंने महुआ को रोते हुए देखा। उनकी तरफ से कल्याण बनर्जी को उनके पद से हटाने की बात तक कही गई। अब किसी पार्टी की कलह अगर सोशल मीडिया पर वायरल हो जाए, परसेप्शन बनने में देर नहीं लगती। वैसे भी भाजपा को लेकर तो जानकार मानते हैं कि सोशल मीडिया हैंडल करने में वो एक्सपर्ट हैं, ऐसे में यह विवाद कब ज्यादा तूल पकड़ ले, पता भी नहीं चलेगा।आरजी कर अस्पताल रेप केस का उदाहरण भी यहां समझना चाहिए। जिस तरह से डॉक्टर सड़कों पर उतरे थे, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ ही नारेबाजी हुई थी, बाद में भतीजे अभिषेक बनर्जी के नाराज होने की खबरें आई थीं। इस सब ने भी टीएमसी में ओल्ड बनाम यंग गार्ड की लड़ाई को बढ़ा दिया था। इस समय जिस तरीके से टीएमसी में एक धड़ा पूरी तरह अभिषेक बनर्जी को पसंद कर रहा है और मॉर्डन बदलावों की पैरवी कर रहा है, दूसरा धड़ा ममता के वफादारों का है जो अभिषेक और उनके समर्थकों को नकार रहा है। उनकी सोच को टीएमसी की विचारधारा के खिलाफ मान रहा है।

लेकिन यहां पर भी चुनौती ममता बनर्जी के लिए ही है, पार्टी का गुटों में बंटना, नेताओं की आपसी कलह का तूल पकड़ना चुनावी मौसम में आक्रोश की पिच तैयार करता है। सीएम ममता ने कहा जरूर है कि ऐसे बयान देने से बचना चाहिए, लेकिन उनका अंदाज अब उतना सख्त दिखाई नहीं पड़ता। यह नहीं भूलना चाहिए कि हरियाणा चुनाव के दौरान कांग्रेस को जीती हुई बाजी अंदरूनी कलह की वजह से गंवानी पड़ी थी। तब कुमारी शैलजा और भूपेंद्र हुड्डा के समर्थकों के बीच में जारी तनाव ने पार्टी की खूब किरकिरी करवाई थी। छत्तीसगढ़ के चुनाव को भी याद करना चाहिए जब कांग्रेस ने टीएस सिंहदेव और भूपेश बघेल के बीच में तनाव की वजह से इलेक्शन हारा था। ऐसे में अंदरूनी कलह हार की वजह बनती हैं और सीएम ममता को भी यह याद रखना होगा।

पश्चिम बंगाल की राजनीति में हिंसा एक ऐसा अध्याय है जो कई दशकों से जारी है। सरकार चाहे कभी कांग्रेस की हो, चाहे भी लेफ्ट की रही हो या फिर अब टीएमसी की, हिंसा न रुकी है और ना ही रोकने की कोशिश हुई है। पश्चिम बंगाल में इस समय मुर्शिदाबाद में तनाव है, वक्फ कानून के खिलाफ हिंसा हो रही है। हैरानी इस बात की है कि बंगाल पुलिस समय रहते इस बवाल को नहीं रोक पाई, हैरानी इस बात की भी है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने वक्फ कानून के खिलाफ तो बोला, लेकिन हिंसा कैसे रुके, इसे लेकर कुछ नहीं बोला। उन्होंने हिंसा करने वालों को भी फटकार नहीं लगाई है।

अब ममता के खिलाफ कुछ आंकड़े भी जाते हैं जो बताने के लिए काफी है कि बंगाल में कानून व्यवस्था उनके कार्यकाल में और ज्यादा बिगड़ी है। एक आरटीआई के जवाब में पता चला कि जनवरी 2021 से जून 2022 के बीच में राज्य में सांप्रदायिक हिंसा के 65 मामले सामने आए थे। यहां भी 2022 में 35 केस दर्ज किए गए थे। इसके अलावा बंगाल में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार बढ़े हैं, एनसीआरबी के ही आंकड़े बता रहे हैं कि 2022 में पतियों द्वारा पत्नी के खिलाफ क्रूरता के मामलों में चिंताजनक इजाफा हुआ है, पश्चिम बंगाल में प्रति लाख जनसंख्या पर अपराध दर 40.6 रही है।

अब बंगाल की इस हिंसा के जानकार एक नहीं कई कारण मानते हैं। कई तो ये भी कहते हैं कि बंगाल में हो रही इस हिंसा की कोई विचारधारा नहीं है। शिक्षा का स्तर कम है, बेरोजगारी ज्यादा है, गरीबी से लोग परेशान हैं, ऐसे में जहां से पैसा आता है, लोग उनके लिए काम करने लग जाते हैं। ये सोचने वाली बात है कि अचानक से सड़क पर इतने लोग कैसे आ जाते हैं, आखिर क्यों वो पत्थर उठा लेते हैं? बताया जाता है कि इन प्रदर्शन में शामिल कई लोग प्लांटेड भी हो सकते हैं जिन्हें पैसे देकर बुलाया जाता हो। ऐसे में अगर गरीबी को खत्म किया जाए, नौकरियों के नए अवसर बनें, तो आने वाले सालों में बंगाल हिंसा के इस खतरनाक दंश से खुद को मुक्त कर सकता है। अभी के लिए इस हिंसा को कोई रोकना नहीं चाहता है, प्रमुख विपक्षी दल भाजपा को भी आपदा में अवसर दिखाई दे रहा है।

मनोज बाजपेयी ने फिल्म सत्या एक रुपए में साइन की थी

1998 में राम गोपाल वर्मा द्वारा निर्देशित फिल्म 'सत्या' की क्रिटिक्स ने काफी तारीफ की थी और ये दर्शकों द्वारा भी काफी पसंद की गई थी। फिल्म सुपर-डुपर हिट रही थी। मुंबई के अंडरवर्ल्ड पर बेस्ड 'सत्या' में मनोज बाजपेयी ने गैंगस्टर भीकू म्हात्रे के रोल से खूब पॉपुलैरिटी बटोरी थी। लेकिन क्या आप जानते हैं इस फिल्म के लिए मनोज बाजपेयी को कितने रुपये मे साइन किया गया था।

सत्या के लिए मनोज बाजपेयी को कितनी मिला था साइनिंग अमाउंट?

पिंकविला को दिए एक इंटरव्यू में, फिल्म मेकर हंसल मेहता ने खुलासा किया है कि आखिर मनोज बाजपेयी को सत्या के लिए कितना साइनिंग अमाउंट दिया गया था। हंसला मेहता ने बताया, मनोज को मैंने 1 रुपये साइन करने के लिए दिया था, उस फिल्म के लिए, बहुत शराब पी के उसको, उसको भी अनुराग

(कश्यप) को भी 1 रुपये दिया था, सौरभ (शुक्ला) को कुछ नहीं दिया था, और सौरभ ने ही इसे लिखा था। अनुराग को राइटिंग का हिस्सा बनना था लेकिन वह नहीं किया, वह तब तक सत्या में बिजी हो गया था।

बाजपेयी ने सत्या को लेकर क्या कहा था?

एक पुराने इंटरव्यू में, मनोज बाजपेयी ने अपने शुरुआती करियर पर बात की थी। उन्होंने कहा था कि जब उन्होंने सत्या साइन की थी तब इंडस्ट्री में उनकी स्थिति ठीक नहीं थी। उन्होंने बताया कि वह केवल छोटे-छोटे रोल्स कर रहे थे और कुछ कमाई करने के लिए संघर्ष कर रहे थे। उनके मुताबिक, सत्या ने उनके करियर को आकार दिया था।

बाजपेयी ने आगे बताया था कि सत्या की भारी सफलता के बाद उन्हें अच्छी भूमिकाएं मिलने लगीं थीं और इंडस्ट्री में सम्मान मिलने लगा और प्रमुख प्रोडक्शन हाउस तक भी उनकी पहुंच बन गई थी। काम की बात करें तो मनोज जल्द ही राज और डीके के मच अवेटेड शो द फैमिली मैन के नए सीजन में नजर आएंगे। इस सीरीज के दो सीजन काफी पसंद किए गए थे अब फैंस इसके तीसरे सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

हॉलीवुड एक्टर चार्ली चैपलिन से इंस्पायर होकर स्टार बन गए ये बॉलीवुड एक्टर

चार्ल्स स्पेंसर चैपलिन, जो सिनेमा जगत के इतिहास में चार्ली चैपलिन के नाम से लोकप्रिय हैं, उनके हर एक सीन को देखकर दर्शक मुस्कुरा देते थे। हंसने और हंसाने वाले चैपलिन को हंसी के बेताज बादशाह कहें तो ज्यादा न होगा। वह न केवल अपनी कॉमिक टाइमिंग बल्कि खास कॉस्ट्यूम के साथ गजब के हाव-भाव को लेकर भी छाए रहते थे।

हॉलीवुड से बॉलीवुड तक पड़ी छाप

ब्रिटिश कलाकार की 16 अप्रैल को बर्थ एनिवर्सरी है। आइए हिंदी सिनेमा की कुछ ऐसी फिल्मों के बारे में बताते हैं, जिन पर सात समंदर पार के रहने वाले एक्टर चार्ली चैपलिन की छाप दिखी... उनके चेहरे के हाव-भाव ऐसे थे कि उसमें शब्दों की जरूरत ही नहीं होती थी।

उन्होंने लोगों के दिलों में ऐसी छाप छोड़ी, जिसे लोग कभी नहीं भूल सकते और वह अमिट हो गए। यहां तक कि बॉलीवुड में भी उनकी लोकप्रियता देखने को मिली। उनके रंग में कभी राज कपूर तो कभी श्रीदेवी रंगी दिखीं।

राज कपूर की 'श्री420'

साल 1955 में बनी भारतीय हिंदी कॉमेडी-ड्रामा 'श्री 420' को भला कौन भूल सकता है। फिल्म का निर्देशन करने के साथ ही निर्माण भी राज कपूर ने ही किया था। फिल्म में राज कपूर के साथ नरगिस अहम भूमिका में हैं। फिल्म में राज कपूर ने एक गरीब लेकिन शिक्षित अनाथ युवक की भूमिका निभाई थी, जो चार्ली चैपलिन की छाया सा दिखता है। वह अपने गम को हंसी के पीछे छिपा लेता है।

'मिस्टर इंडिया'। 1987

'श्री 420' के बाद आई दूसरी फिल्म थी श्रीदेवी देवी और अनिल कपूर स्टारर सुपरहिट फिल्म 'मिस्टर इंडिया'। 1987 में आई भारतीय सुपरहीरो फिल्म का निर्देशन शेखर कपूर ने किया। निर्माता बोनी कपूर और सुरिंदर कपूर ने नरसिम्हा इंटरप्राइजेज के बैनर तले किया था। फिल्म के डायलॉग या खलनायक अमरीश पुरी के बोल, 'मोगैम्बो खुश हुआ' आज भी लोगों की जुबान पर रहते हैं। फिल्म के एक छोटे से सीन में एक्ट्रेस श्रीदेवी चार्ली चैपलिन के किरदार में नजर आती हैं। उस सीन को भी दर्शकों ने काफी पसंद किया था।

'अजब प्रेम की गजब कहानी'

आधुनिक एक्टर्स पर नजर डालें तो एक्टर रणबीर कपूर पर्दे पर चार्ली चैपलिन के किरदार में नजर आए थे ।

साल 2009 में रिलीज हुई रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म 'अजब प्रेम की गजब कहानी' में एक्टर एक छोटे से सीन के दौरान चार्ली चैपलिन बनकर दर्शकों के सामने आए थे। राजकुमार संतोषी के निर्देशन में बनी फिल्म का निर्माण रमेश तौरानी ने किया है। फिल्म में रणबीर कपूर के साथ मुख्य भूमिका में एक्ट्रेस कैटरीना कैफ हैं।

सलमान की सिकंदर हुई फ्लॉप तो सपोर्ट में उतरे अक्षय कुमार, बोले- टाइगर जिंदा है, हमेशा जिंदा रहेगा

इस साल कई बड़े सितारों की फिल्में सिनेमाघरों में रिलीज हुई जिनमें से कुछ ने जबरदस्त परफॉर्म किया तो कुछ बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई। सलमान खान की सिकंदर भी दर्शकों का दिल नहीं जीत पाई। वहीं स्काई फोर्स के बाद अब केसरी 2 से सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रहे बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार यानी अक्षय कुमार ने सलमान खान की सिकंदर के फ्लॉप होने पर रिएक्शन दिया है।

अक्षय कुमार ने सलमान खान का किया सपोर्ट

हाल ही में अक्षय दिल्ली में अपकमिंग फिल्म 'केसरी चैप्टर 2' की स्पेशल स्क्रीनिंग में शामिल हुए थे। सिनेमा मॉल से बाहर निकलते समय हिंदुस्तान टाइम्स के एक रिपोर्टर ने अक्षय कुमार से सलमान खान और उनकी हालिया बॉक्स ऑफिस पर असफल फिल्म सिकंदर के बारे में पूछा।

इस पर अक्षय ने मुझसे शादी करोगी के अपने को-एक्टर के सपोर्ट में आवाज उठाई और कहा, टाइगर जिंदा है, और हमेशा जिंदा रहेगा। सलमान एक ऐसी नस्ल का टाइगर है जो कभी मर नहीं सकता। मेरा दोस्त है। वह हमेशा वहां रहेगा। वहीं सलमान के लिए अक्की के ये शब्द कुछ ही समय में वायरल हो गए और खान के फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

सिकंदर की असफलता के बाद सलमान खान का मैसेज

सिकंदर की रिलीज के कुछ दिनों बाद, सलमान ने अपने मुश्किल वर्कआउट सेशन की दो तस्वीरें शेयर की थीय सलमान ने सिकंदर की किस्मत को स्वीकार किया और उन्हें इंस्पायर करने के लिए अपने फैंस को थैंक्यू किया। कैप्शन में उन्होंने लिखा, इंस्पिरेशन के लिए थैंक्यू।

सिकंदर के बारे में

सलमान खान की आखिरी फिल्म सिकंदर 30 मार्च को रिलीज हुई थी। फिल्म को मिले-जुले से लेकर नेगेटिव रिव्यू मिले और बॉक्स ऑफिस पर इसकी परफॉर्मेंस काफी खराब रही।ईद पर रिलीज होने के बावजूद, सिकंदर 17 दिनों में दुनिया भर में केवल 183 करोड़ रुपये ही कमा सकी है। प्रोडक्शन हाउस के अनुसार, फिल्म ने 200 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है, लेकिन सलमान की बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई को देखते हुए यह अभी भी कमजोर परफॉर्म कर रही है।

करण और तेजस्वी दुबई ब्लिंग रियलिटी शो में करेंगे सगाई !

करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश इंडस्ट्री के पॉपुलर कपल हैं। दोनों सालों से साथ में हैं और कपल गोल्स देते हैं। अब दोनों के जल्द शादी करने को लेकर खबरें आ रही हैं। हाल ही में सेलिब्रिटी मास्टरशेफ में जब तेजस्वी की मां पहुंची तो फराह खान ने उनसे शादी के बारे में पूछा। इस पर उनकी मां ने कहा कि इस साल शादी हो जाएगी।

हालांकि, करण और तेजस्वी अभी इन खबरों से इंकार ही कर रहे हैं। शादी की खबरों के बीच करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश दुबई में एंजॉय कर रहे हैं। तेजस्वी ने डिनर डेट की तस्वीरें शेयर कीं। फोटो में करण खाने का मजा लेते दिखे। करण और तेजस्वी की डिनर डेट की तस्वीरें वायरल हैं।

हाल ही में ये खबरें आईं कि करण और तेजस्वी दुबई ब्लिंग नाम के एक रियलिटी शो में सगाई करने वाले हैं। इसीलिए दोनों दुबई गए है। हालांकि, करण और तेजस्वी ने इन खबरों पर कुछ भी रिएक्ट नहीं किया है। करण और तेजस्वी की बात करें तो वो बिग बॉस के घर में मिले थे। यहीं से उनके बीच में प्यार हुआ। दोनों ने शो के अंदर ही अपने प्यार का इजहार किया। शो से निकलने के बाद भी दोनों साथ में हैं। तेजस्वी करण के साथ लिव इन में भी रहीं। दोनों हमेशा एक-दूसरे का सपोर्ट करते नजर आते हैं। करण को तेजस्वी के शो सेलिब्रिटी मास्टर शेफ में देखा गया था। वो इस शो के ग्रैंड फिनाले में पहुंचे थे। करण ने तेजस्वी को काफी सपोर्ट किया। तेजस्वी प्रकाश अपना रेस्टोरेंट खोलना चाहती हैं, और करण इसमें उनकी मदद कर रहे हैं।

क्या तुलसी विरानी के किरदार में एकता कपूर के शो में करेंगी कमबैक?

क्योंकि सास भी कभी बहू थी भारतीय टेलीविजन का आइकॉनिक शो है। ये डेली सोप जुलाई 2000 से नवंबर 2008 तक स्टार प्लस पर टेलीकास्ट हुआ था और इसके कुल 1,833 एपिसोड आए थे। शो को शोभा कपूर और एकता कपूर ने अपने बैनर बालाजी टेलीफिल्म्स के तहत सह-निर्मित किया था। इस सीरियल की कहानी स्मृति ईरानी के तुलसी विरानी के किरदार के इर्द-गिर्द घूमती थी जो अमीर विरानी परिवार की आदर्श बहू थी। वहीं एकता कपूर ने हाल ही में कंफर्म किया था कि वह क्योंकि सास भी कभी बहू थी का रीमेक बना रही हैं। वहीं अब स्मृति ईरानी ने इस पर रिएक्शन दिया है।

एकता कपूर ने क्योंकि सास...में स्मृति के कमबैक का दिया था हिंट

बता दें कि इस महीने की शुरुआत में मुंबई में इंडिया ग्लोबल फ़ोरम में बोलते हुए, एकता ने पीटीआई को बताया था, मैं अब तक का सबसे बड़ा शो फिर से बना रही हूं। इसने मुझे एक पहचान दी, और फिर मुझे अन्य चीज़ें बनाने के लिए बहुत संघर्ष करना पड़ा। लेकिन यह वह बन गया जिसके लिए मैं जानी जाती थी। लेकिन एक अन्य बड़े कॉरपोरेट के साथ एक प्रोडक्शन हाउस चलाने के चलते, ये शो अपने 2000 एपिसोड को (एपिसोड मील का पत्थर) को पूरा नहीं कर पाया था। इस मील के पत्थर को पार करने में160 एपिसोड कम पड़ गए थे। इस शो के लिए हमें जो प्यार मिला है, उसने उन सभी को वापस ला दिया है जो इससे जुड़े हुए हैं ताकि वे केवल उन एपिसोड को पूरा करें और 2000 (संख्या) तक पहुंचे। शो इसका हकदार है।

एकता ने ये भी कहा था, हम एंटरटेनमेंट में पॉलिटिक्स ला रहे हैं या बेहतर होगा कि एंटरटेनमेंट में पॉलिटिशियन ला रहे हैं। इसके बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि एकता ने स्मृति ईरानी की इस आइकॉनिक शो में वापसी का हिंट दिया है।

क्योंकि सास।।।में कमबैक को लेकर स्मृति ईरानी ने क्या कहा?

अब, हाल ही में एक कार्यक्रम में, जब स्मृति ईरानी से टाइम्स नाउ ने पूछा कि अगर 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' फिर से शुरू होता है तो क्या वह फिर से तुलसी विरानी का किरदार निभाएंगी, तो उन्होंने बस इतना कहा, हम्म्म्म, जिससे दर्शकों को उनकी वापसी के बारे में अनुमान लगाना पड़ा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शो के रीमेक की आधिकारिक घोषणा मेकर्स जून 2025 में करेंगे।।ओजी शो में पहले दो सालों तक मिहिर विरानी का किरदार निभाने वाले अमर उपाध्याय के भी वापसी करने की उम्मीद है।

गौरतलब है कि स्मृति ईरानी ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार में कैबिनेट मंत्री बनने के बाद अभिनय से ब्रेक ले लिया था और 2014 से 2024 तक महिला एवं बाल विकास मंत्री, अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्री, सूचना एवं प्रसारण मंत्री और कपड़ा मंत्री के रूप में कई विभागों को संभाला था।

सनी देओल की जाट ने बनाए 46 बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड, जल्द ही गदर भी हो जाएगी पीछे!

सनी देओल की जाट 10 अप्रैल को रिलीज होने के बाद से ही हर दिन कोई न कोई रिकॉर्ड बना रही है या फिर तोड़ रही है। साउथ स्टाइल में बनाई गई इस बॉलीवुड फिल्म को लोग पसंद कर रहे हैं। इसीलिए फिल्म को वर्किंग डेज में भी ठीकठाक दर्शक देखने भी जा रहे हैं।

फिल्म को रिलीज हुए आज एक हफ्ते पूरा हो चुका है और फिल्म की आज की कमाई यानी 7वें दिन की कमाई से जुड़े शुरुआती आंकड़े भी सामने आ चुके हैं, तो चलिए जानते हैं कि फिल्म ने अभी तक कितनी कमाई की है और टोटल कलेक्शन कितना हो चुका है। साथ ही, ये भी जानेंगे कि फिल्म ने आज कौन से रिकॉर्ड बनाए और तोड़े हैं।

जाट का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

फिल्म क्रिटिक तरण आदर्श ने फिल्म की 6 दिन की ऑफिशियल कमाई बताते हुए ये भी बताया है कि फिल्म को मास सर्किट में पसंद किया जा रहा है और ये बड़ी बात है कि वर्किंग डे होने के बावजूद फिल्म बढ़िया कमाई कर रही है। नीचे टेबल में आप फिल्म की हर दिन की कमाई अलग-अलग देख सकते हैं। बता दें कि आज की कमाई से जुड़े आंकड़े सैक्निल्क के मुताबिक हैं और 6:05 बजे तक के हैं। फाइनल आंकड़े अपडेट होने के बाद इनमें बदलाव हो सकता है।

सनी देओल की जाट के नाम इतने सारे रिकॉर्ड

सनी देओल की जाट ने पहले दिन 9।62 करोड़ रुपये कमाते हुए 2025 की सबसे बड़ी ओपनिंग वाली फिल्मों की लिस्ट में छावा, सिकंदर और स्काई फोर्स के बाद चौथे नंबर पर पहुंच गई।इसके अलावा, फिल्म ने सनी देओल के करियर की बड़ी ब्लॉकबस्टर बॉर्डर का लाइफटाइम कलेक्शन (39।46 करोड़ रुपये) पार कर लिया।

सनी देओल की फिल्म यहीं नहीं रुकी। इसने छावा, सिकंदर और स्काई फोर्स को छोड़कर साल 2025 में रिलीज हुई सभी फिल्मों को पीछे छोड़ते हुए चौथी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म का खिताब भी अपने नाम कर लिया है।फिल्म ने इस साल रिलीज हुई जिन बॉलीवुड फिल्मों को पीछे किया है उनमें आजाद, लवयापा, इमरजेंसी, क्रेजी, बैडऐस रविकुमार, सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव, द डिप्लोमैट, देवा, फतेह और मेरे हस्बैंड की बीवी को मिलाकर कुल 10 फिल्में शामिल हैं।

जाट बनी सनी देओल के करियर की तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म

साल 2001 में आई गदर (76।88 करोड़ रुपये) और साल 2023 में आई गदर 2 (525।45 करोड़ रुपये) के बाद 2011 में आई फिल्म यमला पगला दीवाना (55।28 करोड़ रुपये), ये तीनों फिल्में सनी देओल के करियर की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्में थीं। आज जाट ने यमला पगला दीवाना को पीछे छोड़ते हुए सनी पाजी की तीसरी सबसे कमाऊ फिल्म का रिकॉर्ड बना दिया है।

सनी देओल के पिछले 25 सालों के सारे रिकॉर्ड टूटे

सनी देओल के खाते में 2001 से लेकर 2025 तक टोटल जाट को हटाकर टोटल 35 फिल्में आईं। और सनी पाजी ने आज इनमें से सिर्फ दो फिल्मों गदर और गदर 2 को छोड़कर बाकी सभी फिल्मों का लाइफटाइम कलेक्शन पार कर लिया है। यानी सनी देओल ने अपनी ही 33 फिल्मों के रिकॉर्ड तोड़े हैं।अब इन 33 फिल्मों के रिकॉर्ड, साल 2025 की 10 फिल्मों के रिकॉर्ड के साथ ऊपर बताए गए बाकी रिकॉर्ड मिला दें तो उनकी फिल्म ने 7 दिनों में टोटल 46 रिकॉर्ड बनाए हैं।

जाट की स्टार कास्ट और बजट

सनी देओल की लीड भूमिका वाली जाट को साउथ डायरेक्टर गोपीचंद मालिनेनी ने डायरेक्ट किया है। पुष्पा 2 के मेकर्स यानी मैथ्री मूवी मेकर्स ने फिल्म में 100 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। विक्की कौशल की छावा में अहम किरदार निभा चुके विनीत कुमार सिंह और स्वातंत्र्य वीर सावरकर जैसी फिल्म कर चुके रणदीप हुड्डा भी फिल्म में अहम रोल में हैं। उनके अलावा, साउथ एक्टर जगपति बाबू, रेजिना कैसेंड्रा और राम्या कृष्णनन के साथ सैयामी खेर भी फिल्म में हैं।

वैशाख आते ही शिवलिंग के ऊपर क्यों लगाया जाता है छोटा कलश?

वैशाख माह की शुरुआत13 अप्रैल से हो चुकी है। इस महीने में तीर्थ में स्नान करने के साथ-साथ भगवान शिव का पूजन करने का भी विशेष महत्व माना गया है। इस माह में शिवलिंग पर गलंतिका भी जरूरी रूप से बांधी जाती है। गलंतिका एक छेद युक्त मटकी होती है, जिसमें से बूंद-बूंद पानी शिवलिंग पर टपकता रहता है। क्या आप इसका धार्मिक कारण जानते हैं, अगर नहीं तो चलिए जानते हैं इस बारे में।

क्या है पौराणिक मान्यता

पौराणिक कथा के अनुसार, जब समुद्र मंथन हुआ था, तो इसमें से एक विष का प्याला भी उत्पन्न हुआ था, जिससे चारों ओर हाहाकार मच गया। तब देवों के देव महादेव ने इस विष का पान किया था।

समुद्र मंथन से जुड़ी है कथा

ऐसा माना जाता है कि वैशाख में जब बहुत अधिक गर्मी पड़ने लगती है, तो इससे भगवान शिव के गले में मौजूद विष के कारण उनके शरीर का तापमान बढ़ने लग जाता है। ऐसे में तापमान को नियंत्रित रखने के लिए शिवलिंग पर गलंतिका बांधी जाती है। इससे बूंद-बूंद पानी टपकता रहता है और ठंडक बनी रहती है।

यह भी है कारण

वैशाख व ज्येष्ठ माह में बहुत अधिक गर्मी पड़ती है। ऐसे में शिवलिंग पर गलंतिका बांधें जाने का एक कारण यह भी है कि इससे शिवलिंग के ऊपर लगातार शीतल जलधारा बनी रहती है और शिव जी के शरीर के तापमान सामान्य रहता है। गलंतिका मिट्टी या किसी अन्य धातु की भी हो सकती है। इस बात का खासतौर से ध्यान रखा जाता है कि गलंतिका का पानी कभी खत्म न हो।

श्री महाकालेश्वर मंदिर में भी गलंतिका बांधी जा चुकी है। पूरे वैशाख और ज्येष्ठ माह में गलंतिका से ही श्री महाकालेश्वर जी का अभिषेक होगा। भगवान श्री महाकालेश्वर जी को इन दो महीनों तक रोजाना भस्म आरती के बाद प्रातः 6 बजे से लेकर शाम 05 बजे तक अर्थात संध्या पूजन तक गलंतिका बांधी जाएगी।

इसके लिए 11 मिट्टी के कलश या मटकों की मदद से गलंतिका लगाई गई। इन मिट्टी के कलशों पर 11 नदियों के नाम अंकित हैं, जो इस प्रकार हैं - गंगा, सिंधु, सरस्वती, यमुना, गोदावरी, नर्मदा, कावेरी, शरयु, क्षिप्रा, गण्डकी और अलखनंदा।

उत्तराखंड के रामेश्वरम महादेव,जहां श्री राम ने किया था शिव पूजन

कहा जाता है कि रामेश्वर में सेतु बनाने से पूर्व जब भगवान श्री राम ने शिव लिंग की स्थापना करनी चाही तो उन्होंने श्री हनुमान जी को कैलाश पर्वत पर भेजकर शिवलिंग लाने के लिए कहा शिवलिंग लाने में देरी होने पर श्री राम ने उसी मुहूर्त में बालू से शिवलिंग की स्थापना की। बाद में अपनी नर लीला समाप्त करने से पूर्व स्वर्ग जाने से पहले उन्होंने सरयू,रामगंगा एवं पाताल भुवनेश्वर से निकली गुप्त गंगा के संगम पर शिवलिंग प्रतिष्ठित किया।

यह स्थान सरयू और रामगंगा के मध्य हाट कालिका व जागेश्वर महिमा को पूर्णित करने वाले तीर्थ के रुप में जाना जाता है। इसे भी रामेश्वरम् कहा जाता है और इसकी महिमा भी अनादि व अनन्त है। यह स्थल भगवान श्री राम का पूज्यनीय स्थल होने के साथ-साथ शिव व शक्ति की महिमा का भी बखान करता है। स्कंद पुराण के मानस खण्ड (अध्याय 95) में इस स्थान का बड़ा ही मनोहारी वर्णन मिलता है। इस स्थान की स्तुति के बिना जागेश्वर की स्तुति अधूरी मानी जाती है। देवर्षि नारद ने गंगा पुत्र भीष्म पितामह को इस स्थान की अलौकिक महिमा का ज्ञान कराया। ब्रह्मा की सभा में देवर्षि नारद ने इस दिव्य स्थान की महिमा जानी, जिसका वर्णन उन्होंने भीष्म पितामह को सुनाया।

इस क्षेत्र की महिमा जब ब्रह्मा ने ऋषि गौतम को सुनायी तो नारद ऋषि भी नारायण स्वरूप की महिमा को सुनकर धन्य हो उठे। उन्होंने भीष्म पितामह से कहा, ''तुम भी ध्यान पूर्वक रामेश्वर की महिमा का श्रवण करो। गौतम ऋषि के द्वारा विनयपूर्वक प्रश्न पूछे जाने पर ब्रह्मा जी ने स्वयं बताया कि सरयू व रामगंगा के मध्य परम पावन निर्मल क्षेत्र रामेश्वर है। यहां पर शिव व शक्ति सहित भगवान श्री राम का वास है। काशी विश्वनाथ के पूजन से सौ गुना पुण्य रामेश्वर के पूजन से मिलता है। वैद्यनाथ व सेतुबंध की अपेक्षा रामेश्वर के पूजन से सौ गुना फल प्राप्त होता है। सरयू-रामगंगा में स्नान के पश्चात जो प्राणी अपनी श्रद्धा रूपी आराधना के श्रद्धा पुष्प श्री रामेश्वर के चरणों में अर्पित करता है वह व्यक्ति समस्त शैल वन सरोवरों और नदियों सहित समस्त तीर्थ स्नान के फल को प्राप्त करता है। उसे प्रयाग और कुरूक्षेत्र जैसे महान तीर्थों के दर्शन का फल भी प्राप्त होता है।

कहा जाता है कि दशरथ के पुत्र अवतार पुरुष भगवान श्री रामचन्द्र ने सत्यलोक जाने की इच्छा से यहां पर शंकर का पूजन किया। शिव कृपा से उन्होंने सशरीर बैकुण्ठ धाम को प्रस्थान किया।

उन्होंने यहां पर जगत कल्याण के लिए शिवलिंग स्थापित किया। गौतम ऋषि के मन की जिज्ञासा को शांत को करते हुए ब्रह्मा जी ने उन्हें हिमालय आने का कारण बताते हुए कहा, राम का स्मरण करने से ही सब

तर जाते हैं। फिर भी मर्यादा पुरुषोत्तम ने मर्यादा व कर्तव्य की महानता को प्रकट करते हुए पूर्वजों का पुण्य स्मरण कर सरयू रामगंगा के मध्य इस पुनीत क्षेत्र की ओर अपने पग बढ़ाये और यहीं पर भगवान शिव की पूजा अर्चना कर सशरीर बैकुण्ठ धाम को प्रस्थान किया। तभी से इस संसार में भगवान शंकर रामेश्वर के नाम से प्रसिद्ध हुए। रामेश्वर का पूजन करने पर जहां असंख्य कुलों का उद्धार होता है वहीं बिना दान, तप, यज्ञ के सहज ही मुक्ति की प्राप्ति होती है। यहीं पर पूजन-अर्चन के पश्चात राजा वेदसह को भी मुक्ति मिली है। राजा वेदसह कौन थे और किस वंश में उत्पन्न हुए, इसका भी बड़ा रोचक वर्णन मिलता है। मानस खण्ड में ब्रह्मा जी ने गौतम ऋषि को बताया कि उज्जयिनी में नहुष के वंश में मोक्ष प्राप्त करने का इच्छुक वेदसह नाम का राजा हुआ। वह प्रारंभ में आखेट प्रेमी,पर स्त्री गामी व ब्राह्मणों को सताने वाला महापापी राजा था। उसके अनैतिक कर्मों से कुपित होकर एक ब्राह्मण दम्पत्ति ने उसे श्राप दे दिया। राजा ने उसका भी वध कर डाला। फलस्वरूप उसका राज्य नष्ट हो गया और शत्रुओं ने उसके पुत्र और पत्नी को मार डाला और वह भयभीत होकर दुर्गम वनों की गुफाओं में रहने लगा। वहां भी ब्राह्मण के श्राप से वह दर-दर की ठोकरें खाने लगा। पश्चाताप की अग्नि भी उसे पल-पल जलाने लगी, जिससे उसका मन धीरे-धीरे निर्मल होने लगा और उसके हृदय में भगवान शिव के प्रति भक्ति जागृत होने लगी। उसने अनेक तीर्थों में भ्रमण किया किन्तु उसे शांति की प्राप्ति नहीं हुई, देवयोग की प्रेरणा से वह हिमालय की ओर चल पड़ा।

पर्वतों की कंदराओं में उसकी भेंट एक तपस्वी ब्राह्मण से हुई। उसने ब्राह्मण को अपनी सम्पूर्ण व्यथा बताई तथा अपने किये गये दुष्कर्मों के तारण का उपाय पूछा। राजा के निवेदन करने पर तपस्वी ब्राह्मण ने 'रामेश्वर' की उत्पत्ति का उसे वर्णन सुनाया तथा शिव की शरणागत लेने को कहा। उक्त ब्राह्मण के बताये मार्ग पर चलकर वह रामेश्वर पहुंचकर भगवान श्री राम का पूजन करने लगा। उसी दौरान एक बूढ़ी ब्राह्मणी शंकर का स्मरण करते-करते देह त्याग गयी तब शिवगणों ने उसे विमान पर चढ़ाकर शिवलोक पहुंचा दिया। इस प्रकार रामेश्वर के स्मरण मात्र से वह परम गति पा गयी। कूर्मांचल के पद्मनाभ के चरणों से उत्पन्न हुई पर्णपत्रा पनार सहित अनेक नदियों के साथ संगत होती है, जहां पर 'सरयू' मिलती है। वह क्षेत्र रामेश्वर का प्रवेश द्वार है। यहां शैल पर्वत से उत्पन्न गुप्त सरस्वती का सरयू में संगम बताया जाता है। इसके पूर्व के संगम में सूर्यतीर्थ कहा गया है और इसी में गुप्त कौशिकी का संगम भी बताया गया है। यहां शैलजा देवी, धार्मदि, लोकपाल क्षेत्रपाल आदि देवताओं के पूजन का भी विशेष महत्व कहा गया है। रामेश्वर में स्वर्गारोहण की दिव्य शिला कही जाती है। परम्परानुसार यहां दाह करने पर अस्थियां अन्य तीर्थो हरिद्वार, काशी, प्रयाग आदि में नहीं पहुंचाई जाती है। यहां पर शिव की पूजा-अर्चना करने से मानव के सब पातक नष्ट हो जाते हैं तथा वह शिव लोक को प्राप्त करता है।

कहा जाता है कि सेतुबंध रामेश्वर में जब भगवान श्री राम ने शिव लिंग की स्थापना करनी चाही तो उन्होंने श्री हनुमान जी को कैलाश पर्वत पर भेजकर शिवलिंग लाने के लिए कहा किन्तु शुभ मुहूर्त निकल जाने व हनुमान जी द्वारा शिवलिंग लाने पर देरी हो जाने पर श्री राम ने बालू से रामेश्वर में शिवलिंग की स्थापना की और बाद में अपनी नर लीला समाप्त करने से पूर्व स्वर्ग जाने से पहले बहत्तर यज्ञ सम्पन्न करने के पश्चात यहां पर शिवलिंग प्रतिष्ठित किया। इस स्थान पर सरयू व रामगंगा के अलावा पाताल भुवनेश्वर से निकली गुप्त गंगा का संगम बताया जाता है। यह स्थान गंगोलीहाट-पिथौरागढ़ मार्ग पर पनार के पास स्थित है। यहां के पुजारियों को चन्द राजा चित्तौडग़ढ़ से लेकर यहां आये जिनके वंशज गिरी यहां पूजा-अर्चना का कार्य देख रहे हैं।

-रमाकान्त पन्त

कबूतर देखे बिना अधूरा माना जाता है बाबा बर्फानी के दर्शन, सदियों से चली आ रही है परंपरा

हर साल सावन महीने में अमरनाथ यात्रा की जाती है। इस साल 03 जुलाई से अमरनाथ यात्रा की शुरुआत हो रही है। वहीं, सावन पूर्णिमा तिथि पर अमरनाथ यात्रा का समापन होगा। आसान शब्दों में कहें तो 03 जुलाई से अमरनाथ यात्रा का प्रारंभ होगा और 09 अगस्त के दिन समापन होगा। अमरनाथ यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन सेवा शुरू हो चुकी है। भक्तजन ऑनलाइन सेवा के माध्यम से अमरनाथ यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन (पंजीकरण) कर सकते हैं।

इस शुभ अवसर पर बाबा बर्फानी के दर्शन किए जाते हैं। सनातन शास्त्रों में निहित है कि अमरनाथ यात्रा करने से अश्वमेघ यज्ञ समान फल मिलता है। वहीं, अमरनाथ जी के दर्शन से साधक को अमोघ और अक्षय फल की प्राप्ति होती है। साथ ही सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं।

कहते हैं कि बाबा बर्फानी के दर्शन से जीवन धन्य हो जाता है। इसके लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु देश और विदेश से बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए अमरनाथ यात्रा करते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि कबूतर देखे बिना बाबा बर्फानी के दर्शन अधूरा माना जाता है?

क्यों कबूतर के दर्शन है जरूरी?

देवों के देव महादेव की लीला अपरंपार है। अपनी लीला से भगवान शिव सृष्टि की रक्षा करते हैं। इसके लिए भगवान शिव को अनादि कहा जाता है। भृगु संहिता के 'अमरनाथ माहात्म्य' के अनुसार, चिरकाल में देवों के देव महादेव शाम के समय तांडव (नृत्य) कर रहे थे। उस समय ''महाडामरुक गण' भी नृत्य (नाच) करने लगे। उस समय महाडामरुक गणों ने ''कुरु कुरु कुरु कुरु कुरु कुरु'' कहना शुरू कर दिया।

यह देख और सुन देवों के देव महादेव क्रोधित हो उठें। उन्होंने गणों को गुस्से में कहा- तुम लोगों ने ''कुरु कुरु कुरु कुरु कुरु कुरु'' कह कर मेरे नृत्य में बाधा डाली है। इसके लिए मैं, तुमलोगों को शाप देता हूं कि तुम सब चिरकाल तक यहीं रहोगे। साथ ही अनंत काल तक ''कुरु कुरु कुरु कुरु कुरु कुरु'' ही करते रहोगे।

इस स्थान पर आने वाले भक्तजन जो मेरा दर्शन करेंगे, उनका तुम उद्धार करोगे। उनके दुख तुम सभी दूर करोगे। उनके पापों का नाश करोगे। इसके लिए वे तुम्हारा भी दर्शन करेंगे। कहते हैं कि 'महाडामरुक गण' के दर्शन बिना तीर्थ यात्रा सफल नहीं होती है। ये 'महाडामरुक गण' कबूतर ही हैं।

कैसे मिला देवों के देव महादेव को अमरनाथ का नाम? पौराणिक कथा

देवों के देव महादेव की महिमा निराली है। अपने भक्तों पर भगवान शिव असीम कृपा बरसाते हैं। उनकी कृपा से साधक की हर मनोकामना पूरी होती है। साथ ही जीवन में व्याप्त सभी प्रकार के दुख एवं संकट दूर हो जाते हैं। सनातन शास्त्रों में भगवान शिव को कई नामों से जाना जाता है। इनमें एक नाम अमरनाथ है। भक्तजन अमरनाथ और अमरेश्वर को बर्फों में रहने के चलते बाबा बर्फानी भी कहते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि देवों के देव महादेव को अमरनाथ क्यों कहा जाता है?

कब से शुरू होगी अमरनाथ यात्रा?

वैदिक पंचांग के अनुसार, 11 जुलाई से सावन महीने की शुरुआत होगी। यह महीना पूर्णतया देवों के देव महादेव को समर्पित होता है। इस महीने में भगवान शिव और मां पार्वती की पूजा की जाती है। इससे एक सप्ताह पूर्व (पहले) अमरनाथ यात्रा की शुरुआत होगी। आसान शब्दों में कहें तो आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि यानी 03 जुलाई से अमरनाथ यात्रा की शुरुआत होगी। वहीं, सावन पूर्णिमा यानी 09 अगस्त को अमरनाथ यात्रा का समापन होगा।

क्यों पड़ा महादेव का नाम अमरनाथ?

भृगु संहिता के 'अमरनाथ माहात्म्य' में बाबा बर्फानी की महिमा का वर्णन विस्तार पूर्वक किया गया है। चिरकाल में विधि के विधान अनुरूप स्वर्ग के सभी देवता मृत्यु भय से ग्रस्त हो गये थे। इनमें स्वर्ग नरेश इंद्र भी शामिल थे। यह जानकर सभी देवता, देवों के देव महादेव के शरण में पहुंचे। उन्हें अपनी आपबीती सुनाई।

उस समय भगवान शिव ने उन्हें व्याकुलता का कारण पूछा। तब देवताओं ने उन्हें अवगत कराया कि मृत्यु को कोई जीत नहीं पाया है। इसके लिए हम लोग आपकी शरण में आ पहुंचे हैं। आप सहायता कीजिए, प्रभु! स्वर्ग में अव्यवस्था होने से समस्त लोक में हाहकार मच सकता है। यह जान भगवान शिव ने अपने चन्द्रकला को निचोड़कर कहा कि यह अमृत है। भगवान शिव के स्पर्श से चंद्रकला से एक पवित्र धारा निकली। यह जलधारा अमरावती नदी के नाम से प्रसिद्ध हुई।

वहीं, चंद्रकला के निचोड़ने से कुछ बूंदें भगवान शिव पर भी पड़ीं। वह भस्मरूप में बदल गईं। वहीं, भगवान शिव द्रवित (बर्फानी) होने लगे। तब देवों के देव महादेव का द्रवित रूप देख देवताओं ने उन्हें प्रणाम किया। भगवान शिव ने कहा कि आप सभी ने मेरे बर्फानी स्वरूप (लिङ्गम) का दर्शन किया है। अतः आज से आप सभी को मृत्यु कभी छू नहीं पायेगी। आप सभी अमरता को प्राप्त करेंगे। साथ ही आगे महादेव ने कहा कि आज से तीनों लोकों में मेरा यह लिङ्गम अमरनाथ के नाम से प्रसिद्ध होगा। उस समय देवताओं ने शिवलिंग का प्रदक्षिणा कर महादेव को प्रणाम किया। इसके बाद देवता स्वर्ग लौट आये।

शिवलिंग पूजा में वर्जित मानी गई हैं ये चीजें, नहीं मिलता पूर्ण फल

शिवलिंग की पूजा को दौरान शिव जी को भांग, धतूरा, शहद, दूध, दही आदि जैसी कई चीजें अर्पित की जाती हैं। लेकिन आज हम आपको ऐसी चीजें बताने जा रहे हैं, जिन्हें भूलकर भी शिवलिंग पर अर्पित नहीं करना चाहिए, वरना आपको इसका शुभ परिणाम नहीं मिलता। इस चीजों से संबंधित पौराणिक कथाएं भी मिलती हैं।

इसलिए नहीं चढ़ती तुलसी

पौराणिक कथा के अनुसार, तुलसी का नाम वृंदा था, जो जलंधर नाम के एक राक्षस की धर्मपत्नी थी। वह एक पतिव्रता नारी थी। उसके पतिव्रता बल के कारण जालंधर को हराना काफी कठिन था। ऐसे में विष्णु जी ने छल से वृंदा का पतिव्रत धर्म भंग कर दिया और भगवान शिव ने जालंधर का वध किया। इसी कारण से शिव जी पर तुलसी चढ़ाना वर्जित माना जाता है।

इस रासक्ष का किया था वध

शिव जी की पूजा में शंख का उपयोग करना भी शुभ नहीं माना जाता, जिसके पीछे भी एक पौराणिक कथा मिलती है। कथा के अनुसार, दैत्य शंखचूड से सभी देवी-देवता परेशान थे। ऐसे में भगवान शिव ने अपने त्रिशूल से उस दैत्य को भस्म कर दिया। उस भस्म से शंख की उत्पत्ति हुई। इसलिए शिवलिंग पूजा में शंख का इस्तेमाल करना वर्जित होता है।

न चढ़ाएं ये चीजें

हिंदू मान्यताओं के अनुसार, श्रीफल का संबंध मां लक्ष्मी से माना जाता है। मां लक्ष्मी, भगवान विष्णु की धर्मपत्नी हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जिस भी चीज का संबंध मां लक्ष्मी से होता है, उसे कभी भी शिव जी को अर्पित नहीं करना चाहिए, वरना इससे साधक को शुभ परिणाम नहीं मिलते। इसी के साथ सिंदूर, हल्दी, केतकी और कनेर के फूल, नारियल का पानी व टूटे हुए चावल भी शिव जी को अर्पित करना शुभ नहीं माना जाता।

संपादकीय

पंजाब का भविष्य देखें

यह विडंबना ही है कि पंजाब में आसन्न चुनौतियों को नजरअदांज करके राजनीतिक लाभ के लिये गैरजरूरी गतिविधियां की जा रही हैं। इसी कड़ी में मान सरकार द्वारा विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा के खिलाफ मामला दर्ज करना, एक अनाश्यक राजनीतिक उकसावा ही कहा जाएगा। निश्चित रूप से यह प्रकरण एक अनुचित समय पर हुआ है। आज एक बार फिर पंजाब दोराहे पर खड़ा है, जहां उसे उन ताकतों का सामना करना पड़ रहा है, जिन्होंने अतीत में राज्य को भयावह संकट में धकेल कर अमन-शांति को ग्रहण लगाया था। इन ताकतों के खतरनाक मंसूबों को गंभीरता से महसूस किया जाना चाहिए। हाल के दिनों में ग्रेनेड हमलों की श्रृंखला शासन-प्रशासन के साथ आम लोगों को व्यथित किए हुए है। ऐसी किसी भी आतंकी गतिविधि के खिलाफ समय रहते सामूहिक संकल्प लेने की सख्त जरूरत है।

निश्चित रूप से यह प्रकरण एक अनुचित समय पर हुआ है। आज एक बार फिर पंजाब दोराहे पर खड़ा है, जहां उसे उन ताकतों का सामना करना पड़ रहा है, जिन्होंने अतीत में राज्य को भयावह संकट में धकेल कर अमन-शांति को ग्रहण लगाया था। इन ताकतों के खतरनाक मंसूबों को गंभीरता से महसूस किया जाना चाहिए। हाल के दिनों में ग्रेनेड हमलों की श्रृंखला शासन-प्रशासन के साथ आम लोगों को व्यथित किए हुए है। ऐसी किसी भी आतंकी गतिविधि के खिलाफ समय रहते सामूहिक संकल्प लेने की सख्त जरूरत है। इस वक्त पंजाब के राजनीतिक परिदृश्य में जिम्मेदार नेतृत्व की सख्त जरूरत है। यह समय नहीं है कि राजनीतिक लाभ-हानि के गणित को दृष्टिगत रखकर एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ दिखाई जाए। यदि पंजाब में सिर उठा रही आतंकवाद की नई चुनौती के खतरे को गंभीरता से लेने की बजाय, अभद्र भाषा की टिप्पणियों को प्राथमिकता दी जाएगी तो राज्य का बहुत कुछ दांव पर लगेगा। इससे भी बड़ी विडंबना यह है कि इस राजनीतिक विवाद में पुलिस को घसीटा जा रहा है। ऐसे चुनौती वाले समय में जब पुलिस का मनोबल बढ़ाकर उसकी पूरी ऊर्जा उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई पर केंद्रित करने की जरूरत है, जो राज्य को फिर से अतीत के उस काले दौर की ओर धकेलने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे उबरने में पंजाब के लोगों ने भारी कीमत चुकाई थी।

इस वक्त पंजाब के राजनीतिक परिदृश्य में जिम्मेदार नेतृत्व की सख्त जरूरत है। यह समय नहीं है कि राजनीतिक लाभ-हानि के गणित को दृष्टिगत रखकर एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ दिखाई जाए। यदि पंजाब में सिर उठा रही आतंकवाद की नई चुनौती के खतरे को गंभीरता से लेने की बजाय, अभद्र भाषा की टिप्पणियों को प्राथमिकता दी जाएगी तो राज्य का बहुत कुछ दांव पर लगेगा। इससे भी बड़ी विडंबना यह है कि इस राजनीतिक विवाद में पुलिस को घसीटा जा रहा है। ऐसे चुनौती वाले समय में जब पुलिस का मनोबल बढ़ाकर उसकी पूरी ऊर्जा उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई पर केंद्रित करने की जरूरत है, जो राज्य को फिर से अतीत के उस काले दौर की ओर धकेलने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे उबरने में पंजाब के लोगों ने भारी कीमत चुकाई थी। कोई नहीं चाहेगा कि राज्य को फिर उस भयावह दौर से गुजरना पड़े। इसमें दो राय नहीं कि पंजाब के समक्ष मौजूदा चुनौतियों और हिंसक अतीत को दृष्टिगत रखते हुए राजनीति प्रतिष्ठानों से संवेदनशील मामलों में संयमित और सावधान प्रतिक्रिया की उम्मीद की जा सकती है। लेकिन विडंबना है कि नये सिरे से पंजाब की शांति को भंग करने की कुत्सित कोशिशों के प्रति राजनीतिक दलों द्वारा गंभीर प्रतिसाद नहीं दिया जा रहा है। हाल के दिनों में राज्य में सत्तापक्ष और विपक्ष के नेताओं की सतही बयानबाजी से तो ऐसा नहीं लगता है कि राजनेताओं द्वारा चुनौतीपूर्ण स्थितियों में परिपक्वता का व्यवहार किया जा रहा हो। सवाल है कि क्या कांग्रेस नेता बाजवा को अपने बयानों को अभिव्यक्त करने में अधिक सावधान नहीं रहना चाहिए था? निस्संदेह, उन्हें गंभीरता व परिपक्वता का परिचय देना चाहिए था। सवाल यह भी है कि उनके बयानों के जबाव में क्या सरकार की ओर से मामला दर्ज किया जाना चाहिए था? निश्चित रूप से नहीं दर्ज किया जाना चाहिए था। सत्तापक्ष और विपक्ष की कारगुजारियों को देखकर निष्कर्ष निकालना कठिन नहीं है कि दोनों की तरफ से मौजूदा परिदृश्य में प्राथमिकताएं निर्धारित करने में गलती की जा रही है। यानी बयानबाजी व कार्रवाई में संकीर्ण राजनीतिक हितों को प्राथमिकता दी जा रही है। इससे उन तत्वों को शह मिलती है जो पंजाब के अमन-चैन को ग्रहण लगाना चाहते हैं। वक्त की मांग है कि पंजाब के दूरगामी हितों से जुड़े गंभीर मुद्दों को राजनीतिक चश्मे से ही कदापि नहीं देखा जाना चाहिए। राज्य के हित निश्चित रूप से राजनीति से ऊपर उठकर होने चाहिए। निस्संदेह, यदि राज्य सरकार की कारगुजारियों में नीतिगत खामियां हैं, तो विपक्ष को उन्हें सूचीबद्ध करके उजागर जरूर करना चाहिए। लेकिन आतंकवाद के खिलाफ किसी भी लड़ाई का एक स्वर में समर्थन किया जाना चाहिए। यदि जरूरत महसूस होती है तो आम आदमी पार्टी सरकार को सर्वदलीय बैठक बुलाने पर भी विचार करना चाहिए। इस मामले में तथ्यात्मक स्थिति को तो उजागर करना ही चाहिए, जिससे इससे जुड़ी किसी आशंका को दूर किया जा सके। निश्चित रूप से किसी आसन्न खतरे को महसूस करके उसके खिलाफ एकीकृत प्रतिक्रिया से जहां राज्य विरोधी तत्वों का मनोबल गिरेगा, वहीं आम लोगों की आशंकाओं को भी दूर किया जा सकेगा।

आम जनजीवन का अनहोनी होने की आशंकाओं से घिरा होना चिंताजनक भी है और राष्ट्रीय शर्म का विषय भी है

अराजकता में डूबे बंगाल में नाउम्मीदी का अंधेरा

ललित गर्ग

नए वक्फ कानून को लेकर कुछ राजनीतिक दल मुस्लिम समाज को विशेषतः किशोर बच्चों को हिंसा एवं तोड़फोड के लिये जानबूझकर सड़कों पर उतारने में लगे हुए हैं। वे उन्हें अराजकता एवं उन्माद के लिए उकसा भी रहे हैं और तरह-तरह से प्रोत्साहन दे रहे हैं। अराजकता फैलाने वाले किस तरह बेखौफ हैं, इसकी पुष्टि इससे होती है कि वे सरकारी-गैरसरकारी वाहनों को तोड़ने, जलाने के साथ पुलिस पर भी हमले कर रहे हैं। बंगाल के विभिन्न जिलों में वक्फ कानून के विरोध के बहाने फैलाई जा रही अराजकता इसलिए भी थमने का नाम नहीं ले रही हैं

बंगाल में वक्फ कानून को लेकर हिंसा का सिलसिला जिस तरह तेज और सांप्रदायिक होता जा रहा है, जिस तरह से हिन्दुओं को निशाना बनाया जा रहा है, उन्हें मुर्शिदाबाद से पलायन को विवश किया जा रहा है, वह मुस्लिम तुष्टीकरण और दुष्प्रचार की खतरनाक राजनीति का प्रतिफल तो है ही, वह कुशासन एवं अराजकता की भी चरम पराकाष्ठा भी है। नए वक्फ कानून को लेकर कुछ राजनीतिक दल मुस्लिम समाज को विशेषतः किशोर बच्चों को हिंसा एवं तोड़फोड के लिये जानबूझकर सड़कों पर उतारने में लगे हुए हैं। वे उन्हें अराजकता एवं उन्माद के लिए उकसा भी रहे हैं और तरह-तरह से प्रोत्साहन दे रहे हैं। अराजकता फैलाने वाले किस तरह बेखौफ हैं, इसकी पुष्टि इससे होती है कि वे सरकारी-गैरसरकारी वाहनों को तोड़ने, जलाने के साथ पुलिस पर भी हमले कर रहे हैं। बंगाल के विभिन्न जिलों में वक्फ कानून के विरोध के बहाने फैलाई जा रही अराजकता इसलिए भी थमने का नाम नहीं ले रही हैं, क्योंकि खुद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस कानून के खिलाफ खड़ी होकर राजनीतिक रोटियां सेंकने का काम कर रही हैं। पश्चिम बंगाल में हिंसा का बढ़ना, हिन्दुओं में डर पैदा होना, भय का वातावरण बनना, आम जनजीवन का अनहोनी होने की आशंकाओं से घिरा होना चिंताजनक भी है और राष्ट्रीय शर्म का विषय भी है। यह बंगाल पुलिस के नाकारापन एवं ममता सरकार के मुस्लिम तुष्टिकरण का ही दुष्परिणाम है कि मुर्शिदाबाद के साथ ही अन्य शहरों में भी वक्फ कानून के विरोध की आड़ में हिंसा, तोड़फोड, आगजनी हो रही है। खतरनाक यह है कि इस दौरान हिंदुओं को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि कलकत्ता उच्च न्यायालय ने वक्फ कानून विरोधियों की अराजकता से उपजे हालात का संज्ञान लिया। मामला सुप्रीम कोर्ट भी पहुंच गया है। इससे शर्मनाक एवं दर्दनाक और कुछ नहीं हो सकता कि मुर्शिदाबाद में 11 अप्रैल को हुई हिंसा के बाद करीब 500 हिंदू पलायन कर गए हैं। हिंदू परिवारों का आरोप है कि हिंसा के दौरान उनको चुन-चुनकर निशाना बनाया गया। उनके पीने के पानी में जहर तक मिला दिया गया है। इस हिंसा की जांच एजेंसियों ने पोल खोल दी है, यह हिंसा पूरी प्लानिंग के तहत की गई थी, जिसमें तुर्की से फंडिंग और स्थानीय मदरसों की मिलीभगत सामने आई है। हमलावरों को ट्रेनिंग दी गई और इनाम की व्यवस्था भी की गई थी। ममता बनर्जी एवं उनकी सरकार देश में एकमात्र ऐसी सत्तारुढ़ पार्टी

एवं नेता बन गई है जिसका देश के संविधान, न्यायपालिका एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भरोसा नहीं रह गया है। वक्फ कानून का विरोध करने सड़क पर उतरे तत्वों के दुस्साहस का पता इससे चलता है कि वे सीमा सुरक्षा बल के जवानों को भी निशाना बनाने से नहीं हिचक रहे हैं। उनके इसी दुस्साहस के चलते मुर्शिदाबाद के हिंदुओं ने खुद को असहाय पाया। बंगाल में कानून के शासन ने सुनियोजित हिंसा के दुष्चक्र के समक्ष एक बार फिर समर्पण कर दिया। बंगाल में इसके पहले भी ऐसा हो चुका है। मई 2021 में विधानसभा चुनावों के बाद वहां तृणमूल समर्थक तत्वों ने अपने राजनीतिक विरोधियों को इतना आतंकित किया था कि वे जान बचाने के लिए असम में शरण लेने को मजबूर हुए थे। तब भी वहां पुलिस मूकदर्शक बनी हुई थी। ताजा हिंसक हालातों में राज्य सरकार और उसके नेता यह झूठ देश के गले में उतारने में लगे हुए हैं कि बंगाल में स्थितियां नियंत्रण में हैं। यह कैसा नियंत्रण है? यह कैसी शासन-व्यवस्था है? यह कैसा दोगलापन है? जिसमें एक समुदाय खुलेआम दूसरे समुदाय को निशाना बना रहा है। खुलेआम सार्वजनिक मंचों पर राष्ट्र-विरोधी विचारों का जहर घोला जा रहा है। वक्फ कानून में संशोधन का विरोध विडम्बनापूर्ण होने के साथ देश में अराजकता फैलाने का माध्यम बना हुआ है। वक्फ कानून में संशोधन के तहत किसी मस्जिद, मदरसे आदि को लेकर किसी भी तरह के नुकसान, कब्जा करने या दखल की बात नहीं कही गयी है। इसके विरोधी चाहे जो तर्क दें, इससे कोई इंकार नहीं कर सकता कि वक्फ बोर्ड भ्रष्टाचार का अड्डा बने हुए थे और सरकारी-निजी जमीनों पर मनमाने तरीके से दावा कर दिया करते थे। उनकी इस मनमानी का शिकार अनेक मुस्लिम भी थे। क्या वक्फ कानून के विरोधी यह बताने की स्थिति में हैं कि वक्फ बोर्डों ने अभी तक कितने गरीब मुसलमानों की सहायता की? यह पहली बार नहीं है, जब किसी कानून के खिलाफ सड़कों पर उतरकर उपद्रव, हिंसा, आगजनी की जा रही हो। इसके पहले नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ भी ऐसा ही किया गया था। तब यह झूठ फैलाया जा रहा था कि इस कानून के जरिये मुसलमानों की नागरिकता छीन ली जाएगी। अब यह झूठ फैलाया जा रहा है कि नए वक्फ कानून के जरिये सरकार मस्जिदों और कब्रिस्तानों पर कब्जा करना चाहती है। यह निरा झूठ और शरारत ही है। वक्फ कानून के विरोधी भले ही लोकतंत्र और संविधान की दुहाई दे रहे हों, लेकिन ये उसकी धज्जियां ही उड़ा रहे हैं। वे वक्फ कानून पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले की प्रतीक्षा करने के लिए तैयार नहीं। मुर्शिदाबाद हिंसा के जरिए पूरे बंगाल में हिंसा फैलाने का प्लान तुर्की में बनाया गया था, इसके जरिए बंगाल के हालात भी ठीक बांग्लादेश की तरह करने की कोशिश थी। हिंसा को लेकर बाकायदा एक लिस्ट तैयार की गई थी कि कौन कहां नुकसान करेगा और लूटपाट मचाएगा। इसके साथ ही इनाम देने को लेकर योजनाएं बनाई गयी। हिंसा के दौरान इस बात का खास ध्यान देने का अलर्ट किया गया कि रेल और नॉर्मल ट्रांसपोर्ट न चल पाए। मौका मिलने पर हिंदुओं की हत्या करना भी टारगेट था। कुछ हिन्दुओं को मारा भी गया है। हिंदुओं के घरों के साथ मंदिरों पर हमले किए गए, घर जलाए गए, आजीविका नष्ट की गई, बलात्कार की धमकियां दी गयी, उससे यही स्पष्ट हो रहा है कि नए वक्फ कानून का विरोध करने वाले न केवल सांप्रदायिक घृणा में डूबे हैं, अराजकता एवं उन्माद पर सवार है, आतंकी माहौल बनाकर हिन्दुओं को भयभीय-आतंकित करना चाहते है। क्योंकि उन्हें यह भरोसा है कि ममता बनर्जी की सरकार और उनकी पुलिस उनके खिलाफ कुछ नहीं करने वाली। ज्यादा चिन्ताजनक तो यह है कि अराजक लोग चाहते हैं पलायन करने के लिए मजबूर लोग फिर कभी अपने घरों को न लौट पाएं। इन जटिल एवं अनियंत्रित होते अराजक हालातों में शांति, सौहार्द एवं सामान्य हालातों को निर्मित करने के लिये आवश्यक है कि केंद्र सरकार बंगाल में हस्तक्षेप करने के लिए आगे आए, बल्कि यह भी अपेक्षित है कि सुप्रीम कोर्ट वहां के हालात का स्वतः संज्ञान ले। उसे वक्फ कानून विरोधी हिंसक तत्वों के उपद्रव के लिए ममता सरकार को जवाबदेह बनाना ही होगा।

दृष्टि कोण

पलाश के सौंदर्य से संचित चैत्र

प्रकृति अद्भुत है। चार दिवस पूर्व चैत्र पूर्णिमा थी। फाल्गुन में बसंत का युवा रंग-रूप देखने के बाद अब वातावरण चैत्रप्रभाव में परिपक्व सौंदर्य से दमक रहा है। गत दस अप्रैल को उत्तर भारतीय भूभाग में वर्षा भी हुई थी। ओले भी गिरे थे। वर्षा ने नभमंडल और क्षितिज में फैली हुई अंधेरी धुंध को समाप्त कर दिया है। अब आगामी कुछ दिन तक व्योम, क्षितिज, धरा तीनों तत्त्व नवकांति के साथ उपस्थित होंगे। चैत्र की यह शोभना सीधे हृदय में उतरती है। यह शोभा हृदय तक ही सीमित नहीं रहती। यह आत्मा को भी स्पंदित करती है। हिमालय पर्वतों के चरणों पर स्थित वनक्षेत्र इस ऋतु में आकर्षण का पर्याय बने हुए हैं। वनों में पलाश पुष्पों की सुषमाग्नि भडकी हुई है। पलाश के पुष्पगुच्छ बारंबार एक मोहजाल बुन रहे हैं। संवेदनशील व्यक्ति इस मोहजाल में फंसते हैं और आधुनिकता पर थू-थू करते हुए चैत्रगत प्रकृति, प्राकृतिक छवि पर सम्मोहित होते हैं। वन के वन पलाश के संज्ञाहीन रंग के साथ सौंदर्य-उद्यान बने हुए हैं। क्या संज्ञा दूं पलाश पुष्प के रंग को! न यह लाल है और न ही ये पूर्ण संतरी रंग वाला है। तो फिर क्या हो इसकी रंग संज्ञा! संभवतः संज्ञाहीन है ये रंग। चाहिए भी किसे ये तुच्छ संज्ञा! भौतिकता द्वारा मृतप्रायः इस लेखक की काया पलाश से आच्छादित वनभाग देखकर पुनर्जीवित हो उठी है। आहें, श्वासें, मन, प्राण, आत्मबोध, आत्मप्रेम सभी कुछ वन के अंदर जाकर रहने को व्याकुल हैं। पलाश के प्रसून नवजीवन की सुदीप्ति प्रतीत होते हैं। इस नवजीवन में ही रमे रहने के संकल्प-विकल्प जीवन की चेतना में लहरा रहे हैं। शेष सभी कुछ विस्मृत है। चैत्र समय में पलाश के सुमन से सुशोभित धरा आनंद-विहार बनी हुई है। गेहूं के पके हुए स्वर्णरंगी पौधे भी पलाश की सुंदरता बढ़ाने में सहायक भूमिका का निर्वाह कर रहे हैं। मार्ग से सुदूर तक दिखाई देते निर्जन खेत, वन, वृक्ष, वनस्पतियां, घास-फूस के छोटे-छोटे घर इत्यादि दोपहर के सूर्यप्रकाश में करुण-रंगरूप धारण किए हुए हैं। इस नैसर्गिक मधुरिमा पर मन-प्राण एवं आत्मा सब कुछ न्यौछावर करने की अभिलाषा प्रस्फुटित होती है। ऐसा वातावरण देखकर मनोभ्रम समाप्त हैं। आधुनिकता के विचित्र-विचित्र विषों से भरा हुआ अस्तित्व विषविहीन उन्मुक्त हो उठा है। संभवतः यही स्थिति व्यक्तित्व के आनंद हेतु सर्वश्रेष्ठ स्थिति है। यही, मनुष्य जीवन का लक्ष्य होना चाहिए। ऐसी ही प्राप्ति के लिए मनुष्य का जन्म हुआ है। यही शिरोधार्य हो। यही किंचित संकोच के बिना हर्षातिरेक के साथ स्वीकार्य हो। इसी में प्राणों का संजीवन हो। इसी में निष्प्राण होकर ठहर जाना चाहिए। ये मुक्ति है। ये मोक्ष है। ईश्वर का चमत्कार है। ईश्वरीय कृपा, प्रसाद, आशीर्वाद, करुणा है। इसी में विलीन होने की अभीप्सा हो। आह! रे जीवन रचयिता! क्या चैत्रोत्पत्ति की है तू ने! कितना सहज वास्तविक मुक्ति-अनुभव करवा रहा है तू इस अप्रतिम चैत्र तथा इसके पलाश कुसुमों के माध्यम से! जिस समयावधि में विश्व के अधिसंख्य लोग मोबाइल फोन के दृश्यपटल पर करोड़ों-अरबों की संख्या में प्रसारित-प्रदर्शित होने वाले चलचित्रों को देख-देख कर भ्रमित हो चुके हों, वहां प्रकृति का साथ भ्रमरोग से मुक्ति का आनंदित उपाय प्रतीत होता है। एक संवेदनशील सज्जन व्यक्ति आधुनिकता के जंजाल में फंसकर यही विचार कर रहा है कि अंततोगत्वा मनुष्यजाति की दुर्दशा की पराकाष्ठा क्या होगी, जब अभी इस समय ही चहुंओर मनुष्य का जीवन भयंकर दुर्दशाओं की कारा में बंद हो चुका है। ग्राम, ग्राम्य जीवन, परिवार, रिश्ते-नाते, संबंध, परंपरा, त्योहार, उत्सव, संस्कृति सभी कुछ तो निर्मम आधुनिकता ने नष्ट कर दिया है। मोबाइल फोन, इंटरनेट, मोटर वाहनों इत्यादि आधुनिक वस्तुओं के माध्यम से ओछे प्रदर्शन का पर्याय बन चुका वर्तमान मनुष्य जीवन वास्तव में मनुष्यता, जीवनत्व से हीन हो चुका है। मोबाइल फोन की विषैली अदृश्य आवृत्तियां मनुष्य का मन, हृदय, मस्तिष्क, आत्मा, भाव, विचार, सब कुछ शुष्क कर चुकी हैं। मनुष्य केवल देखने के लिए मनुष्य रह गया है। वास्तविक रूप में वह भ्रममशीन बन चुका है। अर्थव्यवस्था को सोचने, खाने, पीने, जीने वाली दुनिया भला धन-संसाधन के अतिरिक्त क्या सोचने-विचारने योग्य छोड़ेगी मनुष्य को! विश्व के अधिसंख्य लोग धन-संसाधन प्राप्त व एकत्र करने की लिप्साओं से ग्रस्त हैं। इस लोभचक्र में लोग यह भी सोचने योग्य नहीं रहे कि उनका जीवन क्षणभंगुर है। मनुष्य की काया शक्तिहीन है। उसका जीवन लघु है। उसका जीना अनिश्चित है। उसके जीवन की हरेक गतिविधि एक प्रकार की स्वप्नक्रीड़ा है। मनुष्य जीवन का अंतिम सत्य मृत्यु है। आधुनिकता, प्रगति और विज्ञान के वशीभूत हो चुके अधिसंख्य मनुष्य मृत्यु के अंतिम सत्य को अपने लोभ, लालच, मोह, माया के जंजाल में उलझाकर असत्य समझते रहते हैं।

कुछ अलग

जल और वायु के बिना...

जल एवं वायु के बिना संसार में किसी भी प्राणधारी के अस्तित्व की परिकल्पना नहीं की जा सकती। यह कहना तर्कसंगत है कि जल ही जीवन है तथा वायु के बिना धरती पर जीवन असंभव है। जल एवं वायु धरती के प्राणधारियों के लिए प्रकृति की ओर से मिला अद्भुत उपहार है, लेकिन मानव द्वारा निजी स्वार्थों के लिए प्रकृति से छेड़छाड़ की जा रही है। इससे मानव सहित अन्य सभी प्राणियों पर प्रदूषण का खतरा मंडराने लगा है तथा यह भविष्य में तबाही के संकेत है। पर्यावरण गड़बड़ाने से मौसम का घटनाचक्र बदलने लगा है। धरती का तापमान तेजी से बढ़ रहा है। परिणामस्वरूप हिमालय पर स्थित हजारों वर्ष पुराने ग्लेशियर पिघलने लगे हैं। इसलिए गर्मियों में अत्यधिक गर्मी हो जाती है तथा सर्दियों में कड़ाके की ठंड होने लगी है। कभी भयंकर सूखा पड़ जाता है। कभी इतनी अधिक बारिश हो जाती है कि जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो जाता है। बादल फटने की घटनाएं आम हो गई हैं। पहाड़ दरकने लगे हैं तथा भूस्खलन से हर वर्ष काफी नुकसान होता है। पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए सरकार का ही नहीं बल्कि पूरे समाज का नैतिक दायित्व है। जलवायु में बढ़ते प्रदूषण से पर्यावरण प्रेमी अत्यंत चिंतित हैं। भू-विज्ञान के अनुसार पृथ्वी के लगभग दो तिहाई भाग में पानी है। लेकिन यह सारा पानी पीने योग्य नहीं है जबकि शेष बचे भूभाग में जनजीवन है। यहीं उपलब्ध पानी से समस्त प्राणियों की आवश्यकताएं पूरी होती हैं, मगर निरंतर प्रदूषित हो रहे पर्यावरण का सबसे अधिक प्रभाव जल और वायु पर ही पड़ता है। प्रकृति से ही हो रही छेड़छाड़ से पारंपरिक जल स्रोतों का अस्तित्व खतरे में है तथा वायुमंडल पूरी तरह से प्रभावित हो गया है। परिणामस्वरूप लगभग आधी से अधिक जनसंख्या के लिए नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं हो रहा है। इसलिए यह कहा जा रहा है कि धरती पर यदि तृतीय विश्व युद्ध होगा तो उसका कारण स्वच्छ पेयजल ही होगा। इसलिए देश एवं दुनिया में बिगड़ रहा पर्यावरण भविष्य के लिए कड़ी चुनौती होगी। मनुष्य शुरू से ही पर्यावरण संतुलन के प्रति संवेदनशील रहा है। सैकड़ों वर्ष पहले बुजुर्गों ने भविष्य के इस खतरे को भांप लिया था। इसलिए उन्होंने वीरान पड़ी भूमि पर विभिन्न श्रेणियों के पेड़ लगाए। इनसे प्राणधारियों के लिए पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन मिल रही है। इसके साथ ही इन वृक्षों की शीतल छाया से तापमान स्थिर रहता है तथा जमीन में भी नमी बनी रहती है। एक समय था जब प्राकृतिक जल स्रोतों का संरक्षण करना लोग पुण्य का कार्य समझते थे। युवा वर्ग सप्ताह-दो सप्ताह के बाद जलस्रोतों की सफाई करते थे। कर्मकांड के ज्ञाता यदि किसी व्यक्ति को ग्रह शांति का उपाय बताते थे, उनमें जलस्रोतों व रास्ते की सफाई प्रमुख होती थी। विशालकाय पीपल या वटवृक्ष के नीचे लोग प्याऊ लगाते थे। प्रतिदिन वहां रखे मिट्टी के बड़े-बड़े घड़ों में पानी भरा जाता था। बदलते समय में लोग अपने कत्तव्यों को भूल गए हैं, जिससे पर्यावरण संरक्षण नहीं हो पा रहा है। पहले कच्चे घर आंगन होने से बरसाती पानी का जमीन में रिसाव हो जाता था। इससे भी इनमें नमी बनी रहती थी। अब घर आंगन भी पक्के हैं, इससे बरसात का पानी एकदम बह जाता है। विकास की अंधी दौड़ में भी पर्यावरण प्रभावित हुआ है। लंबी चौड़ी सडक़ों को पक्का करने, बड़े बड़े भवनों के निर्माण तथा कंक्रीट के बड़े-बड़े मैदानों के बनने से तापमान प्रभावित हुआ है। जमीन पर कंक्रीट के जंगल खड़े कर दिए गए हैं।

देश दुनिया से

रुग्ण मानसिकता के खिलाफ विचार-यात्राएं जरूरी

समता बंधुता और न्याय के आधार पर बने हमारे संविधान में अस्पृश्यता को एक अपराध घोषित किया गया है। स्वतंत्र भारत में इस अपराध में कमी भी आयी है, यह एक सच्चाई है, पर सच यह भी है कि हमारे समाज में आज भी अस्पृश्यता में विश्वास करने वाली सोच जिंदा है। और इस तथ्य को भी समझा जाना चाहिए कि सुधार के सारे दावों के बावजूद आज भी यह बीमार मानसिकता मनुष्यता के हमारे दावों-वादों को झुठला ही रही है। रामनवमी का उत्सव मनाने के आठ दिन बाद ही हमने हमारे संविधान के प्रमुख शिल्पी बाबासाहेब अंबेडकर की जयंती पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किये हैं। हमने यह भी देखा है कि देश के सभी राजनीतिक दलों के शीर्ष नेताओं में इस अवसर पर बाबा साहेब के प्रति अपना सम्मान प्रकट करने की जैसे होड़-सी लगी हुई थी। लेकिन हकीकत यह भी है कि अलवर जिले में घटी निंदनीय घटना आठ दिन बाद जैसे आसानी से भुला दी गयी। नहीं, ऐसी घटनाएं भुलाई नहीं जानी चाहिए। इन्हें याद रखना, इन पर चिंतन करना, इसलिए ज़रूरी है कि यह घटनाएं हमें आदमी और आदमी के बीच भेदभाव को समझने का अवसर देती हैं। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने इस अपराध को मानवता पर कलंक कहते समय भी कहा था कि अस्पृश्यता रंग-भेद जैसा ही अपराध है– जैसे रंग-भेद मनुष्यता का अपमान है, वैसे ही अस्पृश्यता की अवधारणा भी अपने आप में कोई छोटा अपमान नहीं है। किसी व्यक्ति को किसी भी आधार पर इतना हीन समझना कि उसे छूना अपराध बन जाए, उसकी छाया अपवित्र मानी जाये, उसे बस्ती के किसी हिस्से में ही रहने को विवश किया जाये, चाय की गुमटियों पर उसके लिए पृथक बर्तन रखे जाएं, सांविधानिक अपराध ही नहीं है, यह उस बीमार सोच का भी परिचायक है जो स्वयं को ही पवित्र समझने वालों को मनुष्य कहलाने के अधिकार से वंचित करता है। पिछले एक अर्से से आंकड़े नहीं मिल रहे, पर यह तथ्य अपने आप में बहुत कुछ कहता है कि देश में सत्तारूढ़ दल का कोई वरिष्ठ सदस्य एक विधानसभा में विपक्ष के नेता को मंदिर में जाने के लायक नहीं समझता। यह बात यहां रेखांकित की जानी चाहिए कि यह सदन में विपक्ष का नेता इसलिए मंदिर में जाने योग्य नहीं माना गया कि वह दलित है। पापी वह दलित नहीं है जो मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए गया, पापी ऐसा व्यक्ति है जो दलित के प्रवेश से मंदिर को अपवित्र मानता है। अछूतों के मंदिर प्रवेश को लेकर आज़ादी की लड़ाई के दौरान ही देश में महात्मा गांधी, बाबासाहेब अंबेडकर जैसे नेताओं ने कथित अछूतों के मंदिर-प्रवेश के अधिकार के लिए लड़ाई शुरू कर दी थी। स्वतंत्र भारत में भी यह लड़ाई जारी रही। हमारे संविधान की धारा 17 के अनुसार अस्पृश्यता दंडनीय

अपराध है। पर संविधान में प्रावधान मात्र से बात नहीं बनती। सन 2005 में जारी एक सरकारी रिपोर्ट के अनुसार देश में हर 20 मिनट पर दलितों के खिलाफ एक अपराध होता था। निश्चित रूप से यह आंकड़ा अब बहुत कम हो गया होगा, पर यह नहीं भुलाया जाना चाहिए कि इस अपराध से कहीं अधिक गंभीर वह मानसिकता है जो एक मनुष्य को अछूत समझती है। इसी मानसिकता के चलते कुछ साल पहले उत्तर प्रदेश के एक तहसीलदार ने एक दलित महिला सरपंच के दफ्तर में जाने के बाद उस कुर्सी का 'शुद्धीकरण' किया था, जिस पर वह बैठी थी! चुनाव जीत कर सरपंच बनी थी वह महिला, अपने ग्राम की किसी समस्या के समाधान के लिए ही तहसीलदार के कार्यालय गयी होगी। उसे अपवित्र घोषित करके वह तहसीलदार महोदय आखिर कहना क्या चाहते थे? पता नहीं, उन तहसीलदार महोदय के इस कृत्य के लिए उन्हें कोई सज़ा मिली थी या नहीं, पर उनका यह कृत्य किसी गंभीर अपराध से कम नहीं था। वस्तुतः उनका यह अपराध मनुष्यता के विरुद्ध था। अब यही अपराध उन नेताजी ने किया है जिन्होंने दलित नेता के मंदिर से जाने के बाद इसका 'शुद्धीकरण' किया। शुद्धीकरण की आवश्यकता यदि किसी को है तो उस बीमार मानसिकता को है जो मनुष्य और मनुष्य में भेद करती है। जिन भगवान राम की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा उस मंदिर में की गयी थी, उन्होंने अपने कृतित्व से बार-बार यह समझाया था कि मनुष्य जाति से नहीं, अपनी करनी से छोटा या बड़ा होता है। निषाद राज को गले लगाकर, उन्हें अपना भाई कह कर राम यही तो समझाना चाहते थे; शबरी के झूठे बेर खाकर भी उन्होंने यही बताया था। स्वयं को राम का सेवक बताने वाले यह क्यों भूल जाते हैं कि राम ने अपने आचरण से यही सिद्ध करना चाहा था कि समाज के परिष्कार का बोझ मनुष्य के कंधों पर ही है। मंदिर के कथित शुद्धीकरण करने वाली मानसिकता राम के किये को नकार रही है। जिन नेताजी ने शुद्धीकरण किया वे तीन बार विधायक रह चुके हैं, जिन नेताजी ने मंदिर 'अपवित्र' किया था, वे भी तीसरी बार विधानसभा के लिए निर्वाचित हुए हैं। दोनों को जनता ने योग्य समझा और चुना था। फिर एक, दूसरे से बड़ा कैसे हो गया। पवित्र-अपवित्र की इस बीमार सोच के खिलाफ अभियान चलाये जाने की आवश्यकता है। यह मानसिकता सिर्फ बीमार ही नहीं, आपराधिक भी है। इस अपराध के खिलाफ आंदोलन चलना चाहिए। समाज को शोभायात्राओं की नहीं, उन विचार-यात्राओं की आवश्यकता है जो रुग्ण मानसिकता के खिलाफ मानसिकता बनाने का काम करें– और यह आवश्यकता हर स्तर पर ईमानदारी से समझी जानी चाहिए।

आप का नजरिया

पांगी अब पंगु नहीं

हिमाचल के नैन नक्श को संवारता त्योहार यानी 'हिमाचल दिवस' पुनः उम्मीदों की खेती पर जनजातीय क्षेत्र की आर्थिक कोंपलें बटोरता है। किलाड़ पहले ऐसा नहीं था और न ही जश्न का यह माहौल, प्रदेश सरकार का शिविर बना। कल्पना का सागर पहाड़ पर नीतियों का प्रवाह और प्रसार देखता हुआ पांगी क्षेत्र से विकास के साथ नए अनुबंध कर रहा है, तो हिमाचल दिवस के संबोधन स्पष्ट हो रहे हैं। कम से कम सुक्खू सरकार ने पर्वतीय या ट्राइबल दुरुहता के बीच हिमाचल के इतिहास को लांघने की कोशिश तो की है। केलांग, स्पीति और अब पांगी के परिवेश में एक राज्य का विकासात्मक संगीत नए वादे कर रहा है। जाहिर है कुछ नई रिवायतों की गारंटी पुनः पांगी के प्रांगण में उतर कर महिला संस्कार, महिला सरोकार को पंद्रह सौ रुपए के उपहार से स्तरोन्नत कर रही है, तो किसान के खेत से निकले पहाड़ी जौ को साठ रुपए प्रति किलो समर्थन मूल्य दे रही है। मुख्यमंत्री ने भौगोलिक दृष्टि से पांगी के समर्थन में हिमाचल के नए पन्ने सौंपे हैं, जहां पूरा उपमंडल प्राकृतिक खेती के नए अवतार में पुष्पित एवं पल्लवित होगा। ट्राइबल बजट पहले भी तरह-तरह से श्रृंगार करता रहा है, लेकिन जनजातीय क्षेत्र की योजना में बढ़ती लागत से उपचार नहीं हुआ। खास तौर पर जल सिंचाई की योजनाओं को बर्फ की भ्रष्टाचारी कालिख खाती रही। ट्राइबल एरिया हर बजट की हकदारी में अपने विकास की गणना तो करता रहा, लेकिन ढांचागत उपलब्धियों को चिन्हित करने की तफतीश नहीं हुई। विकास के पापड़ बेले जरूर गए, लेकिन सामाजिक उत्थान के संसाधन फिजूलखर्ची में उड़ा दिए गए। अब हिमाचल दिवस सीधे ट्राइबल परिवेश से मुखातिब होने लगा है और एक परंपरा के तहत टापू बने बर्फीले क्षेत्रों को लांघ कर वर्तमान सरकार भविष्य का आश्वासन दे रही है। प्राकृतिक खेती की विशिष्टता में अगर कल पांगी के कृषि उत्पाद बाजार की क्षमता में सफल होते हैं, तो यह एक ब्रांड की तरह आर्थिकी को उपजाऊ बना पाएंगे। मुख्यमंत्री ने सरकार का एक महिला सदन पांगी को न केवल पंद्रह सौ रुपए के भुगतान के जरिए साबित नहीं किया, बल्कि महिला मंडलों को आश्रय देते हुए, सशक्तिकरण का पौधारोपण भी किया है। सरकार परिवहन और कनेक्टिविटी की दृष्टि से पांगी को चंबा के नजदीक लाने के लिए भले ही आंखों में सपने ले रही है, लेकिन हिमाचल के मानचित्र पर यह क्षेत्र लाहुल-स्पीति और कुल्लू के दरियाओं का पानी पी रहा है। असली पांगी का जिला चंबा से रिश्ता आज भी साच दर्रे के नीचे बर्फ में दबा है। जिस दिन यहां से सुरंग सूरज की खोज में पांगी पहुंचेगी, उस दिन वास्तव में सूर्योदय होगा। यह इसलिए भी कि राजनीतिक तौर पर पांगी को भरमौर की सियासत का पंगु होना पड़ता है। मुद्दे दो पहाड़ों के बीच दीवार की तरह एकसमान दीदार को तरसते हैं, तो आर्थिक विस्थापन ने पांगी की क्षमता का रुख कुल्लू की तरफ मोड़ दिया। चंबा की एक भुजा अगर भरमौर है, तो दूसरी पांगी को जिला मुख्यालय से जोडने के लिए सुरंग के जरिए वर्ष भर की कनेक्टिविटी चाहिए। बहरहाल सरकार स्वावलंबन के पहियों पर युवाओं को सवार करना चाहती है। इस दृष्टि से बीस बस परमिट युवाओं को जारी होंगे और बस खरीद पर चालीस फीसदी सबसिडी और चार महीने रोड टैक्स से छूट भी मिलेगी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

इच्छाशक्ति की कमी आपको भावनात्मक और मानसिक परेशानियों में फँसा सकती है। बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है पारिवारिक सदस्यों की मदद आपकी ज़रूरतों का ख़याल रखेगी। अगर आप खुले दिल से अपनी बात रखें, रचनात्मक काम में लगे लोगों के लिए सफलता से भरा दिन है, उन्हें वह शौहरत और पहचान मिलेगी जिसकी उन्हें एक अरसे से तलाश थी। आज के समय में अपने लिए वक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

जीवन की गाड़ी को अच्छे से चलाना चाहते हैं तो आज आपको पैसे की आवाजाही पर विशेष ध्यान देना होगा। अगर आप अपने आकर्षण और होशियारी का इस्तेमाल करें, तो लोगों से मनचाहा व्यवहार पा सकते हैं। आपके प्रिय के कड़वे शब्दों के कारण आपका मूड ख़राब हो सकता है। आज आप एक ऐसी परियोजना पूरी कर राहत की सांस लेंगे, जिसे आपके बहुत पहले शुरू किया था। अगर आपके पास हालात से उबरने के लिए दृढ़ इच्छा–शक्ति है, तो कुछ भी असंभव नहीं है। जीवनसाथी के साथ वाद–विवाद होने की काफ़ी संभावना है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। निवेश करना कई बार आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है आज आपको यह बात समझ में आ सकती है क्योंकि किसी पुराने निवेश से आज आपको मुनाफा हो सकता हैं हालात का सामना धैर्य से करना ही अच्छे परिणाम दे सकता है। अपनी कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए नयी तकनीकों का सहारा लें। आपकी शैली और काम करने का नया अन्दाज़ दिल–चस्पी पैदा करेगा अचानक आज आप काम से छुट्टी लेने का प्लान बना सकते हैं ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अनचाहा कोई महमान आज आपके घर आ सकता है पारिवारिक तनावों को अपनी एकाग्रता भंग न करने दें। जो भी बोलें, सोच–समझकर बोलें। क्योंकि कड़वे शब्द शांति को नष्ट करके आपके और आपके प्रिय के बीच दरार पैदा कर सकते हैं। काम में मन लगाएँ और जज़्बाती बातों से बचें। आज आप कोई नई पुस्तक खरीदकर किसी कमरे में खुद को बंद करके पूरा दिन गुजार सकते हैं। वैवाहिक जीवन में चीज़ें हाथ से निकलती हुई मालूम होंगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज ख़ास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ अस–ाधारण काम करने की क्षमता देगा। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। रिश्तेदारों के यहाँ छोटी यात्रा आपके भागदौड़ भरे दिन में आराम और सुकून देने वाली साबित होगी । भागीदार आपकी योजनाओं और व्यावसायिक ख़यालों के प्रति उत्साही होंगे। आज घर में किसी पार्टी की वजह से आपका कीमती समय बर्बाद हो सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

दोस्तों के साथ शाम सुखद रहेगी लेकिन ज़्यादा खाने से बचें। आज आपको अपने भाई या बहन की मदद से धन लाभ होने की संभावना है। अपने बच्चों को अपने उदार बर्ताव का बेजा फ़ायदा न उठाने दें। अचानक हुई रोमांटिक मुलाक़ात आपके लिए उलझन पैदा कर सकती है। दूसरे आपसे काफ़ी ज़्यादा समय की मांग कर सकते हैं। उनसे किसी भी तरह का वादा करने से पहले यह देख लें कि आपका काम उससे प्रभावित न हो किसी वजह से आज आपके ऑफिस में जल्दी छुट्टी हो सकती है इसका आप फायदा उठाएंगे ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप महसूस करेंगे कि आस–पास के लोग बहुत ज़्यादा मांग करने वाले हैं। लेकिन जितना आप कर सकते हैं, उससे ज़्यादा करने का वादा न करें और केवल दूसरे को ख़ुश करने के लिए ख़ुद को तनाव से नहीं थकाएँ। अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को ख़ुशनुमा बना देगा इसलिए अपने प्रिय के साथ कुछ अच्छा समय बिताने की योजना बनाएँ। जो कला और रंगमंच आदि से जुड़े हैं, उन्हें आज अपना कौशल दिखाने के लिए कई नए मौक़े मिलेंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

व्यस्त दिनचर्या के बावजूद आप थकान के चंगुल में फँसने से बचे रहेंगे। आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। अपनी बातों पर क़ाबू रखें, क्योंकि इसके चलते बड़े–बुजुर्ग आहत महसूस कर सकते हैं। बेकार की बातें करके समय बर्बाद करने से बेहतर है कि आप शांत रहें। उन्हें महसूस करने दें कि आप उनका ख़याल रखते हैं। अपने प्रिय को आज निराश न करें आप जीतोड़ मेहनत और धीरज के बल पर अपने उद्देश्य हासिल कर सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

सकारात्मक सोच के ज़रिए इस समस्या से निजात पाएँ। वैसे तो अपना पैसा दूसरे को देना किसी को पसंद नहीं आता लेकिन आज आप किसी जरुरतमंद को पैसा देकर सुकून का अनुभव करेंगे। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। अपने प्रिय की बेजा मांग के आगे न झुकें। अपनी कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए नयी तकनीकों का सहारा लें। आपकी शैली और काम करने का नया अन्दाज़ उन लोगों में दिलचस्पी पैदा करेगा, जो आप पर नज़दीकी से ग़ौर करते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता ज़रूर दिलाएंगे। आज आप अपना धन धार्मिक कार्यों में लगा सकते हैं जिससे आपको मानसिक शांति मिलने की पूरी संभावना है। आपका आकर्षक स्वभाव और ख़ुशमिज़ाज व्यक्तित्व नए दोस्त बनाने में आपकी मदद करेगा और आपके सम्पर्क में इज़ाफ़ा करेगा। आप दफ़्तर में माहौल में बेहतरी और कामकाज के स्तर में सुधार को महसूस कर सकते हैं। घर के छोटे सदस्यों के साथ गप्पें लगाकर आज आप अपने खाली समय का अच्छा इस्तेमाल कर सकते हैं ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अपने पैसे को संचय करने के लिए आज अपने घर के लोगों से आपको बात करने की जरुरत है। उनकी सलाह आपकी आर्थिक स्थिति को सुधारने में मददगार होगी। घर में उल्लास का माहौल आपके तनावों को कम कर देगा। आप भी इसमें पूरी सहभागिता करें और महज़ मूक दर्शक न बने रहें। अगर आप सोचते हैं कि यार दोस्तों के साथ आवश्यकता से अधिक वक्त बिताना आपके लिए सही है तो आप गलत हैं ऐसा करने से आपको आने वाले वक्त में दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा और कुछ नहीं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपका धन कहां खर्च हो रहा है इसपर आपको नजर बनाए रखने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में आपको परेशानी हो सकती है। घरेलू ज़िन्दगी में कुछ तनाव का सामना करना पड़ सकता है। आपको अपनी ओर से सबसे अच्छा बर्ताव करने की ज़रूरत है, क्योंकि आपके प्रिय का मूड बहुत अनिश्चित होगा। आप क़ामयाबी ज़रूर हासिल करेंगे – बस एक–एक करके महत्वपूर्ण क़दम उठाने की ज़रूरत है। मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा ।

आज का पंचांग

दिनांक : 17 अप्रैल 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2082
मास : वैशाख ,कृष्ण पक्ष
तिथि : चतुर्थी सायं 03:26 तक
नक्षत्र : ज्येष्ठा अहोरात्र
योग : वरियान रात्रि 12:48 तक
करण : बालव सायं 03:26 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 05:58 , सूर्यास्त 06:32 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:06, सूर्यास्त 06:32 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:58 , सूर्यास्त 06:25 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:51, सूर्यास्त 06:23 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : अनुसूया जयंती, गण्डमूल चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

महत्वपूर्ण पेयजल योजनाओं को समय से करें पूरा : भजनलाल

जयपुर,16 अप्रैल (एजेंसियां)।
मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गर्मी के मौसम में पेयजल प्रबंधन एवं समर कंटीन्जेंसी प्लान को लेकर विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्ययोजना के तहत आमजन को निर्बाध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने जिला कलक्टर्स की अनुशंषा पर जिलों में पेयजल से संबंधित आकस्मिक कार्यों को समय से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में पीएचईडी अधिकारियों को फील्ड में रहकर जलापूर्ति की व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए।

शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि गर्मी के मौसम में पेयजल व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए नवीन नलकूप एवं हैण्डपंप लगाए जाएं। उन्होंने पेयजल आपूर्ति को सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यकता के अनुसार टैंकरों के जरिए पेयजल परिवहन की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने पेयजल से संबंधित पाइपलाइनों, पुराने नलकूप एवं हैंडपंप के मरम्मत कार्यों को भी समय से पूरा करने के लिए विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पेयजल समस्या के निस्तारण के लिए संचालित राज्य एवं जिला स्तरीय कंट्रोल रूम के नंबरों का व्यापक प्रचार–प्रसार किया जाए। साथ ही, कंट्रोल रूम में दर्ज होने वाली शिकायतों का प्रभावी रूप से मॉनिटरिंग कर त्वरित निस्तारण भी किया जाए। उन्होंने बिजली कनेक्शन लेकर नलकूपों एवं ट्यूबवैलों को शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने नलकूपों हेतु भंडार में स्पेयर पंप–मोटर्स की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को सुझाव देते हुए कहा कि हर ग्राम में पेयजल एवं इससे संबंधित योजनाओं के लिए ग्राम स्तर पर दो जल मित्र बनाए जाएं, ताकि आवश्यकता पड़ने पर इनका सहयोग लिया जा सके।

मुख्यमंत्री ने विभागीय अधिकारी को निर्देशित किया कि पेयजल से संबंधित बजट घोषणा वर्ष 2024–25 के शेष कार्यों को शीघ्र पूरा करें। साथ ही, बजट घोषणा वर्ष 2025–26 के पेयजल से संबंधित कार्यों की वित्तीय स्वीकृति जारी करवाकर कार्य प्रारंभ किए जाएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पेयजल से संबंधित वृहद् एवं लघु परियोजना को पूर्ण गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में पाइपलाइन डालने के दौरान टूटी सड़कों के मरम्मत कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि तय समय सीमा में अमृत योजना के कार्यों को भी पूरा किया जाए। उन्होंने प्रदेश में संचालित जल जीवन मिशन के कार्यों को पूर्ण गुणवत्ता के साथ पूरा करने के लिए भी विभागीय अधिकारियों को दिशा–निर्देश प्रदान किए। शर्मा ने नहरबंदी के दौरान प्रभावित जिलों में पेयजल व्यवस्था सुचारू रखने के लिए जिलेवार कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल आपूर्ति के लिए डिग्गियों का पूर्ण भराव रखा जाए, जिससे आवश्यकता होने पर इस जल का सदुपयोग किया जा सके। इस अवसर पर जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैया लाल चौधरी सहित विभाग के उच्चाधिकारी मौजूद रहे तथा सभी जिलों के विभागीय अधिकारी वीसी के जरिए जुड़े।

जयपुर में ईडी दफ्तर के बाहर कांग्रेस का हल्लाबोल

लोकतंत्र की हत्या हो रही है : गहलोत

जयपुर,16 अप्रैल (एजेंसियां)।
जयपुर में बुधवार को एक लोकतांत्रिक दृश्य देखने को मिला, जब कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अपनी आवाज बुलंद की। नेशनल हेराल्ड केस में ईडी की कार्रवाई के खिलाफ कांग्रेस ने राजधानी जयपुर में ईडी दफ्तर के बाहर बड़ा प्रदर्शन किया। दोपहर 12 बजे शुरू हुए इस विरोध में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने संबोधन में कहा, देश में इस तरह का माहौल बना दिया गया है जैसे कोई बहुत बड़ा घोटाला हो गया हो। जबकि सच्चाई यह है कि इसी मामले में पहले जांच हो चुकी है और कांग्रेस नेतृत्व को क्लीन चिट मिल चुकी है। यह सिर्फ एक झूठे आरोप को दोहराने की कोशिश है। हमारा संघर्ष सच्चाई के लिए है, लोकतंत्र के लिए है।

टीकाराम जूली ने कहा कि राष्ट्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर विपक्ष को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने दो टूक कहा, यह कोई मनी लॉन्ड्रिंग केस नहीं, बल्कि एक नॉन–प्रॉफिट संस्था का मामला है।

मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत एकमुश्त समझौता योजना का करें व्यापक प्रचार–प्रसार : राजपाल

जयपुर,16 अप्रैल (एजेंसियां)।
सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां मंजू राजपाल ने कहा कि सहकारी भूमि विकास बैंकों के ऋणों हेतु लाई जा रही मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत एकमुश्त समझौता योजना 2025–26 का लाभ सभी पात्र लोगों को मिलना चाहिए। इसके लिए योजना का व्यापक प्रचार–प्रसार सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि योजना के अंतर्गत शत प्रतिशत वसूली का लक्ष्य तय कर इसके लिए पूरे मनोयोग से प्रयास किए जाएं।

राजपाल बुधवार को नेहरू सहकार भवन में राजस्थान राज्य सहकारी भूमि विकास बैंक की समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत एकमुश्त समझौता योजना 2025–26 का वित्त विभाग द्वारा अनुमोदन कर दिया गया है। शुरुआत से ही प्रचार–प्रसार के विभिन्न माध्यमों का उपयोग करते हुए योजना की जानकारी पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाई जाए, ताकि वे योजना से लाभान्वित हो सकें। उन्होंने कहा कि योजना को क्रियान्वित करने के लिए तैयार किए जा रहे पोर्टल को पारदर्शी और प्रभावी बनाया जाए। जिन जिलों में अधिक ऋण राशि बकाया है, उनमें अपेक्षित परिणाम प्राप्त करने के लिए अलग रणनीति बनाई जाए।

सरकारी स्कूलों में बढ़ी छात्रों की संख्या : शिक्षा मंत्री

चंडीगढ़,16 अप्रैल (एजेंसियां)।
शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा प्रणाली में सुधार के लिए बहुत गंभीर है। शिक्षा में सुधार के लिए हर क़दम और हर प्रयास करने को तैयार है। स्कूलों में बढ़ते दाखिले ने विपक्ष के आरोपों को दिया जबाब

बैठक के बाद शिक्षा मंत्री ने कहा कि इस साल अब तक कक्षा पांच में दो लाख से अधिक बच्चों का नामांकन हुआ है, कक्षा दस में 1,67,517 और कक्षा बारह में 1,61,192 बच्चों का नामांकन हुआ है। हजारों बच्चों का नामांकन अभी भी जारी है। उन्होंने कहा: ये संख्याएं खुद दिखाती हैं कि हमने कोई स्कूल बंद नहीं किया है, बल्कि सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इस बार किताबों के 1414,775 सेट वितरित किए जाएंगे। इनमें से 9.20 लाख से अधिक सेट पहले ही वितरित किए जा चुके हैं; शेष को भी शीघ्र भेज दिया जाएगा। सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि युवाओं को समय पर किताबें और यूनिफॉर्म मिलें, ताकि उनकी शिक्षा बाधित न हो। शिक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार ने निजी स्कूलों में 25 प्रतिशत गरीब बच्चों के प्रवेश की गारंटी के लिए 'उज्ज्वल पोर्टल' जारी किया है। अब तक 70% स्कूलों ने अपनी सीटों की जानकारी पोर्टल पर अपलोड कर दी है। ऐसा न करने वाले स्कूलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

निजी स्कूलों के संबंध में मनमाने फैसले बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। कोई भी निजी स्कूल अभिभावकों को एक निश्चित स्टोर से किताबें या यूनिफॉर्म खरीदने के लिए मजबूर नहीं कर सकता। जो स्कूल पांच साल या उससे अधिक समय तक ड्रेस कोड बदलता है, उसे दंडित किया जाएगा। एक टोल–फ्री नंबर पर सरकार ने आगे जवाब दिया है, जिसमें अब तक 90 शिकायतें दर्ज की गई हैं। एयरपोर्ट मामले में विपक्ष के आर–ोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए ढाडा ने कहा, कांग्रेस के लोग चांद पर प्लॉट बेचने की बात भी कर सकते हैं। हमने तो सिर्फ काम किया है, लेकिन उन्होंने सिर्फ घोषणाएं की हैं।शिक्षा मंत्री ने रॉबर्ट वाड्रा को ईडी द्वारा किए गए कॉल के संदर्भ में कहा: ईडी एक स्वतंत्र संस्था है, जो अपने नियमों के अनुसार काम करती है। अगर किसी ने अवैध रूप से संपत्ति बनाई है, तो ईडी ने अपने स्तर पर सबूत खोजे होंगे।

राज्य अधिक आधुनिक, समावेशी और सुलभ विधायी प्रक्रिया की ओर तेजी से बढ़ रहा : सैनी

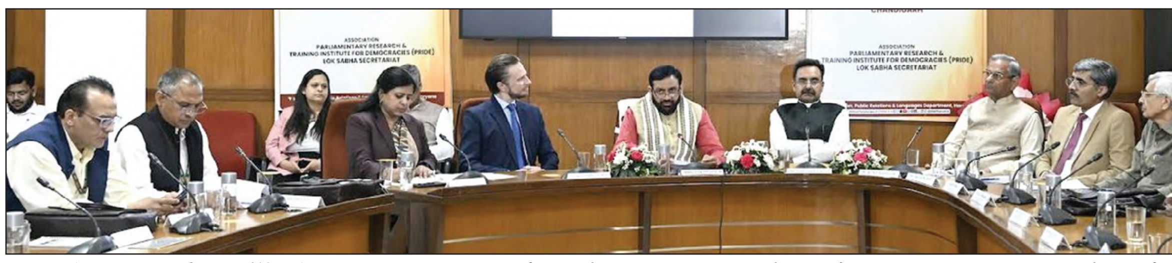

चंडीगढ़,16 अप्रैल (एजेंसियां)।
हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि विधायी ड्राफ्टिंग तैयार करते समय केवल कानून की भाषा ही नहीं, बल्कि समाज की भावनाओं, ज़रूरतों और संभावनाओं पर भी विचार करना आवश्यक है। एक अच्छा विधायी ड्राफ्ट न केवल मौजूदा समस्याओं का समाधान करता है, बल्कि समाज को प्रगति की दिशा में भी ले जाता है। इसलिए विधायी प्रक्रियाओं में स्पष्टता, समानता और नागरिक भागीदारी को विशेष महत्व दिया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने लगातार यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि नीति निर्माण और कानून निर्माण की प्रक्रिया समावेशी और सशक्त हो। ई–गवर्नेंस के माध्यम से राज्य ने प्रशासन में पारदर्शिता लाई है तथा शिक्षा, स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति की है। अब विधायी प्रक्रिया को और अधिक आधुनिक, समावेशी और सुलभ बनाने की दिशा में लगातार अग्रसर हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आज हरियाणा विधानसभा में 16 अप्रैल से 21 अप्रैल, 2025 तक आयोजित किए जा रहे 36वें अंतर्राष्ट्रीय विधायी प्रारूपण प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम लोकसभा सचिवालय के संसदीय लोकतंत्र अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान (झठखऊए) के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। इस पहल में 13 देशों के कुल 28 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष श्री हरविंदर कल्याण भी उपस्थित थे।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत को अपनी विधायी प्रणाली पर बहुत गर्व है, जिसने सामाजिक न्याय, समावेशिता और पारदर्शिता में निरंतर मिसाल पेश की है। विधायी ड्राफ्टिंग केवल एक तकनीकी कार्य नहीं, यह एक दूरदर्शी प्रक्रिया है जो सामाजिक परिवर्तन की भावना को मूर्त रूप देती है, संवैधानिक मूल्यों को कायम रखती है और लोगों की आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करती है। उन्होंने कहा कि हमारे विधायी ड्राफ्टिंग एवं अनुसंधान संस्थान का आदर्श वाक्य है 'प्रारूपण ज्ञानम अभ्यासेन शोभते' अर्थात् सही ड्राफ्टिंग के लिए निरंतर अभ्यास और ज्ञान जरूरी है। आज का यह प्रशिक्षण कार्यक्रम भी इसी अवधारणा पर आधारित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा विधानसभा ने इस दिशा में सदैव पहल की है। पारदर्शी और उत्तरदायी विधायी प्रणाली के निर्माण के लिए हमने विभिन्न तकनीकी और संरचनात्मक बदलाव किए हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा विधानसभा ने डिजिटल विधायिका की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इससे विधायकों की कार्य क्षमता में वृद्धि हुई है और आम जनता तक सूचनाओं की पहुंच भी आसान हुई है।

विधान ड्राफ्टिंग में अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम केवल एक औपचारिक अभ्यास मात्र नहीं है, बल्कि राष्ट्रों के बीच आपसी समझ, ज्ञान के आदान–प्रदान और विधायी पारदर्शिता की दिशा में एक सशक्त कदम है। यह मंच हमारे अनुभवों को साझा करने, एक–दूसरे की विधायी प्रणालियों को समझने और अपने–अपने लोकतांत्रिक संस्थानों को सशक्त बनाने का माध्यम है। आज जब विभिन्न देशों के प्रतिभागी एक साथ आए हैं, तो यह वैश्विक सहयोग और साझेदारी का प्रमाण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन भारत के वसुधैव कुटुम्बकम के शाश्वत दर्शन– दुनिया एक परिवार है, को और मजबूत करते हैं।

प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं के बिल आधार कार्ड से किए जाएंगे लिंक : विज

चण्डीगढ़,16 अप्रैल (एजेंसियां)।
हरियाणा के ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं के बिल आधार कार्ड से लिंक किए जाएंगे। साथ ही , उन्होंने उपभोक्ताओं के गलत बिलों को एक महीने में ठीक करने के अधिकारियों को निर्देश भी दिए। ऊर्जा मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक सप्ताह मंगलवार को सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक सर्कल कार्यालयों में उपभोक्ताओं की समस्याओं को सुनने के लिए बिजली अदालत लगाई जाए। जिसमें उपभोक्ताओं के गलत बिल, रीडिंग, खराब मीटर इत्यादि से संबंधित समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

विज ने यह भी निर्देश दिए कि बिजली कार्यालयों में उपभोक्ताओं को अच्छी जन सुविधाएं प्रदान की जाए। उनके बैठने के लिए बैंच, पीने के लिए पानी और गर्मी को देखते हुए छाया का प्रबंध भी किया जाए। उन्होंने कहा कि लोगों को बिजली के बिल भरने के लिए विभिन्न माध्यमों से अधिक से अधिक जागरूक किया जाए। ताकि लोग अपना बिजली का बिल समय पर भरे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऊर्जा विभाग में कोर्ट स्टे वाले केसों की निगरानी के लिए एक सेल बनाया जाए, जो प्रत्येक केस की निगरानी रखेगा।

कलियुग में हरी रूप है बाबा गंगाराम और उनका एकमात्र विश्वविख्यात मंदिर श्री बाबा गंगाराम धाम, श्री पंचदेव मंदिर राजस्थान के झुंझुनू में स्थित है। बाबा गंगाराम धाम, श्री पंचदेव मंदिर के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में 16 और 17 अप्रेल को स्वर्ण जयंती समारोह झुंझुनू नगर स्तिथ श्री पंचदेव मंदिर में धूमधाम से प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर प्रातः 7.30 बजे विशाल शोभा यात्रा निकाली गई। सायं 5.30 बजे कोलकाता के सौरभ मधुकर के निर्देशन में 21 कलाकारों द्वारा भावपूर्ण नृत्यनाटिका, संगीतमय सामूहिक बाबा गंगाराम अमृतवाणी पाठ, भजन संध्या आयोजित की गई।इसी संदर्भ में दि. 17 अप्रैल को भजन सम्राट पद्मश्री अनूप जलोटा द्वारा भावातिरेक प्रस्तुति के रूप में एक शाम बाबा गंगाराम के नाम प्रस्तुत करेंगे। श्री इवेन्ट ग्रप द्वारा गंगाल का सुप्रसिद्ध धुनुचि एवं ढाक नृत्य तथा श्री रासा बैंड कोलाकाता द्वारा भजनोत्सव प्रस्तुत किया जाएगा। बनारस के पंडितों द्वारा भक्ति भावपूर्ण गंगा आरती की जाएगी। इसस पूर्व प्रातः 7.15 बजे से श्री बाबा गंगाराम भक्त शिरोमणि देवकीनंदन एवं माता गायत्रीदेवी का मनोकामनापूर्ति चरण पादुका अभिषेक होगा।

दलित या ओबीसी को यूपी भाजपा का अध्यक्ष बनाने पर मंथन

लखनऊ, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में भाजपा का अगला अध्यक्ष कौन होगा, इसे लेकर पार्टी के भीतर मंथन, विचार और बैठकों का दौर चल रहा है। उत्तर प्रदेश में भाजपा 98 जिला और शहरों के अध्यक्षों में से 70 की नियुक्ति कर चुकी है और पार्टी के संविधान के मुताबिक, अब वह प्रदेश अध्यक्ष का चयन कर सकती है। लेकिन प्रदेश अध्यक्ष को चुनने के लिए पार्टी को क्षेत्रीय और जातीय समीकरणों का भी ध्यान रखना जरूरी है। ऐसे में भाजपा के रणनीतिकार इन दिनों उत्तर प्रदेश के नए अध्यक्ष को चुनने के लिए दिमागी कसरत कर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश में फरवरी 2027 में विधानसभा के चुनाव होने हैं और पार्टी इसे ध्यान में रखकर ही किसी योग्य नेता को इस पद पर बैठाना चाहती है। भाजपा को उत्तर प्रदेश में मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी के पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक यानि पीडीए के सियासी समीकरण से चुनौती मिल रही है। लोकसभा चुनाव 2024 में इसका असर साफ दिखाई दिया था। भाजपा के एक नेता ने बताया कि इस बात की बहुत संभावना है कि पार्टी ओबीसी वर्ग से आने वाले किसी नेता को ही अध्यक्ष बनाएगी क्योंकि उसके पास प्रदेश में कोई बड़ा दलित चेहरा नहीं है। ओबीसी प्रदेश में सबसे बड़ी आबादी वाला समूह है।

भाजपा के पास उत्तर प्रदेश में ओबीसी समुदाय की राजनीति करने वाली पार्टियों का समर्थन हासिल है। ऐसे दलों में अपना दल (सोनेलाल), सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा), निषाद पार्टी और राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) हैं। रालोद के पास जाट, अपना दल (एस) के पास कुर्मी, सुभासपा के पास राजभर, मौर्य और कुशवाहा और निषाद पार्टी के पास निषाद समुदाय के मतदाताओं का समर्थन माना जाता है। संघ से जुड़े एक नेता ने बताया कि अध्यक्ष चुनने के लिए पार्टी का फोकस पूर्वी उत्तर प्रदेश पर है क्योंकि लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा को यहां नुकसान हुआ था। पूर्वांचल में लोकसभा की 24 सीटें आती हैं।इसमें से 14 सीटें सपा ने जीती थी जबकि 10 सीटों पर भाजपा और इसके सहयोगी अपना दल (सोनेलाल) को जीत मिली थी।

भाजपा इससे पहले पूर्वांचल में सूर्य प्रताप शाही और रमापति राम त्रिपाठी को अध्यक्ष बना चुकी है लेकिन यह दोनों ही नेता सवर्ण जातियों से थे। भाजपा के मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी जाट बिरादरी से आते हैं। उन्हें स्वतंत्रदेव सिंह की जगह पर अध्यक्ष बनाया गया था। स्वतंत्र देव सिंह कुर्मी समुदाय से आते हैं। प्रदेश अध्यक्ष के लिए स्वतंत्र देव सिंह के अलावा योगी सरकार में राज्य मंत्री धर्मपाल सिंह, केंद्रीय राज्य मंत्री बीएल वर्मा, राज्यसभा सांसद बाबूराम निषाद के नाम चर्चा में हैं। धर्मपाल सिंह और बीएल वर्मा दोनों ही लोध ओबीसी समुदाय से आते हैं और इस समुदाय का बुंदेलखंड और रुहेलखंड में अच्छा असर है। पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की वजह से लोध समुदाय को भाजपा के करीब माना जाता है।

इसके अलावा पार्टी कुछ दलित चेहरों जैसे पूर्व सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर, रामशंकर कठेरिया, विनोद सोनकर, नीलम सोनकर और पूर्व एमएलसी विद्यासागर सोनकर के नाम पर भी विचार कर रही है। भाजपा के एक नेता ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष के पद के लिए राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा और पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी के नाम भी चर्चा में थे लेकिन यह दोनों नेता ब्राह्मण समुदाय से आते हैं। लेकिन पार्टी ब्राह्मण नेताओं के नाम पर दांव नहीं लगाएगी।

दुनिया के हालात बदलेंगे यूपी के डिफेंस सेक्टर की तस्वीर

25 हजार करोड़ के रक्षा उत्पादों का होगा निर्यात

लखनऊ, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। वैश्विक उथल-पुथल के बीच यूपी के डिफेंस सेक्टर में असीम संभावनाएं देखी जा रही हैं। अनुमान है कि अगले चार साल में प्रदेश से 25 हजार करोड़ के रक्षा उत्पादों का निर्यात किया जाएगा।

दुनिया भर में रक्षा के मामले में देशों के आत्मनिर्भर बनने की प्रवृत्ति ने डिफेंस सेक्टर को सात गुना बढ़ा दिया है। यही वजह है कि रक्षा क्षेत्र के उद्यमी यूपी के डिफेंस कॉरिडोर को विश्व के प्रमुख निर्यातक बाजार के रूप में देख रहे हैं। अगले चार वर्ष में सिर्फ यूपी से 25 हजार करोड़ के रक्षा उत्पादों का निर्यात होगा।

प्रदेश में डिफेंस सेक्टर में ड्रोन, जहाज से लेकर तोपें और गोला बारूद बन रहे हैं। विश्व में अनिश्चितता का माहौल है। रही-सही कसर अमेरिका की टैरिफ नीति ने पूरी कर दी है। इससे देशों में आत्मनिर्भर बनने की होड़ मची है। हर मुल्क इसके लिए खुद को तैयार कर रहा है। वैश्विक उथल-पुथल के बीच यूरोपीय देशों में हथियारों की खरीद तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में सबसे तेजी से डिफेंस कॉरिडोर विकसित करने का लाभ यूपी को मिल सकता है। इस सेक्टर में असीम संभावनाएं हैं। ये आंकलन रक्षा क्षेत्र से जुड़े उद्यमियों का है। एमकेयू के चेयरमैन मनोज गुप्ता कहते हैं कि डिफेंस कॉरिडोर के साथ एक्सप्रेसवे के किनारे भी रक्षा इकाइयों को जमीन देने से राज्य के रक्षा उत्पादों के निर्माण में 20 फीसदी की ग्रोथ अगले एक साल में आएगी।

उन्होंने कहा कि अदाणी, ब्रह्मोस, भारत डायनामिक के साथ 50 से ज्यादा रक्षा उत्पादक कंपनियों ने यूपी में निवेश किया है। कुछ में उत्पादन भी शुरू हो गया है। अमेरिका की टैरिफ रणनीति के बाद वहां से उत्पाद महंगे होंगे, लेकिन भारत में सस्ते होंगे। रक्षा उद्यमी अविनाश सिंह का मानना है कि सरकारी नीतियों ने इस सेक्टर की ग्रोथ में तेज वृद्धि की है। यही वजह है कि अगले चार वर्ष में सिर्फ यूपी से 25 हजार करोड़ के रक्षा उत्पादों को निर्यात होने का अनुमान है।

सशक्त बनेंगे यूपी के 96 लाख सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग

पूंजी बाजार से जोड़ने के लिए सरकार और एनएसई में हुआ करार

लखनऊ, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने राज्य के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को पूंजी जुटाने में सहायता देने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत एमएसएमई अब एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म के माध्यम से आईपीओ लाकर धन जुटा सकेंगे।

उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश में लगभग 96 लाख एमएसएमई कार्यरत हैं। राज्य सरकार इन उद्यमों को वित्तीय और तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। एमएसएमई नीति 2022 के तहत स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्धता के लिए 5 लाख रुपये की वित्तीय सहायता भी प्रदान की जा रही है। यह समझौता प्रदेश के एमएसएमई को सशक्त बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा, जिससे न केवल पूंजी जुटाने में मदद मिलेगी बल्कि उनकी बाजार पहुंच भी व्यापक होगी।

एनएसई इमर्ज एनएसई का विशेष मंच है जो एमएसएमई को पूंजी बाजार से जोड़ने का अवसर देता है। इससे उद्यमों को पब्लिक फंडिंग, ब्रांड की विश्वसनीयता और नए निवेशकों तक पहुंच जैसे लाभ मिलते हैं।

एनएसई, उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से राज्य भर में सेमिनार, जागरूकता सत्र, रोड शो, और एमएसएमई कैंप आयोजित करेगा।

इन कार्यक्रमों के माध्यम से उद्यमियों को सूचीबद्ध होने की प्रक्रिया और आईपीओ के माध्यम से पूंजी जुटाने के बारे में मार्गदर्शन दिया जाएगा। यह एमओयू प्रबंध निदेशक, यूपीएसआईसी राज कमल (आईएएस) और एनएसई की सीनियर मैनेजर निधि महेश्वरी के बीच सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर प्रमुख सचिव, एमएसएमई आलोक कुमार (आईएएस) और सचिव प्रांजल यादव (आईएएस) भी उपस्थित रहे।

प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने कहा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उद्योग मंत्री राकेश सचान के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार एमएसएमई को एक मजबूत और अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान कर रही है। इस एमओयू से एमएसएमई को इक्विटी बाजार में पहुंच मिलेगी, जिससे वे अपने व्यवसाय को विस्तार दे सकेंगे।

एनएसई के चीफ बिजनेस डेवलपमेंट अफसर श्रीराम कृष्णन ने कहा, अब तक एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर 612 कंपनियां सूचीबद्ध हो चुकी हैं और उन्होंने कुल 17,003 करोड़ से अधिक की पूंजी जुटाई है। उनका कुल बाजार पूंजीकरण लगभग 1,76,565 करोड़ है। उत्तर प्रदेश के एमएसएमई को भी इस मंच का लाभ अवश्य उठाना चाहिए।

हिंदू बनकर मंदिर में शादी करने पहुंचा मुस्लिम युवक

धोखाधड़ी और लव जेहाद का मामला दर्ज

लखनऊ, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। लखनऊ के गोल्फ सिटी क्षेत्र में सोमवार को एक युवक को फर्जी नाम से एक महिला से शादी करने की कोशिश करते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया गया। यह घटना अहिमामऊ चौराहे के पास स्थित एक प्राचीन शिव मंदिर की है।

बाराबंकी जिले के लोनी कटरा निवासी मोहम्मद रईस नामक युवक ने पास में ही रहने वाली एक महिला को प्रेमजाल में फंसाया। महिला के पति ने तीन साल पहले आत्महत्या कर ली थी। उसका एक बेटा भी है। मोहम्मद रईस नाम के व्यक्ति ने महिला से शादी करने के लिए अहिमामऊ आकर खुद को मानस बताया। उसने महिला को भरोसा दिलाया कि वह उससे शादी करेगा और उसे मंदिर भी ले गया।

मंदिर पहुंचकर जब रईस ने पुजारी से शादी कराने का अनुरोध किया, तो पुजारी ने उससे आधार कार्ड और पारिवारिक विवरण मांगा। युवक ने दस्तावेज दिखाने से इन्कार कर दिया। उसके माथे पर तिलक और हाथ में कलावा देखकर पुजारी ने उससे कुल और गोत्र पूछा, लेकिन वह कोई जवाब नहीं दे सका। इससे पुजारी को शक हुआ और उसने आरएसएस कार्यकर्ताओं को सूचना दी। सूचना मिलते ही संघ कार्यकर्ता वंदना मिश्रा मौके पर पहुंचीं और दोनों को पकड़कर पुलिस थाने ले गईं। जांच में पता चला कि युवक का असली नाम मोहम्मद रईस है और वह पहले भी किसी आपराधिक मामले में जेल जा चुका है। जब स्थानीय लोगों ने उससे हिंदू धर्म अपनाने को कहा, तो उसने इन्कार कर दिया। डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल ने बताया कि मोहम्मद रईस के खिलाफ धोखाधड़ी और लव जेहाद के आरोप में केस दर्ज कर लिया गया है और उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

गोरखपुर में बनेगा पूर्वांचल का सबसे बड़ा रैन बसेरा

गोरखपुर एम्स में 500 की क्षमता का रैन बसेरा बनाने की तैयारी

गोरखपुर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) गोरखपुर में बनने जा रहे पूर्वी उत्तर प्रदेश के सबसे बड़े रैन बसेरे का शिलान्यास मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। यहां पावरग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के सौजन्य से 44 करोड़ रुपये की लागत से 500 लोगों की क्षमता का रैन बसेरा बनेगा। 18 अप्रैल को भूमि पूजन कर सीएम योगी इसके निर्माण का शुभारंभ करेंगे। गोरखपुर शहर पूर्वी उत्तर प्रदेश के जिलों और सीमावर्ती बिहार तथा पड़ोसी मित्र राष्ट्र नेपाल के लोगों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और कारोबार के लिए महत्वपूर्ण केंद्र है। प्रतिदिन यहां बड़ी तादाद में ऐसे लोग आते हैं जिन्हें किन्हीं जरूरी कारणों से रात्रि प्रवास करना पड़ता है। रात्रि प्रवास करने वालों में सबसे अधिक संख्या इलाज के लिए आने वालों की होती है। ऐसे लोगों में आर्थिक रूप से कमजोर लोग रैन बसेरों में शरण लेते हैं। मुख्यमंत्री बनने के बाद से ही योगी आदित्यनाथ का जोर रैन बसेरों की संख्या/क्षमता बढ़ाने और वहां जरूरी सुविधाओं को सुदृढ़ करने पर रहा है। इसके लिए समय-समय पर वह खुद कई रैन बसेरों का निरीक्षण कर व्यवस्था का जायजा भी लेते हैं। वर्तमान समय में नगरीय क्षेत्र में 14 रैन बसेरे संचालित हैं जिनकी कुल क्षमता 667 लोगों की है। इनमें से 13 का संचालन नगर निगम और एक का संचालन एयरपोर्ट अथॉरिटी द्वारा किया जा रहा। अब एम्स गोरखपुर में पावरग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के सहयोग की सीएसआर निधि से 500 लोगों की क्षमता का रैन बसेरा बनने जा रहा है। यह न केवल गोरखपुर का बल्कि पूर्वी उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा रैन बसेरा होगा। इसके निर्माण पर 44 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इसका शिलान्यास 18 अप्रैल को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों प्रस्तावित है। एम्स गोरखपुर की गवर्निंग काउंसिल के चेयरमैन देश दीपक वर्मा के मुताबिक एम्स में आने वाले मरीजों और तीमारदारों की सहूलियत के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ही पूर्व में रैन बसेरे की व्यवस्था करने के निर्देश दिए थे।

यूपी में बदल रही गन्ना किसानों की जिंदगी

किसानों के गन्ना बकाये का 2.80 करोड़ भुगतान

गन्ना क्षेत्रफल में हुई 43 प्रतिशत की वृद्धि

लखनऊ, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में कुल पंजीकृत 65 लाख गन्ना किसानों और 46.5 लाख गन्ना आपूर्तिकर्ता किसानों को सरकार ने कई तरह से लाभ पहुंचाया है। प्रदेश में 45 जिलों में 122 चीनी मिलें संचालित हैं, जिनमें से 96 निजी, 23 सहकारी और 3 निगम क्षेत्र की हैं। इनके साथ 285 खांडसारी इकाइयां और 65 कोजन इकाइयां भी कार्यरत हैं। योगी सरकार ने 52 मिलों को आधुनिकीकरण करने का भी कार्य किया है। इसके अलावा करीब 8 हजार किलो लीटर प्रतिदिन की क्षमता के साथ इथेनॉल उत्पादन को भी सरकार ने बढ़ावा दिया है। यही नहीं, चीनी उद्योग द्वारा लगभग 8 लाख 50 हजार व्यक्तियों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार भी प्रदान किया गया है।

पिछली सरकार के कार्यकाल वर्ष 2016-17 के मुकाबले योगी सरकार के कार्यकाल में गन्ना क्षेत्रफल में 43 प्रतिशत, गन्ना उत्पादकता में 16 प्रतिशत और गन्ना उत्पादन में 68 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। देश के कुल गन्ना क्षेत्रफल का 49 प्रतिशत, गन्ना उत्पादन का 49 प्रतिशत और चीनी उत्पादन का 33 प्रतिशत अब उत्तर प्रदेश से होता है। राज्य में गन्ना उत्पादन में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले गन्ना किसानों को लगभग 1,200 करोड़ की अतिरिक्त आय भी योगी सरकार में सुनिश्चित की गई है।

वर्तमान सरकार द्वारा अब तक कुल 2.80 करोड़ से अधिक का गन्ना मूल्य भुगतान किया जा चुका है, जो कि 1995 से मार्च 2017 तक के 22 वर्षों में हुए कुल भुगतान से करीब 66 करोड़ अधिक है। इसके साथ ही, 2024-25 में 1.09 लाख करोड़ का जीवीए का भी योगदान भी दर्ज किया गया है। मुख्यमंत्री के दिशा निर्देशन में 158 सहकारी गन्ना समितियों, 27 सहकारी चीनी मिल समितियों और 152 गन्ना विकास परिषदों के माध्यम से गन्ना किसानों को लगातार लाभ पहुंचाया जा रहा है।

पिछली सपा, बसपा और कांग्रेस सरकारों के दौरान गन्ना किसानों की स्थिति अत्यंत दयनीय थी। उस समय न तो गन्ना मूल्य भुगतान समय पर होता था और न ही चीनी मिलों का आधुनिकीकरण किया गया। किसानों को अपनी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पाता था, जिसके कारण उनकी आर्थिक स्थिति बद से बदतर होती गई। इसके विपरीत, योगी सरकार ने गन्ना किसानों के हित में ठोस कदम उठाए हैं, जिसके परिणामस्वरूप उनकी जिंदगी में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। योगी सरकार के इन प्रयासों से न केवल गन्ना किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था में भी उल्लेखनीय योगदान हुआ है।

यूपी की नारी अदालतें बदल रही हैं ग्रामीण महिलाओं की सोच

लखनऊ, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। योगी सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण को नई दिशा देने के लिए कई अहम कदम उठाए हैं। इस कड़ी में शुरू की गई नारी अदालतें महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ विभागीय योजनाओं की जानकारी सीधे उन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही हैं। केंद्र सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही योगी सरकार इस योजना के माध्यम से न केवल महिलाओं को जानकारी से सशक्त बना रही है, बल्कि उन्हें अपने अधिकारों के लिए खड़े होने की हिम्मत भी दे रही है।

प्रदेश की महिला एंव बाल विकास विभाग द्वारा संचालित नारी अदालत योजना ग्रामीण स्तर पर 07 से 11 महिलाओं के समूह के माध्यम से कार्य कर रही है। इसके माध्यम से प्रदेश में खास कर महिलाओं के लिए संचालित योजनाओं जैसे वन स्टॉप सेंटर, 181-वुमेन हेल्पलाइन, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं की जानकारी आम जनमानस तक पहुंचाया जा रहा है। यह पहल महिलाओं को प्रशासनिक ढांचे और सरकारी योजनाओं से जोड़कर उन्हें सशक्त नागरिक बनाने की दिशा में कारगर सिद्ध हो रही है। इस योजना को प्रदेश के आठ आकांक्षात्मक जनपदों बहराइच, बलरामपुर, चंदौली, चित्रकूट, फतेहपुर, श्रावस्ती, सिद्धार्थनगर और सोनभद्र में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में प्रारंभ किया गया है। इन जिलों में महिलाओं के लिए विभागीय योजनाओं को सहज, सुलभ और प्रभावी रूप में उन तक पहुंचाया जा रहा है, ताकि वे शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और स्वावलंबन से जुड़ी विभिन्न योजनाओं का पूरा लाभ उठा सकें। नारी अदालतों के माध्यम से प्रदेश की दूर-दराज़ की महिलाओं को वन स्टॉप सेंटर जैसी सेवाओं की उपयोगिता, घरेलू हिंसा और लैंगिक समानता जैसे विषयों पर भी जागरूक किया जा रहा है। इस पूरी प्रक्रिया में महिलाओं को समूह आधारित संवाद से जोड़ा जा रहा है, जिससे एक सशक्त सामाजिक परिवर्तन की नींव रखी जा रही है। यही नहीं इन अदालतों में महिलाओं की पारिवारिक, आर्थिक और सामाजिक समस्याओं का भी निदान किया जा रहा है और महिलाओं को उनसे जुड़े कानून, अधिकारों के बारे में भी प्रशिक्षित किया जा रहा है। आठ जिलों में संचालित इस योजना से मिले फीडबैक के आधार पर योगी सरकार इसे सभी 75 जिलों में संचालित करने की तैयारी में है। यह पहल महिलाओं को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रही है।

यूएफा चैंपियंस लीग 2024-25 : गुइरासी की हैट्रिक रही बेकार, बार्सिलोना से हारकर डॉर्टमंड टूर्नामेंट से बाहर

डॉर्टमंड, 16 अप्रैल (एजेंसियां)।

यूएफा चैंपियंस लीग 2024-25 के क्वार्टर फाइनल मुक़ाबले में सहरो गुइरासी ने शानदार हैट्रिक लगाई, लेकिन इसके बावजूद उनकी टीम बोरुसिया डॉर्टमंड प्रतियोगिता से बाहर हो गई।

डॉर्टमंड ने दूसरे चरण में बार्सिलोना को 3-1 से हराया, लेकिन पहले चरण में 4-0 की करारी हार के कारण कुल 5-3 के अंतर से पराजित होकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई। वहीं, बार्सिलोना ने सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है।

पहले चरण की बड़ी हार के बाद डॉर्टमंड ने किया जोरदार हमला -

पहले चरण में 4-0 की हार झेलने के बाद डॉर्टमंड के पास खोने के लिए कुछ नहीं था। टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और बार्सिलोना को बैकफुट पर धकेल दिया। गुइरासी ने पहले चरण में कई अवसर गंवाए थे, लेकिन इस बार उन्होंने 11वें मिनट में पेनल्टी पर कोई गलती नहीं की और अपनी टीम को बढ़त दिलाई।

गुइरासी की हैट्रिक, लेकिन किस्मत ने साथ नहीं दिया दूसरे हाफ में गुइरासी ने 49वें मिनट में हेड से दूसरा गोल किया। इसके बाद 76वें मिनट में नज़दीक से तीसरा गोल कर हैट्रिक पूरी की। इसी के साथ वे इस सत्र में यूएफा चैंपियंस लीग के सर्वोच्च गोल स्कोरर बन गए, उनके नाम अब 13 गोल हो गए हैं। हालांकि, इस बीच रामी बेन्सेबाइनी का आत्मघाती गोल डॉर्टमंड के लिए भारी पड़ गया और उनकी वापसी की उम्मीदों को झटका लगा।

बार्सिलोना ने बचाई बढ़त, सेमीफाइनल में पहुंची डॉर्टमंड ने अंत तक बराबरी की कोशिश की, लेकिन बार्सिलोना ने अपनी बढ़त को कायम रखा और सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। अब बार्सिलोना का सामना इंटर मिलान या बायर्न म्यूनिख से होगा।

मैच का कुल स्कोर:

पहला चरण: बार्सिलोना 4-0 डॉर्टमंड

दूसरा चरण: डॉर्टमंड 3-1 बार्सिलोना

कुल स्कोर: बार्सिलोना 5-3 डॉर्टमंड।

न्यूज़ ब्रीफ

सुदीरमन कप के लिए भारतीय टीम घोषित सात्विकसाईराज और चिराग शामिल

नई दिल्ली। चीन के जियामेन में 27 अप्रैल से 4 मई तक होने वाले बीडब्ल्यूएफ सुदीरमन कप बैडमिंटन फाइनल 2025 के लिए 14 सदस्यीय भारतीय टीम घोषित कर दी गयी है। बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (बीएआई) ने इस टूर्नामेंट के लिए सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी को भी शामिल किया है। टीम में ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु, के अलावा लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय को भी शामिल किया गया है। सुदीरमन कप एक द्विवार्षिक टूर्नामेंट है, ये विश्व मिश्रित टीम चैंपियनशिप के नाम से भी जाना जाता है। इसमें 16 टीमें हिस्सा लेंगी। ड्रॉ के दौरान चार वरीयता प्राप्त टीमों को अलग-अलग समूहों में रखा गया था, जिसमें गत चैंपियन और मेजबान चीन ग्रुप ए में शीर्ष वरीयता प्राप्त है। भारतीय बैडमिंटन टीम का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2011 और 2017 में आया था, जब वे क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे। पिछले संस्करण में, भारत मलेशिया और चीनी ताइपे से हारने के बाद ग्रुप चरण में ही बाहर हो गया था। भारत ने अपनी विश्व रैंकिंग के आधार पर इस मिश्रित टीम चैंपियनशिप के लिए प्रवेश हासिल किया है। इसमें पूर्व चैंपियन इंडोनेशिया, दो बार के उपविजेता डेनमार्क और इंग्लैंड की टीम भी शामिल है। इसमें सभी पांच श्रेणियों में सबसे बेहतर संयोजन रखा गया गया है। बीएआई के महासचिव संजय मिश्रा ने कहा, हम अब टाई जीतने के लिए एक या दो मुकाबलों पर निर्भर नहीं हैं और यह हमें किसी भी टीम इवेंट में एक बड़ी ताकत बनाता है। हमें भरोसा है कि टीम न केवल ग्रुप चरणों में प्रभावित करेगी बल्कि पदक जीतकर एक उपलब्धि हासिल करेगी। हाल ही में हुई बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में अच्छे प्रदर्शन से भारतीय टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है। सिंधु, लक्ष्य और प्रणय के होने से टीम में अमूल्य अनुभव आयेगा। वहीं सात्विक और चिराग के आने से टीम की ताकत बढ़ेगी। अनुपमा उपाध्याय सिंधु के बाद टीम में दूसरी महिला एकल खिलाड़ी होंगी। इसके अलावा, प्रिया कोनजेंगबाम और श्रुति मिश्रा की युवा जोड़ी भी शामिल है।
सुदीरमन कप में प्रत्येक मुकाबले में पांच मैच होते हैं। इसमें ड्रॉ के दौरान चार वरीयता प्राप्त टीमों को अलग-अलग समूहों में रखा गया था, जिसमें गत चैंपियन और मेजबान चीन ग्रुप ए में शीर्ष वरीयता प्राप्त है।

कांबली की सहायता के लिए आगे आये गावसकर

मुम्बई। महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर अब पूर्व भारतीय क्रिकेटर विनोद कांबली की सहायता के लिए

सामने आये हैं। गावस्कर ने इससे पहले एक समारोह में वादा किया था कि वह आर्थिक तंगी से जूझ रहे कांबली की सहायता करेंगे। जिसे अब वह पूरा करने जा रहे है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार गावस्कर अपने चैम्स फाउंडेशन के जरिए कांबली की मदद के लिए आगे आए हैं। यह संगठन उन पूर्व अंतरराष्ट्रीय खेल हस्तियों की मदद करता है, जिन्हें वित्तीय सहायता की जरूरत होती है। इससे अब हर माह कांबली को 30,000 रुपये की सहायता मिलेगी। इसके अलावा उन्हें सालाना 30,000 रुपये की चिकित्सा सहायता भी मिलेगी। गावस्कर ने कहा था कि वह और 1983 विश्व कप विजेता टीम युवा खिलाड़ियों को लेकर बहुत सजग हैं, जिनमें से कुछ उनके बेटे और पोते जैसे हैं। इसके बाद उन्होंने वादा किया कि वे कांबली का ख्याल रखना चाहते हैं और उन्हें अपने पैरों पर खड़ा होने में सहायता करना चाहते हैं। गावस्कर ने कहा कि मुझे मदद शब्द पसंद नहीं है। हम उनका ख्याल रखना चाहते हैं और उन्हें अपने पैरों पर खड़ा होने में मदद करना चाहते हैं। हम भविष्य में क्या करेंगे, यह हम देखेंगे।

केकेआर में बने रहने मैंने 9 से 10 करोड़ रुपये के प्रस्ताव ठुकराये : रमनदीप

नई दिल्ली। कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) की ओर से खेल रहे युवा ऑलराउंडर रमनदीप सिंह ने कहा है

कि मेगा नीलामी से पहले उन्हें दूसरी टीमों से 9 से 10 करोड़ रुपये देने का प्रस्ताव आया था पर उन्होंने केकेआर को नहीं छोड़ा। रमनदीप की पिछले साल केकेआर की खिताबी जीत में अहम भूमिका रही थी। इसी कारण उन्हें कई टीम शामिल करने के लिए तैयार थीं। 2024 में उन्होंने केकेआर के लिए कई अच्छी पारियां खेली थी। यही कारण था कि केकेआर ने उन्हें चार करोड़ रुपये में टीम में बनाये रखा। रमनदीप ने कहा, नीलामी से पहले कई टीम ने मुझसे संपर्क किया था। इसमें मुझसे कहा गया था कि टीम में बने मत रहना, हम आपको नीलामी में 9 से 10 करोड़ रुपये दे सकते है पर मेरे लिए ईमानदारी मायने रखती है क्योंकि जब मुझे जरूरत थी तब केकेआर ने मुझे मंच दिया था। वहीं इस बार जब रिटेंशन का फैसला होना था, तब वेंकी सर ने फोन करके कहा, 'आप हमारी रिटेंशन योजनाओं में शामि हैं, आप क्या सोच रहे हैं ।

2022 के बाद पहली बार आईपीएल में सुपर ओवर से निकला नतीजा, राजस्थान को हराकर शीर्ष पर पहुंची दिल्ली

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 में लगातार सांस थामने वाले मुकाबले देखने को मिल रहे हैं। लेकिन अभी तक एक भी सुपर ओवर नहीं हुआ था। दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच अरुण जेटली स्टेडियम पर हुए मुकाबले का नतीजा सुपर ओवर में निकला। पहले बैटिंग करते हुए दिल्ली ने 5 विकेट पर 188 रन बनाए। जवाब में राजस्थान भी 20 ओवर में 4 विकेट पर 188 रन ही बना पाई। सुपर ओवर में पहले खेलते हुए राजस्थान ने मिचेल स्टार्क के खिलाफ 11 रन ठोके। दिल्ली ने चार गेंदों पर ही लक्ष्य हासिल कर लिया। ट्रिस्टन स्टब्स ने छक्के के साथ मैच फिनिश किया। इस जीत ने दिल्ली को टेबल में टॉप पर पहुंचा दिया है।स्टार्क ने 9 रन नहीं बनाने दिए

आखिरी ओवर में राजस्थान को जीत के लिए 9 रन चाहिए थे। हेटमायर के साथ ध्रुव जुरेल क्रीज पर थे। मिचेल स्टार्क ने ओवर में सिर्फ 8 रन दिए। पहली दो गेंदों पर 1-1 रन बनाए। इसके बाद तीसरी और चौथी गेंद पर 2-2 रन बने। आखिरी दो गेंद पर राजस्थान को जीत के लिए तीन रन चाहिए थे। स्टार्क ने सिर्फ दो रन दिए और इस तरह मुकाबला सुपर ओवर में पहुंच गया।सुपर ओवर में क्या क्या हुआ?

सुपर ओवर में राजस्थान ने शिमरोन हेटमायर के साथ रियान पराग को भेजा। शुरुआत चार गेंदों पर दोनों ने दो चौके मारे। लेकिन फिर फ्री हिट पर रियान पराग रन में यशस्वी जायसवाल को आसान कैच दे बैठे। करुण नायर खाता खोले बिना रन आउट हो गए। पोरेल ने दूसरे ओवर में तुषार देशपांडे को निशाना बनाते हुए 23 रन बटोरे। गेंद के थोड़ा पुराना होने के बाद बल्लेबाजों को रन बनाने में थोड़ी परेशानी हुई जिससे बीच में ओवरों में गेंदबाजों ने रन गति पर अंकुश लगाया।

राहुल ने तीक्षणा पर लॉन्ग ऑफ पर छक्के से पोरेल के साथ अर्धशतकीय साझेदारी पूरी की। आर्चर की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में राहुल ने डीप मिडविकेट पर शिमरोन हेटमायर को कैच थमा दिया। उन्होंने 32 गेंद की अपनी पारी में दो छक्के और इतने ही चौके मारे। 14वें ओवर में टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया लेकिन पोरेल इसी ओवर में लॉन्ग ऑफ पर रियान पराग के हाथों लपके गए। पोरेल ने 37 गेंद की अपनी पारी में पांच चौके और एक छक्का मारा। अक्षर ने हसरंगा की लगातार गेंदों पर दो चौकों और एक छक्के के साथ रन गति में इजाफा किया।अक्षर ने अगले ओवर में तीक्षणा पर भी एक छक्का और दो चौके मारे लेकिन इसी स्पिनर की गेंद पर लॉन्ग ऑफ पर ध्रुव जुरेल को कैच दे बैठे। उन्होंने 14 गेंद की अपनी पारी में दो छक्के और चार चौके मारे। स्टब्स ने 19वें ओवर में आर्चर पर दो चौके मारे जबकि आशुतोष शर्मा (नाबाद 15) ने भी गेंद को बाउंड्री के दर्शन कराए। संदीप ने अंतिम ओवर में लगातार तीन वाइड और एक नोबॉल फेंकी जिसमें फ्री हिट पर स्टब्स ने चौका मारा और फिर अगली फुलटॉस पर छक्का जड़ा।

चौथे बाबा दीप सिंह हॉकी और बास्केटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन 17 अप्रैल से खालसा कॉलेज करेगा मेजबानी

नई दिल्ली , 16 अप्रैल (एजेंसियां)।

दिल्ली यूनिवर्सिटी के श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज में 17 अप्रैल से चौथे बाबा दीप सिंह हॉकी (पुरुष व महिला) और बास्केटबॉल (पुरुष व महिला) टूर्नामेंट का आयोजन होने जा रहा है। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट हर वर्ष आयोजित किया जाता है और इस बार भी खेल प्रेमियों को शानदार मुक़ाबले देखने को मिलेंगे।

प्रतियोगिता का उद्घाटन हॉकी ओलंपियन और 1975 वर्ल्ड कप विजेता टीम के सदस्य अशोक दिवान के हाथों होगा। इस अवसर पर पेट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड के ज्वाइंट सेक्रेटरी श्री गौतम वढेरा और मेज़बान खालसा कॉलेज के प्रिंसिपल प्रोफेसर गुरमोहिंदर सिंह भी मौजूद रहेंगे। हॉकी में 10 टीमें, बास्केटबॉल में 16 टीमें लेंगी हिस्सा कॉलेज की डायरेक्टर फिजिकल एजुकेशन, इंदरप्रीत कौर नंदा के अनुसार टूर्नामेंट में पुरुष हॉकी वर्ग में 6 टीमें और महिला हॉकी वर्ग में 4 टीमें उतरेंगी। पुरुष वर्ग में मुकाबले लीग कम नॉकआउट फॉर्मेट में जबकि महिला वर्ग में राउंड रॉबिन लीग फॉर्मेट में खेले जाएंगे।

21 अप्रैल से शुरू होगी बास्केटबॉल प्रतियोगिता

बास्केटबॉल टूर्नामेंट की शुरुआत 21 अप्रैल से होगी, जिसमें पुरुष और महिला दोनों वर्गों में 8-8 टीमें भाग लेंगी। यह प्रतियोगिता भी लीग कम नॉकआउट फॉर्मेट में खेली जाएगी और फाइनल मुकाबले 25 अप्रैल को आयोजित किए जाएंगे। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का आयोजन पेट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड के सहयोग से किया जा रहा है। आयोजन समिति को उम्मीद है कि टूर्नामेंट के ज़रिए युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने का बेहतरीन अवसर मिलेगा।

आईटीटीएफ महिला विश्वकप

मकोओ में आईटीटीएफ महिला विश्वकप में खेलती हुई लिंडा बरगेस्टोर्म।

आईएसएसएफ विश्व कप : सुरुचि इंदर सिंह ने स्वर्ण, मनु भाकर ने रजत पर किया कब्ज़ा, सौरभ चौधरी को कांस्य

नई दिल्ली , 16 अप्रैल (एजेंसियां)।

पेरू के लीमा में चल रहे अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) विश्व कप में भारतीय निशानेबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मंगलवार को देश का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया। 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में सुरुचि इंदर सिंह ने स्वर्ण और मनु भाकर ने रजत पदक अपने नाम किया। वहीं, पुरुष वर्ग में सौरभ चौधरी ने कांस्य पदक जीतकर लंबे समय बाद वापसी की।

18 वर्षीय सुरुचि ने मनु को 1.3 अंकों से हराया

सुरुचि इंदर सिंह ने चयन दौर (क्वालिफिकेशन राउंड) में 582 अंकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि मनु भाकर ने 578 अंकों के साथ अंतिम आठ (फाइनल-8) में जगह बनाई।

फाइनल मुकाबले में सुरुचि ने बेहतरीन निशानेबाजी करते हुए 243.6 अंक अर्जित किए और अपनी अनुभवी साथी निशानेबाज मनु भाकर (242.3) को 1.3 अंकों से पीछे छोड़ते हुए स्वर्ण पदक जीत लिया।

सौरभ चौधरी ने 2022 के बाद जीता पहला व्यक्तिगत पदक

पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में सौरभ चौधरी ने भी शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने चयन दौर में 578 अंक बनाकर सातवें स्थान के साथ अंतिम आठ में जगह बनाई।

फाइनल में सौरभ ने जोरदार शुरुआत की और शुरुआती दौर के बाद दूसरे स्थान पर थे। हालांकि, चीन के हु काई ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 246.4 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता। ब्राज़ील के फेलिप अल्मेडा वू ने 241.0 अंक बनाकर रजत पदक हासिल किया। सौरभ ने 219.1 अंक बनाकर कांस्य पदक प्राप्त किया।

वरुण तोमर और अन्य भारतीय निशानेबाज़ों का प्रदर्शन

अंतिम आठ में पहुंचे एक अन्य भारतीय वरुण तोमर ने 198.1 अंकों के साथ चौथा स्थान प्राप्त किया।

चयन दौर में आकाश भारद्वाज ने तीसरे सर्वश्रेष्ठ 583 अंक बनाए, लेकिन वह रैंकिंग अंक हेतु (आरपीओ) के अंतर्गत खेल रहे थे, इसलिए पदक स्पर्धा में भाग नहीं ले सके।

रविंदर सिंह (574) और अमित शर्मा (आरपीओ, 573) ने क्रमशः 12वें और 16वें स्थान पर स्थान प्राप्त किया।

ओलंपिक 2028: क्रिकेट के आयोजन स्थल की घोषणा, अमेरिका के पोमोना में बनेगा खास अस्थायी स्टेडियम

नई दिल्ली , 16 अप्रैल (एजेंसियां)।

ओलंपिक खेलों में 124 साल बाद क्रिकेट की वापसी होने जा रही है और इसके लिए अमेरिका के साउदर्न कैलिफोर्निया के पोमोना शहर में खास अस्थायी स्टेडियम बनाया जाएगा। जो इस खेल का आयोजन स्थल होगा। एलए 28 ओलंपिक आयोजक समिति ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। यह आयोजन स्थल फेयरप्लेक्स कहलाता है, जो 500 एकड़ में फैला हुआ है और 1922 से लॉस एंजेलिस काउंटी फेयर की मेजबानी कर रहा है।

14 जुलाई से 30 जुलाई तक होंगे ओलंपिक 2028 - लॉस एंजेलिस में 14 जुलाई से 30 जुलाई 2028 तक होने वाले ओलंपिक खेलों में क्रिकेट 1900 के बाद पहली बार शामिल होगा। तब ग्रेट ब्रिटेन और फ्रांस के बीच दो दिवसीय मुकाबला खेला गया था। अब क्रिकेट का आयोजन तेज़-तर्रार और रोमांचक झ20 फॉर्मेट में होगा, जिससे दुनियाभर के नए दर्शकों को जोड़ने की कोशिश होगी।

पुरुष और महिला वर्ग में 6-6 टीमें लेंगी हिस्सा - एलए 28 ओलंपिक में पुरुष और महिला वर्ग में कुल 6-6 टीमें खेलेंगी। इसके लिए क्रिकेट को 90 एथलीट कोटा मिला है, यानी हर टीम में 15 खिलाड़ियों का स्क्वाड होगा। हालांकि क्वालिफाइंग रास्ता और कट-ऑफ्स का ऐलान अभी नहीं हुआ है।

आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने दी प्रतिक्रिया - आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने कहा, हम क्रिकेट के लिए ओलंपिक में वेन्यू की घोषणा का स्वागत करते हैं। यह हमारे खेल की ओलंपिक में वापसी की तैयारी की दिशा में अहम कदम है। क्रिकेट वैसे तो एक बेहद लोकप्रिय खेल है, लेकिन ओलंपिक जैसे मंच पर टी 20 फॉर्मेट में खेलना नई ऑडियंस तक पहुंचने का शानदार अवसर होगा।

करुण नायर की पत्नी सनाया भी सोशल मीडिया पर है काफी सक्रिय

मुम्बई। आईपीएल के इस सत्र में करुण नायर ने तीन साल बाद वापसी करते हुए पहले ही मैच में इम्पेक्ट प्लेयर के तौर पर धमाकेदार पारी खेलकर सबको हैरान कर दिया। करुण को इस सत्र में दिल्ली कैपिल्स ने शामिल किया था। करुण ने अपने पहले ही मैच में मुम्बई इंडियंस के खिलाफ 40 गेंदों पर ही 89 रन बनाये। इस मैच के दौरान सोशल मीडिया पर करुण नायर की पत्नी सनाया भी जमकर ट्रेंड हुई। सनाया और करुण ने प्रेम विवाह किया था। वह सोशल मीडिया पर भी काफी सक्रिय रही हैं। सनाया ने करुण की आईपीएल में वापसी के जश्न की तस्वीरें भी सोशल मीडिया में जारी की थी। सनाया एक मीडिया पेशेवर और खेल और मनोरंजन सलाहकार हैं। इस जोड़े ने जून 2019 में गोवा में सगाई की और जनवरी 2020 में उदयपुर में शादी की, जिसमें पारसी और मलयाली दोनों परंपराओं को दर्शाया गया है। उनके मित्रों और परिवारों के अलावा, नायर के सहकर्मी और टीम के साथी खिलाड़ी अजिंक्य रहाणे, शार्दुल ठाकुर, युजवेंद्र चहल, वरुण एरॉन और श्रेयस अय्यर उनके विवाह समारोह में शामिल हुए थे। सनाया सोशल मीडिया में आमतौर पर अपने पारिवारिक जीवन के पलों को साझा करती हैं और अपने पति के क्रिकेट करियर में सहयोग के पलों की तस्वीरें साझा करती रही हैं।

इंडसइंड बैंक के पोर्टफोलियो में लेखा चूक से करीब 2 हजार करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। **इंडसइंड बैंक ने बताया कि वायदा-विकल्प पोर्टफोलियो में लेखा चूक होने से बैंक को करीब 2 हजार करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है, जिसका खुलासा बाहरी एजेंसी की जांच के बाद पता चला है।**

पिछले महीने बैंक में हुई इस हलचल की खबरें बाहर आने के बाद इंडसइंड के शेयरों में भी बड़ी गिरावट देखी गई थी अब बैंक ने अपने एफएंडओ सौदों से संबंधित विसंगतियों के कारण दिसंबर, 2024 तक अपनी कुल संपत्ति पर 2.27 फीसदी के प्रतिकूल प्रभाव का आकलन किया है।

निजी क्षेत्र के इस बैंक ने कहा था कि वायदा-विकल्प पोर्टफोलियो में लेखा संबंधी चूक से दिसंबर, 2024 तक बैंक की कुल संपत्ति पर करीब 2.35 फीसदी का प्रतिकूल प्रभाव पड़ने का अनुमान है। इसके बाद बैंक ने अपने बही-खातों पर हुए प्रभाव और कई स्तर पर खामियों का पता लगाने व सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देने के लिए बाहरी एजेंसी पीडब्ल्यूसी को नियुक्त किया है।

इंडसइंड बैंक ने अपने बही खातों में हुई चूक की जांच के लिए बाहरी एजेंसी पीडब्ल्यूसी को नियुक्त किया है, जिसने मामले का खुलासा किया है। इंडसइंड बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट में 30 जून, 2024 तक बही खाते में हुई चूक के नकारात्मक प्रभाव को 1,979 करोड़ रुपए आंका है। बैंक ने बताया कि उसके 2024-25 की फाइनेंशियल डिटेल में इसके प्रभाव को उचित रूप से दर्शाया जाएगा और एफएंडओ को लेकर भविष्य में ज्यादा सतर्कता बरती जाएगी।

इंडसइंड बैंक के बोर्ड ने लेखा खामियों के फॉरेंसिक ऑडिट के लिए ग्लोबल एजेंसी ग्रांट थॉर्नटन को भी नियुक्त किया है। ग्रांट थॉर्नटन बैंक में आई विसंगतियों के मूल कारण की पहचान करने और प्रचलित लेखा मानकों के संबंध में वायदा-विकल्प अनुबंधों की व्यापक जांच करेगा। इसके अलावा फर्म लेखांकन में विसंगतियों के लिए जवाबदेही तय करेगी। इंडसइंड बैंक में इस चूक की खबर सामने आने के बाद मार्च में बैंक के शेयरों में लगातार गिरावट देखी गई है। इससे बैंक का स्टॉक 52 सप्ताह के निचले स्तर पर चला गया था। 12 मार्च को बैंक के शेयरों का भाव 606 रुपए तक चला गया था। बाद में इसमें तेजी से सुधार आया और 15 अप्रैल को बैंक के शेयर 735.50 रुपए के भाव पर बंद हुए थे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

राष्ट्र-प्रथम...

उसकी सुनवाई गुरुवार 25 अप्रैल को होगी। यंग इंडिया लिमिटेड नामक कंपनी नेशनल हेराल्ड को संचालित करती है। इस कंपनी में 76 प्रतिशत शेयर सोनिया गांधी और राहुल गांधी के हैं। दोनों मां-बेटे के इसमें 38-38 प्रतिशत शेयर हैं। पहले नेशनल हेराल्ड का स्वामित्व एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड के पास था, लेकिन यंग इंडिया लिमिटेड ने इसका अधिग्रहण कर लिया। 11 फरवरी को ईडी ने इस मामले से जुड़ी 661 करोड़ रुपए की सम्पत्ति जब्त करने की कार्रवाई शुरू की थी। ये सम्पत्तियां दिल्ली, मुंबई और लखनऊ जैसे बड़े शहरों में थी। इसमें दिल्ली में बहादुरशाह जफर मार्ग स्थित हेराल्ड हाउस भी शामिल है। यंग इंडिया लिमिटेड के बचे हुए 24 प्रतिशत शेयर कांग्रेस नेताओं मोतीलाल वोरा और ऑस्कर फर्नांडिस के नाम था। दोनों अब मरहूम हो चुके हैं। उनके निधन के बाद उनके शेयरों पर किसी ने दावा नहीं ठोका। ईडी का कहना है कि ये शेयर भी सोनिया और राहुल के पास ही चले गए, यानी दोनों मां-बेटे 100 प्रतिशत शेयरों के मालिक बन गए। यंग इंडिया लिमिटेड का गठन 23 नवंबर, 2010 को हुआ था। कांग्रेस ने एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड को 90 करोड़ रुपए का ऋण दे रखा था, जिसे मात्र 50 लाख रुपए में सेटल करते हुए यंग इंडिया लिमिटेड ने संस्था के 2000 करोड़ रुपए की सम्पत्तियों पर नियंत्रण स्थापित कर लिया।

मनी लॉन्ड्रिंग के लिए फर्जी डोनेशन और फर्जी रेंट एग्रीमेंट्स का जुगाड़ किया गया। करोड़ों रुपए की हेराफेरी हुई। 2012 में सुब्रमण्यन स्वामी द्वारा दी गई शिकायत के आधार पर इस मामले की जांच शुरू की गई थी। 2022 में राहुल गांधी इस मामले में पूछताछ के लिए 5 बार ईडी के समक्ष हाजिर हुए थे। सीबीआई भी इस मामले की जांच कर रही है, इसका मनी लॉन्ड्रिंग वाला हिस्सा ईडी के पास है। पूरा मामला आपराधिक साजिश का भी बताया गया है। भोपाल के प्रेस कॉम्प्लेक्स में एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड को 1981 में 1.14 एकड़ जमीन महज 1 लाख रुपए में 30 साल के लिए लीज पर आवंटित की गई थी। एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड ने उस समय अंग्रेजी दैनिक नेशनल हेराल्ड, हिंदी दैनिक नवजीवन और उर्दू दैनिक कौमी आवाज प्रकाशित की थी। 2011 में लीज समाप्त होने के बाद भोपाल विकास प्राधिकरण यहां मालिकाना हक लेने पहुंचा तो पाया कि इसका इस्तेमाल समाचार पत्रों के प्रकाशन के बजाय व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए किया जा रहा था।समाचार पत्रों का प्रकाशन तो 1992 में ही बंद हो चुका था और उसके बाद से इसका कॉमर्शियल इस्तेमाल हो रहा था। प्रेस को दिए गए प्लॉट पर व्यवसायिक कॉम्प्लेक्स बनने का पता चलने के बाद भोपाल विकास प्राधिकरण ने इसे अपने कब्जे में लेने की कार्रवाई शुरू की लेकिन इसी बीच कई खरीददार सामने आ गए और मामला अदालत पहुंच गया। इस वजह से कार्रवाई बीच में ही अटक गई। हालांकि, 2012 में भोपाल विकास प्राधिकरण ने इस प्लॉट की लीज को रद्द कर दिया था लेकिन तब से लेकर अब तक इस प्लॉट के अलग-अलग खरीददार और भोपाल विकास प्राधिकरण के बीच मालिकाना हक को लेकर मामला कोर्ट में विचाराधीन है।हरियाणा के गुरुग्राम के एक जमीन घोटाले के मामले में सोनिया गांधी के दामाद और राहुल गांधी के बहनोई रॉबर्ट वाड्रा से भी प्रवर्तन निदेशालय ने पूछताछ की है। रॉबर्ट वाड्रा की पत्नी प्रियंका गांधी केरल के वायनाड से सांसद हैं, ये सीट उनके भाई राहुल गांधी ने उनके लिए छोड़ दी थी। उनसे 6 घंटे पूछताछ हुई है। इससे पहले 8 अप्रैल को उन्हें समन भेजा गया था लेकिन वो पेश नहीं हुए थे। दूसरे समन के बाद वो पेश हुए। उन्हें बुधवार को फिर से पूछताछ के लिए बुलाया गया था। वर्ष 2008 में गुरुग्राम के शिकोहपुर रॉबर्ट वाड्रा की कंपनी स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी ने जमीन ख़रीदी थी। 7.5 करोड़ में क़रीब 3 एकड़ की जमीन ली गई। हरियाणा की तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने कॉलोनी बनाने की अनुमति दी। इसके बाद ये जमीन रॉबर्ड वाड्रा की कंपनी ने डीएलएलएफ को 58 करोड़ रुपए में बेच दी।नेशनल हेराल्ड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की जांच, पटियाला हाउस कोर्ट में 26.06.2014 के आदेश के आधार पर शुरू की गई। 2013 में सुब्रमण्यम स्वामी ने सोनिया गांधी, राहुल गांधी, मोतीलाल वोरा, ऑस्कर फर्नांडिस, सुमन दुबे, सैम पित्रोदा और मेसर्स यंग इंडियन के खिलाफ धोखाधड़ी का आरोप लगाया था। मोतीलाल वोरा और ऑस्कर फर्नांडिस का निधन हो चुका है इसलिए उनका नाम चार्जशीट में शामिल नहीं है। ईडी की जांच को आरोपियों ने दिल्ली उच्च न्यायालय और फिर सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी थी। हालांकि दोनों अदालतों ने मुकदमे की प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने से इन्कार कर दिया।वर्ष 2010 में एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल), यंग इंडियन (वाईआई) के प्रमुख अधिकारियों और कांग्रेस के पदाधिकारियों ने मिल कर एजेएल की 2,000 करोड़ रुपए की सम्पत्तियां हड़पने के लिए 99 प्रतिशत शेयर यंग इंडियन नामक एक निजी कंपनी को सिर्फ 50 लाख रुपए में स्थानांतरित कर दिए। यंग इंडिया में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के पास कुल मिलाकर 76 प्रतिशत शेयर थे। ईडी का कहना है कि आरोपियों ने एआईसीसी द्वारा एजेएल को दिए गए 90.21 करोड़ रुपए के बकाया कर्ज को 9.02 करोड़ इक्विटी शेयरों में बदल दिया और इन सभी शेयरों को यंग इंडियन के पक्ष में सिर्फ 50 लाख रुपए में ट्रांसफर कर दिया। इस तरह से एजेएल की हजारों करोड़ रुपए की सम्पत्तियों को सोनिया गांधी और राहुल गांधी को ट्रांसफर कर दिया गया। यंग इंडिया पर राहुल गांधी और सोनिया गांधी का नियंत्रण था क्योंकि इनके पास 76 प्रतिशत शेयर थे। बाकी 24 प्रतिशत शेयर दिवंगत मोतीलाल वोरा और दिवंगत ऑस्कर फर्नांडीस के पास थे, जो सोनिया गांधी और राहुल गांधी के करीबी माने जाते थे। चार्जशीट में कहा गया है कि प्रवर्तन निदेशालय ने 20.11.2023 को अंतरिम कुर्की आदेश जारी करके एजेएल की 752 करोड़ रुपए की सम्पत्तियां कुर्क की। एजेंसी का कहना है कि पीएमएलए के तहत ईडी ने जो जांच में पाया है वो 27.12.2017 के आयकर विभाग के मूल्यांकन की तरह ही है। आयकर विभाग ने इस मामले में 414 करोड़ रुपए टैक्स में धोखाधड़ी पाया था।ईडी ने इस मामले में कमाई के रूप में 988 करोड़ रुपए और सम्पत्तियों की मौजूदा कीमत 5000 रुपए बताया है। ईडी के मुताबिक यंग इंडिया को 23.11.2010 को एसपीवी के रूप में शामिल किया गया था। एजेएल ने 2008 में अपनी प्रकाशन गतिविधि बंद कर दी। ईडी का कहना है कि आरोपियों ने यंग इंडिया के मालिकों सोनिया गांधी और राहुल गांधी को एजेएल की सैकड़ों करोड़ रुपए की सम्पत्तियों का नियंत्रण देने के लिए एक आपराधिक साजिश रची थी। वाईआई यानी यंग इंडिया ने एजेएल से एआईसीसी द्वारा उसे सौंपे गए 90.21 करोड़ रुपए के ऋण को चुकाने या इस ऋण को इक्विटी में बदलने के लिए कहा। एजेएल, वाईआई और एआईसीसी में एक ही लोगों की नियुक्ति हुई। जांच एजेंसी का कहना है कि इन तीनों संस्थाओं में पदों पर बैठे लोगों के एक ही समूह द्वारा प्रस्ताव पारित करके वाईआई को 50 लाख रुपए की मामूली राशि के लिए 90.21 करोड़ रुपए का ऋण सौंपा गया था। ईडी का आरोप है कि यंग इंडियन को एजेएल के 9.021 करोड़ शेयर आवंटित किए गए। यंग इंडिया कथित तौर पर एजेएल की होल्डिंग कंपनी बन गई, जिसके पास 99 प्रतिशत शेयर थे और अन्य शेयरधारकों की इक्विटी घटकर 1 प्रतिशत रह गई। जांच में मिले कई दस्तावेज, अभियुक्तों और गवाहों के बयान की रिकॉर्डिंग के आधार पर ईडी ने 5,000 करोड़ रुपए से अधिक के मौजूदा बाजार मूल्य के आधार पर आरोप पत्र तय किया गया।नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को विरोध करने का अधिकार है, लेकिन उसे सरकारी सम्पत्तियों का दुरुपयोग करने और इसे नेशनल हेराल्ड को देने का अधिकार नहीं है। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि सभी को यह बात ध्यान में रखनी चाहिए कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी जमानत पर बाहर हैं। कांग्रेस को सरकारी सम्पत्तियों का दुरुपयोग करने का कोई अधिकार नहीं है।नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में राहुल गांधी, सोनिया गांधी और अन्य के खिलाफ ईडी की शिकायत पर भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को विरोध करने का अधिकार है, लेकिन उसे सरकारी सम्पत्तियों का दुरुपयोग करने और इसे नेशनल हेराल्ड को देने का अधिकार नहीं है। इस पूरी सम्पत्ति को परिवार के हाथों में पहुंचाने के लिए बहुत ही दिलचस्प तरीके से साजिश रची गई। ये सम्पत्तियां दिल्ली में बहादुर शाह जफर मार्ग पर एक सम्पत्ति, मुंबई, लखनऊ, भोपाल और पटना में सम्पत्तियां हैं। उन्होंने कहा कि यंग इंडिया लिमिटेड को एक धर्मार्थ संगठन माना जाता था, लेकिन अब तक यह पता नहीं चला है कि इसने क्या दान किया? 50 लाख रुपए में 90 करोड़ रुपए लिखकर हजारों करोड़ रुपए की सम्पत्ति हासिल कर ली। एक बात ध्यान में रखनी चाहिए कि राहुल गांधी और सोनिया गांधी जमानत पर बाहर हैं। उन्होंने मामले को खत्म करने के लिए हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया, लेकिन उन्हें कोई राहत नहीं मिली।भाजपा सांसद ने कहा कि राहुल गांधी और सोनिया गांधी को जवाब देना चाहिए कि कानून को अपना काम करने देना चाहिए या नहीं? नरेंद्र मोदी की सरकार कानून को अपना काम करने देगी। सरदार पटेल ने कहा था कि नेशनल हेराल्ड को पैसे देने वाले लोग अच्छे लोग नहीं हैं। फिर भी एक अखबार जिसे कांग्रेस पार्टी का पूरा संरक्षण प्राप्त था, वह क्यों नहीं पनप सका? क्योंकि यह अखबार केवल विज्ञापन इकट्ठा करने और सरकारी सहयोग से सम्पत्ति बनाने का साधन था। जिस अखबार से आजादी के लिए लड़ रहे लोगों की आवाज को मजबूत करने की उम्मीद थी, उन्होंने उस अखबार को निजी व्यवसाय, एटीएम बना दिया।

अमेरिका भारत...

जबकि 2023-24 में यह 42.2 अरब डॉलर था। अमेरिका के साथ व्यापार अधिशेष पिछले वित्त वर्ष में 41.18 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुंच गया है, जो 2023-24 में 35.32 बिलियन अमरीकी डॉलर था।2024 में, अमेरिका भारत ने जिन प्रमुख चीजों का निर्यात किया उनमें औषधि निर्माण और जैविक (8.1 अरब डॉलर), दूरसंचार उपकरण (6.5 अरब डॉलर), कीमती और अर्ध-कीमती पत्थर (5.3 अरब डॉलर), पेट्रोलियम उत्पाद (4.1 अरब डॉलर), सोना और अन्य कीमती धातु के आभूषण (3.2 अरब डॉलर), सहायक उपकरण सहित सूती तैयार वस्त्र (2.8 अरब डॉलर), और लोहा और इस्पात के उत्पाद (2.7 अरब डॉलर) शामिल हैं। आयात के प्रमुख उत्पादों में कच्चा तेल (4.5 अरब डॉलर), पेट्रोलियम उत्पाद (3.6 अरब डॉलर), कोयला, कोक (3.4 अरब डॉलर), कटे और पॉलिश किए हुए हीरे (2.6 अरब डॉलर), इलेक्ट्रिक मशीनरी (1.4 अरब डॉलर), विमान, अंतरिक्ष यान और उसके पुर्जे (1.3 अरब डॉलर) और सोना (1.3 अरब डॉलर) शामिल है।आने वाले वर्षों में भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार में तेजी आने की उम्मीद है क्योंकि दोनों देश एक कारोबारी समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। इसका मकसद 2030 तक वस्तुओं और सेवाओं में दो तरफा वाणिज्य को वर्तमान 191 अरब डॉलर से बढ़ाकर 500 अरब डॉलर करना है।दुनियाभर में छिड़े टैरिफ युद्ध का भारत और अमेरिका की व्यापारिक साझेदारी पर कोई असर नहीं पड़ रहा है। यह ग्राफ लगातार बढ़ ही रहा है। इसे देखर बौखलाए चीन ने भारत के साथ अपने संबंध सुधारने की पहल तेज कर दी है। पिछले दिनों चीन ने टैरिफ-युद्ध का मुकाबला करने के लिए भारत से भी सहयोग मांगा था। इसे और प्रगाढ़ करते हुए चीन ने भारतीयों को वीज़ा देने का सिलसिला भी तेज कर दिया है। भारत स्थित चीन के दूतावास ने इस साल 9 अप्रैल तक 85 हजार भारतीय नागरिकों को वीजा दिया है। दोनों देशों के बीच लोगों के लोगों से संबंधों को बेहतर करने की दिशा में यह अहम कदम है। भारत में चीन के राजदूत शू फेहोंग ने बताया कि इस साल 9 अप्रैल 2025 तक चीनी दूतावास ने भारतीय नागरिकों को 85 हजार से ज्यादा वीजा जारी किए हैं। चीन में और भारतीय दोस्तों का स्वागत करेंगे ताकि वे चीन में खुले, सुरक्षित, वाइब्रेंट और मित्रवत माहौल का अनुभव कर सकें।गौरतलब है कि चीन की सरकार ने भारतीय नागरिकों के लिए कई छूट शुरू की हैं, जिनके तहत भारतीय आवेदक बिना किसी पूर्व ऑनलाइन अपॉइंटमेंट के कार्य दिवसों में सीधे वीजा केंद्र पर आवेदन जमा कर सकते हैं। साथ ही थोड़े समय के लिए चीन की यात्रा करने वाले नागरिकों को बायोमेट्रिक डेटा देने से भी छूट दी गई है। चीन ने वीजा शुल्क भी कम कर दिया है और काफी कम दर पर चीन का वीजा प्राप्त किया जा सकता है। इससे भारतीयों के लिए चीन की यात्रा किफायती भी हो गई है। चीन भारतीय पर्यटकों को भी लुभाने की कोशिश कर रहा है और अपने प्रमुख त्योहारों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का खूब प्रचार कर रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया के कई देशों पर भारी-भरकम टैरिफ लगाए हैं, लेकिन उनकी चीन पर खासी टेढ़ी नजर है। यही वजह है कि ट्रंप ने चीन पर 150 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। इससे चीन के उत्पाद, अमेरिका में दोगुने महंगे हो गए हैं। ऐसे में चीन अब भारत के साथ अपने व्यापारिक संबंधों को बढ़ाने पर जोर दे रहा है। चीनी दूतावास के प्रवक्ता यू जिंग ने कहा है कि भारत और चीन के व्यापारिक संबंध पूरकता और पारस्परिक लाभ पर आधारित हैं। अमेरिका के टैरिफ के दुरुपयोग का सामना करने के लिए दो विकासशील देशों को साथ खड़ा होना चाहिए।हालांकि भारत और चीन के कूटनीतिक संबंध चुनौतियों से भरे हुए हैं। खासकर वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चल रहे सैन्य गतिरोध से दोनों देशों के रिश्तों में तनाव है, लेकिन अब लग रहा है कि चीन को भी भारत की अहमियत का अंदाजा हो गया है। तभी चीन की सरकार भारत के साथ अपने संबंधों को बेहतर करने की कवायद कर रही है। इसके लिए लोगों के लोगों से रिश्ते मजबूत करने की कोशिश हो रही है।

वक्फ के विरोध...

सिब्बल ने दलील दी कि कलेक्टर वह अधिकारी होता है जो यह तय करता है कि कोई सम्पत्ति वक्फ है या नहीं। अगर कोई विवाद है तो वह सरकार का हिस्सा होता है और इस तरह वह अपने मामले में न्यायाधीश होता है। यह अपने आप में असंवैधानिक है। इसमें यह भी कहा गया है कि जब तक अधिकारी ऐसा फैसला नहीं करता, तब तक सम्पत्ति वक्फ नहीं होगी। उन्होंने आगे कहा कि पहले केवल मुसलमान ही वक्फ परिषद और बोर्ड का हिस्सा होते थे, लेकिन संशोधन के बाद अब हिंदू भी इसका हिस्सा हो सकते हैं। यह संसदीय अधिनियम द्वारा मौलिक अधिकारों का सीधा हनन है। कपिल सिब्बल ने जामा मस्जिद का मुद्दा भी उठाया। सीजेआई ने कहा कि जामा मस्जिद समेत सभी प्राचीन स्मारक संरक्षित रहेंगे। उन्होंने कहा कि ऐसे कितने मामले हैं? इस बारे में कानून आपके पक्ष में है। सभी पुराने स्मारक, जामा मस्जिद भी संरक्षित ही रहेंगे।सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा कि क्या वह मुसलमानों को हिंदू धार्मिक ट्रस्टों का हिस्सा बनने की अनुमति देने को तैयार है। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ बाई यूजर के प्रावधान पर भी सवाल उठाए। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि 14वीं और 16वीं शताब्दी की मस्जिदें हैं। उनके पास रजिस्ट्रेशन सेल डीड नहीं होगी। ऐसी सम्पत्तियों को कैसे पंजीकृत करेंगे। उनके पास क्या दस्तावेज होंगे? ऐसे वक्फ को खारिज कर देने पर विवाद ज्यादा लंबा चलेगा। हम यह जानते हैं कि पुराने कानून का कुछ गलत इस्तेमाल हुआ, लेकिन कुछ वक्फ ऐसे भी हैं, जिनकी वक्फ सम्पत्ति के तौर पर पहचान हुई। वक्फ बाई यूजर मान्य किया गया। अगर आप इसे रद्द कर देंगे तो समस्या होगी। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने कहा कि एक उच्च न्यायालय को याचिकाओं से निपटने के लिए कहा जा सकता है। हम यह नहीं कह रहे हैं कि कानून के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई करने और फैसला करने में सुप्रीम कोर्ट पर कोई रोक है। सीजेआई ने साफ किया कि वह कानून पर रोक लगाने के पहलू पर कोई दलील नहीं सुन रहे हैं।वरिष्ठ वकील अभिषेक सिंघवी ने कहा कि वक्फ अधिनियम का पूरे भारत में प्रभाव होगा, याचिकाओं को उच्च न्यायालय में नहीं भेजा जाना चाहिए। उन्होंने अधिनियम के खिलाफ दलील दी और अधिनियम पर रोक लगाने की मांग की। एक वादी की ओर से वरिष्ठ वकील हुजेफा अहमदी ने कहा कि उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ इस्लाम की स्थापित प्रथा है, इसे खत्म नहीं किया जा सकता। याचिकाकर्ताओं में से एक की ओर से पेश वरिष्ठ वकील राजीव धवन ने कहा कि संशोधन मुसलमानों के धर्म का पालन करने के अधिकार का उल्लंघन करता है और दान इस्लाम का एक आवश्यक धार्मिक अभ्यास है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि जब वे दिल्ली उच्च न्यायालय में थे, तो हमें बताया गया कि यह भूमि वक्फ भूमि है। हमें गलत मत समझिए। हम यह नहीं कह रहे हैं कि सभी वक्फ उपयोगकर्ता द्वारा गलत तरीके से पंजीकृत हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह एक उच्च न्यायालय को भी मामले की सुनवाई करने का निर्देश दे सकता है और इस तरह से उसे उच्च न्यायालय के फैसले का लाभ मिलेगा।केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि एक संयुक्त संसदीय समिति थी, जिसने 38 बैठकें कीं। इसने कई क्षेत्रों और शहरों का दौरा किया, परामर्श किया और लाखों सुझावों की जांच की। फिर यह दोनों सदनों में गया और फिर कानून पारित किया गया। सुनवाई से पहले मंगलवार को अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने नए वक्फ कानून को कानूनी चुनौती का जिक्र करते हुए कहा, मुझे विश्वास है कि सुप्रीम कोर्ट विधायी मामले में दखल नहीं देगा। रिजिजू ने कहा, संविधान में शक्तियों का विभाजन अच्छी तरह से परिभाषित है। हमें एक-दूसरे का सम्मान करना चाहिए। अगर कल सरकार न्यायपालिका में हस्तक्षेप करती है, तो अच्छा नहीं होगा।गौरतलब है कि एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी, आप नेता अमानतुल्ला खान, धर्म गुरु मौलाना अरशद मदनी, राजद नेता मनोज झा एवं ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड व जमीयत-ए-उलमा-ए-हिंद समेत कई मुस्लिम संगठनों ने शीर्ष कोर्ट में दो दर्जन याचिकाएं दाखिल की हैं। कोर्ट में 70 से ज्यादा याचिकाओं के जरिए वक्फ संशोधन कानून को चुनौती दी गई है। केंद्र और भाजपा शासित राज्य-राजस्थान, महाराष्ट्र, हरियाणा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ व असम सरकारों की ओर से भी याचिकाएं दाखिल की गई हैं। केंद्र ने शीर्ष अदालत से कोई भी फैसला सुनाने से पहले उनके पक्ष को सुनने का आग्रह किया गया है।

घने पेड़ काटने ...

सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से पूछा कि पेड़ों को गिराने की इतनी जल्दी क्या थी? न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने तेलंगाना की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी से कहा कि 100 एकड़ भूमि पर जंगल और हरियाली को बहाल करने के लिए योजना बनाएं। न्यायमूर्ती गवई ने कहा कि हम पर्यावरण को हुए नुकसान से चिंतित हैं। ऐसे वीडियो देखकर आश्चर्य हुआ। जानवर आश्रय की तलाश में भाग रहे हैं। सरकार तय करे कि उन जंगली जानवरों की सुरक्षा कैसे होगी। सर्वोच्च न्यायालय ने तेलंगाना के वन्यजीव वार्डन को निर्देश दिया कि वह तेलंगाना की 100 एकड़ भूमि में वनों की कटाई से प्रभावित वन्यजीवों की जांच करें और उनकी सुरक्षा के लिए तत्काल कदम उठाएं। पीठ ने कहा कि पर्यावरण और पारिस्थितिकी की सुरक्षा के लिए हम हरसंभव प्रयास करेंगे। मामले की अगली सुनवाई 15 मई को होगी। इस बीच वहां एक भी पेड़ नहीं काटा जाएगा।हैदराबाद विवि के पास 400 एकड़ जमीन से पेड़ों को काटा जा रहा है। यह जमीन राज्य सरकार की है और सरकार ने इसे तेलंगाना इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर कॉरपोरेशन को आवंटित की है। तेलंगाना इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर कॉरपोरेशन ने इस जमीन पर विकास के लिए बीती 30 मार्च से पेड़ों की कटाई शुरू की। जिसका हैदराबाद यूनिवर्सिटी के छात्रों और पर्यावरणविदों ने विरोध शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि इससे वन संरक्षण अधिनियम का उल्लंघन हो रहा है। हालांकि राज्य सरकार का कहना है कि यह जमीन उसकी है न कि विश्वविद्यालय प्रशासन की। सरकार कानून के उल्लंघन से भी इनकार कर रही है। इसे लेकर हैदराबाद विश्वविद्यालय में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं और इससे शैक्षणिक सत्र का नुकसान हो रहा है।सुप्रीम कोर्ट के सामने यह मामला न्यायमित्र और वरिष्ठ अधिवक्ता के परमेश्वर ने उठाया था। कोर्ट ने मामले में स्वत: संज्ञान लेते हुए तीन अप्रैल को निर्देश दिया था कि अगले आदेश तक राज्य या किसी भी प्राधिकारी द्वारा वहां पहले से मौजूद पेड़ों की सुरक्षा के अलावा किसी भी प्रकार की कोई गतिविधि नहीं की जाएगी। सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति को भी संबंधित स्थल का दौरा करने और रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा था।

दुबई में दो ...

यह घटना दुबई की एक बेकरी में शुक्रवार 11 अप्रैल को हुई। हमलावर पाकिस्तानी इन भारतीयों का सहकर्मी था। मृतक प्रेमसागर के घर में दो छोटी बेटियां और पत्नी हैं। वह आखिरी बार 2 वर्ष पहले घर आए थे। प्रेमसागर 5 वर्ष पूर्व दुबई काम करने गए थे। वह जल्द ही घर लौटने वाले भी थे। उनके परिवार का तेलंगाना में बुरा हाल है। प्रेमसागर के भाई संदीप ने बताया, मेरे भाई की हत्या सिर्फ इसलिए कर दी गई क्योंकि वे हिंदू थे, मैं इस मामले में विदेश मंत्रालय से जल्द एक्शन लिए जाने की मांग करता हूं। पीड़ितों के परिवार ने बताया है कि उन्हें अभी दुबई की पुलिस या सरकारी एजेंसियों की तरफ से कोई जानकारी नहीं मिली है। उन्होंने बताया है कि किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए वह अपने रिश्तेदारों पर निर्भर हैं। दोनों मृतकों के शवों के लाने के लिए प्रयास चल रहे हैं। मामले में केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार और जी किशन रेड्डी ने भी दुख जताया है। उन्होंने विदेश मंत्रालय से पूरी सहायता दिए जाने का आश्वासन दिया है।जी किशन रेड्डी ने कहा, दुबई में तेलंगाना के दो तेलुगु युवकों, निर्मल जिले के अष्टपु प्रेमसागर और निजामाबाद जिले के श्रीनिवास की नृशंस हत्या से मैं स्तब्ध हूं। मैंने इस मामले में विदेश मंत्री श्री डॉक्टर जयशंकर जी से बात की और उन्होंने शोक संतप्त परिवारों को पूर्ण सहायता और पार्थिव शरीर को तत्काल वापस भारत भेजने का आश्वासन दिया है। विदेश मंत्रालय भी इस मामले में शीघ्र न्याय सुनिश्चित करने की दिशा में काम करेगा। मैं जयशंकर जी के समर्थन और सहायता के लिए उनका आभार व्यक्त करता हूं। मामले में अभी हत्यारे पाकिस्तानी पर क्या कार्रवाई हो रही है, इसकी कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

अपने ही जाल में ...

पाकिस्तान ने ही आतंकवाद को बढ़ावा दिया। इस दोहरे खेल से उन्हें जो भी लाभ मिल रहा था, वह भी अमेरिका के अफगानिस्तान छोड़ने के बाद खत्म हो गया। जिस आतंकवाद को पाकिस्तान ने बढ़ावा दिया था, वही उन्हें वापस आकर नुकसान पहुंचा रहा है।

तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण पर उन्होंने कहा कि हम अमेरिका-भारत के बीच आतंकवाद विरोधी सहयोग की सराहना करते हैं। यह वास्तव में 26/11 हमलों के पीड़ितों के लिए न्याय सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। जब उनसे पूछा गया कि भारत सरकार अब सार्वजनिक रूप से पाकिस्तान के बारे में शायद ही कभी चर्चा करती है, तो जयशंकर ने बताया कि उन पर कीमती समय बर्बाद करने की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा, भारत बदल गया है। काश मैं कह सकता कि पाकिस्तान बदल गया है। दुर्भाग्य से, वे कई मायनों में अपनी बुरी आदतों को जारी रखे हुए हैं। मैं कहूंगा कि 26/11 का मुंबई आतंकवादी हमला एक महत्वपूर्ण मोड़ था। मुझे लगता है कि यही वह समय था जब भारतीय जनता, सभी राजनीतिक दलों ने कहा कि यह बहुत ज्यादा है।विदेश मंत्री ने कहा कि लोगों को लगा कि देश (भारत) अपने पड़ोसी से इस तरह का व्यवहार स्वीकार नहीं कर सकता। मुझे लगता है कि समाज में यह भावना बहुत प्रबल थी, लेकिन उस समय सरकार की तरफ से इसे पूरी तरह से नहीं समझा गया होगा, जो एक अलग मामला है। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद, जब सरकार बदली, तो पाकिस्तान को यह सख्त संदेश दिया गया कि अगर आतंकवादी कृत्य किए गए तो इसके परिणाम भुगतने होंगे।वक्फ पर पाकिस्तान के प्रलाप पर भी विदेश मंत्रालय ने उसे जमकर लताड़ा और अपना घर संभालने की सलाह दी। भारत में पारित हुए वक्फ संशोधन अधिनियम को लेकर पाकिस्तान की आलोचनात्मक टिप्पणियों पर भारत ने कड़ा विरोध जताया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पाकिस्तान के बयानों को प्रेरित और निराधार बताते हुए उन्हें दृढ़ता से खारिज किया है। उन्होंने साफ कहा कि पाकिस्तान को भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप का कोई अधिकार नहीं है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हम भारत की संसद द्वारा पारित वक्फ संशोधन अधिनियम पर पाकिस्तान द्वारा की गई टिप्पणियों को पूरी तरह से अस्वीकार करते हैं। पाकिस्तान को दूसरों को उपदेश देने से पहले अपने ही देश में अल्पसंख्यकों के साथ हो रहे व्यवहार पर आत्ममंथन करना चाहिए।

हिंदुओं पर हिंसा...

स्थानीय लोग और विपक्षी दल इस घटना को लेकर सरकार से कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। बंगाल में अगले साल होने वाले चुनावों से पहले इस हिंसा ने सियासी माहौल को भी गर्मा दिया है।केंद्रीय बलों की सख्त कार्रवाई और तैनाती से स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है। जंगीपुर, धुलियान, सूती और शमशेरगंज जैसे संवेदनशील इलाकों में बीएसएफ, सीआरपीएफ और रैपिड एक्शन फोर्स की मौजूदगी ने शांति बहाली में अहम भूमिका निभाई है। अधिकारियों का कहना है कि पिछले 48 घंटों में कोई नई हिंसक घटना सामने नहीं आई, जिससे क्षेत्र में जनजीवन पटरी पर लौट रहा है।दूसरी तरफ पश्चिम बंगाल में चल रहे फर्जी पासपोर्ट रैकेट के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार रात घोटाले के सरगना आलोक नाथ को गिरफ्तार कर लिया। यह गिरफ़्तारी नदिया जिले के गेदे अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास की गई है। ईडी के मुताबिक, आलोक नाथ एक ऐसे रैकेट का संचालन कर रहा था जो अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को भारतीय पासपोर्ट दिलाने में मदद करता था। ईडी ने मंगलवार को कोलकाता, उत्तर 24 परगना और नदिया जिलों के कई ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। छापों के दौरान कई आपत्तिजनक दस्तावेज, डिजिटल रिकॉर्ड, लैपटॉप और दो मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं।ईडी अधिकारियों ने आलोक नाथ से करीब 13 घंटे तक पूछताछ की, जिसके बाद उसे सॉल्टलेक स्थित केंद्रीय सरकारी कार्यालय परिसर (सीजीओ कॉम्प्लेक्स) लाकर औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया गया। इस मामले में कोलकाता पुलिस पहले ही एक चार्जशीट दाखिल कर चुकी है, जिसमें 130 लोगों के नाम शामिल हैं। इनमें से 120 लोग बांग्लादेशी नागरिक बताए गए हैं जबकि बाकी 10 भारतीय हैं। आरोप है कि बांग्लादेशी नागरिकों ने मोटी रकम देकर फर्जी भारतीय पासपोर्ट बनवाए।चार्जशीट में यह भी बताया गया है कि जिन भारतीय नागरिकों के नाम आए हैं, उन्होंने फर्जी भारतीय पहचान पत्र और पासपोर्ट बनवाने में इन बांग्लादेशी घुसपैठियों की मदद की थी। इससे पहले कोलकाता पुलिस ने शहर के एक सेवानिवृत्त सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) अब्दुल हई को भी इस मामले में गिरफ्तार किया था। चार्जशीट में यह खुलासा हुआ है कि अब्दुल हई ने 52 मामलों में पुलिस सत्यापन के बदले मोटी रकम वसूली थी। वह मौके पर जाकर सत्यापन की जिम्मेदारी निभाने के लिए नियुक्त किया गया था, लेकिन थाने में ही बैठकर सत्यापन पूरा करता था और पैसे की वसूली कर लेता था। प्रवर्तन निदेशालय इस पूरे रैकेट की मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ी कड़ियों की जांच कर रहा है और आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 17 अप्रैल, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के तत्वावधान में अग्रकुल शिरोमणि महाराजा श्री अग्रसेनजी की राजधानी अग्रोहा से अखंड ज्योत लेकर निकली कुलदेवी आद्य महालक्ष्मी जन आशीर्वाद रथयात्रा जो 11 से 15 अप्रैल तक तेलंगाना भर में भ्रमण की। इसी संदर्भ में मंगलवार 15 अप्रैल 2025 क़ो यात्रा पिल्लर नंबर 119 के समीप हनुमान मंदिर से प्रारंभ होकर विष्णु दोचानिय के निवास स्थान लक्ष्मी नगर पहुंची। जहां अग्रवाल समाज पश्चिमाञ्चल शाखा अत्तापुर के सदस्यों द्वारा यात्रा भव्यता से स्वागत किया गया। तत्श्वात दिव्य ज्योति और महाराजा अग्रसेन के दर्शन, आरती एवं आशीर्वाद प्राप्त किया और प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष उमेश गुप्ता ने बताया कि सभी आग्रबंधुओं ने भारी संख्या में पधार क़र इस उक्त धार्मिक कार्य को सफल बनाया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय मंत्री एमपी गोयल, विशाखापत्तनम से चांदमल अग्रवाल,धौलपुर राजस्थान से प्रेम मंगल, जयपुर से शिवांश अग्रवाल, राष्ट्रीय संगठन मंत्री शशिकांत अग्रवाल, तेलंगाना अध्यक्ष योगेश जैन, अध्यक्ष महावीर प्रसाद अग्रवाल, उपाध्यक्ष शिवकुमार बाल वाले, कोषाध्यक्ष विनोद जैन, अघ्यक्ष उमेश गुप्त, उपाध्यक्ष बिमल केडिया, कोषाध्यक्ष घनश्याम दास,केंद्रीय सदस्य पवन अग्रवाल,सलाहकार नरेश पचेरीया,नंदकिशोर अग्रवाल, अनिल अग्रवाल एवं अन्य उपस्थित थे।

सांगावास-जैतारण (राजस्थान) स्थित राधे कृष्ण गौशाला में आगामी 14 मई, 2025 को आयोजित होने वाली श्रीमद् भागवत कथा एवं नानीबाई का मायरा के लिए अतिथि के रूप में आप और हम के अध्यक्ष धर्मीचंद कुमावत को आमंत्रित करने राजस्थान से पधारे गौ-भक्त जगदीश प्रसाद कुमावत। साथ में हैं हनुमानलाल बाकरेचा, नारायणलाल घोड़ावड़, सुरेश कुमार बोड़ावड़ व अन्य।

जीडिमेटला बडेर के पदाधिकारियों को किया आमंत्रित

हैदराबाद, 16 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। सीरवी समाज ट्रस्ट लग्गेरे की ओर से नवनिर्मित आईमाता बडेर की प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के लिए सीरवी समाज जीडिमेटला हैदराबाद बडेर के पदाधिकारियों को आमंत्रित किया गया। लग्गेरे बडेर के सह-कोषाध्यक्ष बगदाराम सिंदडा ने बताया कि चार दिवसीय प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन 4 जून 2025 को धर्मगुरू दीवान माधवसिंह के सान्निध्य में होगा। इस अवसर पर जीडिमेटला बडेर के सदस्य भूराराम काग व मंदिर के मुख्य पुजारी उपस्थित रहे।

गोशामहल विधायक टी राजा सिंह को उनके जन्मदिन पर बधाई एवं आशीर्वाद देते हुए हिन्दू धर्म प्रचार संघ भारत के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुज कुमार तिवारी महाराज, भागवत श्री सर्व मनोकामना पूर्ति हनुमान मंदिर आरामघर चोरस्ता हैदराबाद के संस्थापक गणेश जोशी महाराज व संगठन के अन्य सदस्य।

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के तत्वावधान में अग्रकुल शिरोमणि महाराजा श्री अग्रसेनजी की राजधानी अग्रोहा से अखंड ज्योत लेकर निकली कुलदेवी आद्य महालक्ष्मी जन आशीर्वाद रथयात्रा जो 11 से 15 अप्रैल तक तेलंगाना भर में भ्रमण की। इसी संदर्भ में 12 अप्रैल को यात्रा अशोक शाखा पहुंची जहां शाखा की संस्थापिका पूजा गुप्ता एवं अन्य शाखा सदस्यों ने यात्रा का भव्य स्वागत किया। अवसर पर शाखा की ओर से शीतलपेय एवं प्रसादी की व्यवस्था की गई। इस अवसर पर अखिल भारती अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण जी गर्ग ने संबोधन किया।अशोक नगर शाखा अध्यक्ष सत्यनारायण गुप्ता द्वारा गोपाल शरण का दुपट्टा उड़ाकर स्वागत किया गया। महेश अग्रवाल एवं मंत्री हेमंत अग्रवाल ने भी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में गोपाल शरण गर्ग, पूजा गुप्ता, सत्यनारायण गुप्ता, हेमंत अग्रवाल, महेश अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, राखी अग्रवाल, रितिका अग्रवाल, अभिलाषा अग्रवाल, महावीर प्रसाद अग्रवाल, योगेश जैन, अजय तुलस्यान व अन्य उपस्थित थे।

पश्चिम बंगाल में हिंदुओं पर हो रहे नरसंहार के खिलाफ भाजपा पुराना पूल मंडल द्वारा पुराना पूल क्रॉस रोड पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में टी. बलवीर सिंह, अध्यक्ष गोलकुंडा जिला टी. उमा महेंद्र, सुरेंद्र, के, नरेंद्र, टी,कुणाल राव, प्रकाश गौड़, ठाकुर रंजीत सिंह, जगदीश यादव, शिवा यादव, राजेश, नटराज नामधारी, राहुल यादव एवं अन्य शामिल हुए।

गोशामहल विधायक टी. राजासिंह को जन्मदिन पर बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए जसमत पटेल, रिद्धिश जागीरदार, लक्ष्य जागीरदार, किशोर वजावत, अविनाश बालड, अमित श्रीश्रीश्रीमाल, चिराग जैन , अविनाश देवड़ा, मुकेश चौहान एवं अन्य।

भाजपा तेलंगाना संगठन मंत्री चंद्रशेखर (भाई साहब) पएवं गोशामहल विधायक राजासिंह को श्री जैन संस्कार वाटिका हैदराबाद द्वारा आयोजित संस्कार तपोत्सव में 350 वर्षीतप के तपस्वियों के पारणा महोत्सव, शौर्योत्सव में पधारने हेतु आमंत्रित करते हुए प्रवीण बंदामुथा, अविनाश बालड, अमित श्रीश्रीश्रीमाल, भरत कोठारी, चिराग, किशोर वजावत, आर. के. जैन, जसमत पटेल, रिद्धिश जागीरदार , अविनाश देवड़ा, लक्ष्य जागीरदार, मुकेश चौहान एवं अन्य।

WANTED CASHIER
WANTED MALE/FEMALE CASHIER
Qualification: B. Com.
Candidates having Experience in Tally ERP-9 will be given preference.
SALARY NEGOTIABLE
Interested candidates
Contact : 9885384411
T19 TOWER
Ground Floor, Ranigunj
M.G. Road, Secunderabad

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत बुधवार को श्री रघु-श्रीमती रूपा शर्मा की 25वीं वैवाहिक वर्षगांठ पर श्री रघु, श्रीमती रूपा एवं हर्षवर्धन शर्मा परिवार द्वारा नामपल्ली स्थित पा-ब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर -सतीश गुप्ता, आशा अग्रवाल, रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश अग्रवाल, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, अशोक गुप्ता,आरती गुप्ता, धीरज अग्रवाल, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, ई. जगन, संजय गोयल, नंदकिशोर अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल, मायारामजी अग्रवाल, गोपाल गोयल, दिशेन गोयल, शीतल गोयल एवं अन्य राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

हाईलाइफ की ज्वेल्स प्रदर्शनी कल से

हैदराबाद, 16 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। हाईलाइफ द्वारा आभूषणों की प्रदर्शनी हाईलाइफ ज्वेल्स का आयोजन आगामी 18 अप्रैल से हाईटेक सिटी स्थित एचआईसीसी नोवोटेल में किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार दि. 18 से 20 अप्रैल तक एचआईसीसी में देश की सबसे प्रीमियम ज्वेलरी की भव्यता का अनुभव किया जा सकेगा, जहाँ एक ही छत के नीचे शीर्ष आभूषण ब्रांड उपस्थित होंगे। हाईलाइफ प्रदर्शनियों के आयोजन तथा फैशन, लाइफस्टाइल और लग्जरी वस्तुओं के प्रदर्शन के लिए अपनी तरह की सबसे बड़ी और प्रीमियम प्रदर्शनी ब्रांड है। 100 से अधिक ज्वैलरी ब्रांड फैशन रुझानों, शीर्ष डिजाइनर लेबल एक ही छत के नीचे पेश किये जाएंगे।

WANTED FLAT ON RENT
Wanted Flat on Rent
a Fully Furnished 2-3 BHK
in the area of
Secunderabad - Banjara Hills
with good ventilation
and Car Parking.
Please Contact : 94408 91471

केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र के '482वें नवीकरण पाठ्यक्रम' की श्री विजयपुरम, अंडमान एवं निकोबार में औपचारिक शुरुआत

हैदराबादा, 16 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र द्वारा अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के माध्यमिक विद्यालय के हिंदी शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए दि.15.04.2025 से दि.26.04.2025 तक '482वें नवीकरण पाठ्यक्रम' का आयोजन किया जा रहा है। जिसका उद्घाटन समारोह दि. 15.04.2025 को सरकारी माध्यमिक विद्यालय, जंगलीघाट, श्री विजयपुरम के सभागार में संपन्न किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के निदेशक प्रो. सुनील बाबुराव कुळकर्णी ने की। मुख्य अतिथि के रूप में प्राचार्य, राज्य शिक्षा संस्थान, श्री विजयपुरम श्रीमती संगीता चंद उपस्थित थीं। सरकारी माध्यमिक विद्यालय, जंगलीघाट की उप प्राचार्य श्रीमती अजीज फातिमा के साथ राज्य शिक्षा संस्थान, श्री विजयपुरम की पाठ्यक्रम समन्वयक श्रीमती रानी एवं श्रीमती गीता की गरिमामय उपस्थिति रही। इस अवसर पर पाठ्यक्रम संयोजक केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक प्रो. गंगाधर वानोडे एवं पाठ्यक्रम प्रभारी डॉ. फत्ताराम नायक, डॉ. मयंक त्रिपाठी, विभागाध्यक्ष (सूचना एवं भाषा प्रौद्योगिकी, केंद्रीय हिंदी

संस्थान, आगरा), डॉ. राधा सगिली एवं अतिथि प्रवक्ता डॉ. रामकृपाल तिवारी जी उपस्थित रहे। इस '482वें नवीकरण पाठ्यक्रम' में कुल 44 (महिला-31, पुरुष-13) माध्यमिक विद्यालय के हिंदी शिक्षकों ने पंजीकरण कराया।सर्वप्रथम माँ शारदे के समक्ष मंचस्थ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके पश्चात सरस्वती वंदना विद्यालय के प्राध्यापक श्री चंद्रशेखर पाण्डेय द्वारा प्रस्तुत की गई। अतिथियों का शॉल एवं पुष्पगुच्छ द्वारा स्वागत क्षेत्रीय निदेशक प्रो. गंगाधर वानोडे द्वारा किया गया। शब्द सुमनों द्वारा स्वागत एवं परिचय श्रीमती गीता जी ने किया। डॉ. गंगाधर वानोडे ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत कीश्र मुख्य अतिथि श्रीमती संगीता चंद ने कहा कि छात्रों के मन में जब प्रश्न उत्पन्न होता तो यह उनके सचेतन होने का प्रतीक है। अध्ययन और अध्यापन कार्य की सफलता तभी तक संभव है जब दोनों में अच्छा तालमेल हो। किसी को बार-बार सुनने से भाषागत सुधार हो सकता है। लिंग भेद तभी मिट सकते हैं जब ध्यान से सुना जाए साथ ही यह अपेक्षा भी जताई कि हिंदी शिक्षण में तकनीकी का प्रयोग कैसे किया जाए जो विद्यार्थियों के भाषाई ज्ञान एवं कौशल को सुदृढ़ करने में मदद करते हैं। यह कार्यक्रम समझ विकसित करने में सहायक होगा। उन्होंने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत पाठ्यक्रम में हुए बदलाव और उसमें दिए गए भाषा कार्य तथा सीखने के परिणाम/प्रतिफल कैसे सामने आएंगे, इस पर विचार करने की आवश्यकता है।आभासी मंच के माध्यम से केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के निदेशक प्रो. सुनील बाबुराव कुळकर्णी ने कहा कि जिन उद्देश्य को लेकर हम प्रशिक्षण में शामिल हुए हैं वह है भाषा द्वारा न सिर्फ एक दूसरे से संवाद स्थापित करना वरन यह भी समझना कि भाषा कौशल विकास का एक महत्वपूर्ण माध्यम भी है। शिक्षा के कारण हमें आध्यामिकता का ज्ञान भी मिलता है। भाषा सुधार के लिए ऐसे प्रशिक्षण बहुत आवश्यक हैं। रोजगार के लिए भाषा शिक्षण के माध्यम से कौशल विकास किस प्रकार संभव है, विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से इस पर भी अपने विचार व्यक्त किए।इस अवसर पर कार्यक्रम में प्रतिभागिता कर रहे अध्यापकों ने अपनी अपेक्षाएँ रखते हुए कहा कि मानक हिंदी की पहचान किस प्रकार की जाए? वचन की पहचान, हिंदी उच्चारण संबंधी त्रुटियाँ हमारी प्रमुख समस्या है। साथ ही कक्षा कक्ष में किस प्रकार से नवीनतम शैक्षिक तकनीकों को भाषा शिक्षण में प्रयोग किया जाना लाभप्रद होगा? इस पर भी चर्चा सहायक होगी और आशा व्यक्त की कि इस शिविर के माध्यम से उनका निराकरण होगा।इस कार्यक्रम का संचालन पाठ्यक्रम समन्वयक, राज्य शिक्षा संस्थान, श्री विजयपुरम श्रीमती गीता ने किया तथा केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के हैदराबाद केंद्र की डॉ. राधा सगिली, कार्यालय अधीक्षक ने आभार एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।इस पाठ्यक्रम के दौरान प्रो. गंगाधर वानोडे भाषाविज्ञान तथा उसके विविध पक्ष, ध्वनि विचार, उच्चारण, भाषा परिमार्जन, भाषा कौशल, डॉ. फत्ताराम नायक हिंदी व्याकरण के विविध पक्ष, रस, छंद एवं अलंकार, शब्द शक्तियाँ, भारतीय ज्ञान परंपरा, डॉ. मयंक त्रिपाठी शिक्षा का अर्थ, उद्देश्य एवं महत्व, शिक्षा के अभिकरणों का सामान्य परिचय, शिक्षा द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय चेतना का विकास, शिक्षा मनोविज्ञान की शिक्षक के लिए उपयोगिता, शिक्षण अधिगम प्रक्रिया, अन्य भाषा शिक्षण की विधियों का सामान्य परिचय, योग शिक्षा एवं पर्यावरण शिक्षा का सामान्य परिचय, डॉ. एन. लक्ष्मी प्रयोजनमूलक हिंदी, शिक्षण में प्रौद्योगिकी का प्रयोग, प्रो. रामकृपाल तिवारी हिंदी साहित्य का इतिहास, हिंदी भाषा का उद्भव और विकास, प्रो. रमेश कुमार भारतीय ज्ञान परंपरा तथा भारतीय दर्शन, डॉ. शिवानी राजभूषण साहित्य शिक्षण आदि विषयों का अध्यापन कार्य संपन्न करेंगे। पूर्व परीक्षण के बाद नियमित कक्षाएँ आरंभ हुईं।

सनसिटी, बंदलागुडा जागीर में मिनर्वा स्वीट्स का भव्य शुभारंभ हुआ। मिनर्वा स्वीट्स एक प्रसिद्ध ब्रांड है, जिसके पास गुणवत्तापूर्ण मिठाइयाँ और स्नैक्स बनाने में 6 दशकों से अधिक का अनुभव है। राजेंद्रनगर निर्वाचन क्षेत्र विधायक प्रकाश गौड़ ने मिनर्वा स्वीट्स के तीसरे आउटलेट का उद्घाटन किया। इस अवसर पर अभिनेत्री कुशिता कल्लपु, खाद्य प्रेमी और खाद्य उत्साही ने मिनर्वा स्वीट्स के तीसरे आउटलेट के भव्य शुभारंभ की शोभा बढ़ाई। मिनर्वा स्वीट्स एक प्रसिद्ध ब्रांड है जिसकी शुरुआत वर्ष 1965 में हुई थी।

केबीआर पार्क में बुधवार को आयोजित गणेशजी की पूजा आरती में सभी भक्तों ने भाग लिया। हर बुधवार को केबीआर पार्क मेंएकता का परिचय देकर इच्छापूर्ति गणेशजी की आरती में 300 से अधिक श्रद्धालु भाग लेते हैं। दि. 16 अप्रैल को पूजा-आरती में- राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बल्दवा, माया बाई, संध्या रानी, विजया पुष्पलता दसारी, नारायण विनोद टिकमानी, पी सी जैन, विजय अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, अशोक कुमार अग्रवाल सरायवाला, दिनेश पंचोली, शंकर लाल अग्रवाल, अशोक लाखोटिया, बद्री नारायण, विट्ठलदास अग्रवाल बड़ेगांववाले व अन्य शामिल हुए।

श्री रामदरबार सत्संग समिति बेगम बाजार के तत्वावधान में विद्यानगर में आयोजित संगीतमय सुन्दरकाण्ड पारायण एवं श्री श्याम बाबा भजन की भक्तिमय प्रस्तुति देते हुए कन्हैया वैष्णव, आनंद शर्मा, चेतन पाराशर, जगजीत सिंह, राजेश तिवारी, नरेश अग्रवाल एवं भजनेपारायण का आनंद लेते हुए भक्तजन।

कुलदेवी महालक्ष्मी जी की रथ यात्रा का अग्रवाल समाज कुकटपल्ली ईस्ट द्वारा स्वागत, पुजा, आरती की गई है । इस अवसर पर उपस्थित कुकटपल्ली ईस्ट के अध्यक्ष डॉक्टर सीमा जैन, वासुदेव खेतान, दर्शन बंसल, सुशील अग्रवाल, भरत ज़ी, राजकुमार पंसारी, विनय खेतान, चिराग व सृष्टि आदि उपस्थित थे।

हनुमान जन्मोत्सव की उपलक्ष में श्री रानी सती दादी मंदिर घांसी बजार में रिंकू महाराज के नेतृत्व में भरत अग्रवाल व रिंकू गर्ग द्वारा पूजा व प्रसादी का आयोजन किया गया। जिसमें 300 लोगों ने प्रशादी का लाभ उठाया। अवसर पर चिकेश महाराज, भारत, धर्मेंद्र, मनीष आदि का सहयोग रहा।

शेयर मार्केट

बीएसई : 77,044.29
+309.40 +0.40%
एनएसई :23,437.20
108.65 (0.47%) ↑

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 97,950/- (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 99,108/- (प्रति किलोग्राम)

सचिवालय में बुधवार को धर्मस्व मंत्री कोंडा सुरेखा, इंडोमेंट विभाग की प्रमुख सचिव शैलजा राम अय्यर, इंडोमेंट कमिश्नर श्रीधर (आई ए एस) को बेगम बाजार स्थित जगन्नाथ द्वारा खाकी मठ मंदिर में पधारने एवं दर्शन करने के लिए आमंत्रित करते हुए बाल योगी श्री महंत अमृतदास खाकी, विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ अध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय, विजय कुमार तोतला, शुभम तोतला, महेश गौतम सूरज महराज, गिरिराज मिश्रा, पूनम मिश्रा एवं अन्य।

श्री हनुमान जन्मोत्सव पर गीत चाँदनी के कवि सम्मेलन में

बही भक्ति रस की अविरल धारा

हैदराबाद, 14 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

नगरद्वय के कवियों की सक्रिय और लोकप्रिय संस्था गीत चाँदनी का प्रतिमास आयोजित होने वाला कवि सम्मेलन 129 वर्षीय परम पूज्य ब्रह्मलीन श्री श्री 1008 बाबा शंभू दयाल दुबे के दिव्य आशीर्वाद से श्री लालदास बाबा मठ ट्रस्ट के तत्वावधान में चैत्र शुक्ल पूर्णिमा के दिन श्री हनुमान जन्मोत्सव पर मच्छा बोलारम स्थित लालदास बाबा मठ के प्रसिद्ध श्री एकादशमुखी श्री हनुमान मंदिर के पवित्र प्रांगण में संपन्न हुआ। मंदिर में प्रात: 5 से 7 बजे तक एकादश मुखी रुद्र श्री हनुमान जी का अभिषेक किया गया। प्रात: 7 बजे से सायं 6 बजे तक दर्शन, आरती, तीर्थ और प्रसाद के कार्यक्रम संपन्न हुए। 11 बजे श्री सत्यनारायण स्वामी भगवान की कथा और सायं 6-30 महाआरती का आयोजन अत्यंत ही प्रभावशाली ढंग से संपन्न हुअ, जिसमें हज़ारों भक्तों ने भाग लिया। मंदिर के महंत सरयू दास और पंडित राजेंद्र जोशी (मैनेजिंग ट्रस्टी, ज्योतिषाचार्य, आयुर्वेदाचार्य एवं वास्तुचार्य) ने मंदर में आयोजित सभी धार्मिक एवं पूजा कार्यक्रमों को सफलता के साथ संपन्न करवाया।

इस अवसर पर गीत चाँदनी के तत्वावधान में भक्ति कवि सम्मेलन संपन्न हुआ, जिसकी अध्यक्षता गीत चाँदनी के अध्यक्ष व गीतकार श्री चंपालाल बैद ने की और संस्कृत की विद्वान, कहानीकार व कवयित्री डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव ने श्री हनुमंत उत्पत्ति कथा पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए बताया कि श्री हनुमान जी जिन्हें

बजरंगबली, पवन पुत्र और मारुति नंदन जैसे कई नामों से जाना जाता है, उनकी उत्पत्ति की कहानी विभिन्न धार्मिक ग्रंथों में अलग-अलग बतायी गयी है। श्री हनुमान जी भगवान शिव के रुद्र अवतार हैं, जिन्हें भगवान विष्णु द्वारा रामावतार के समय धर्म की स्थापना में सहायता के लिए भेजा गया था। हनुमान जी राजा केसरी और माता अंजनी के पुत्र हैं। हनुमान जी को पवन पुत्र भी कहा जाता है क्योंकि उन्हें स्वयं वायुदेव द्वारा प्राणदान दिया गया था।

पंडित राजेंद्र जोशी ने कहा कि श्री हनुमान जी का जीवन भक्ति, शक्ति और विनम्रता का प्रतीक है। उनकी कथाएँ हमें सिखाती हैं कि हमें हमेशा भगवान में विश्वास रखना चाहिए और चुनौतियों का सामना करना चाहिए। हनुमान जी ने रामायण में प्रभु राम की सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने आगे कहाा कि श्री हनुमान जी को हिंदू धर्म में एक महत्वपूर्ण देवता के रूप में पूजा जाता है। उनकी भक्ति और शक्ति के कारण लोग उन्हें अपने जीवन में कठिनाइयों से लड़ने और सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करते हैं श्री हनुमान जी की कथाएँ हमें सिखाती हैं कि हमें हमेशा विनम्र रहना चाहिए और दूसरों की सेवा करनी चाहिए।

कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री चंपालाल बैद ने कहा कि श्री हनुमानजी के उत्पत्ति और जीवन की कथाएँ हमें उनकी भक्ति, शक्ति और विनम्रता के बारे में बताती हैं। उनकी कथाएँ हमें प्रेरित करती हैं कि हमें हमेशा भगवान में विश्वास रखना चााहिए और चुनौतियों का सामना करना चाहिए। श्री हनुमान जी हिंदू धर्म में एक महत्वपूर्ण देवता हैं। श्री हनुमाान सात चिरंजीवियों में से एक हैं और रुद्र के 11वें अवतार हैं।

गोलकोण्डा दर्पण के संपादक व कवि गोविंद अक्षय ने संचालन का भार सँभाला। उन्होंने श्री हनुमान जन्मोत्सव के इस पावन अवसर पर अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित की और गीत चाँदनी की बहुआयामी गतिविधियों का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए याद दिलाया कि लालदास बाबा मठ के बाबा शंभू दयाल दुबे इटावा से घुमते हुए हैदराबाद आये थे और इसी मठ में रह गये। उन्हें साहित्य से बहुत रुचि थी। वह एक अच्छे ज्योतिषाचार्य थे। उन्हें रामायण से बहुत प्रेम था। तुलसीकृत रामायण सदा उनके हाथ में रहती थी। इसके अतिरिक्त उन्होंने देश में हिंदी में लिखी गयी रामायणों का संग्रह भी किया था। वह गीत चाँदनी के संरक्षक सदस्य थे। प्रतिवर्ष उनकी स्मृति में श्री एकादश हनुमान जी की प्रतिमा के सम्मुख कवि सम्मेलन किया जाता है। लालदास बाबा मठ में पिछले चार दशकों से गीत चाँदनी कवि सम्मेलन का आयोजन सफलता के साथ संपन्न हो रहा है।

मंदिर के महंत सरयू दास ने इस अवसर पर अपने विचार प्रकट किये और धर्म और कर्म की परिभाषा को सुंदर ढंग से परिभाषित करते हुए कहा कि किसी दूसरे को पीढ़ा नहीं पहुँचाना ही धर्म है। आज लोग धर्म के रास्ते से भटकते जा रहे हैं। असली धर्म ही हमें ईश्वर से प्रेम करना सिखाता है। उन्होंने कहा कि जीवन में शाश्वत शांति और आनंद हमें सच्ची भक्ति के द्वारा ही प्राप्त हो सकता है। आज परमात्मा के गुणों का गान और बयान कर लोगों में जागृति लाने की अत्यंत आवश्यकता है। अपने निर्मल कर्मों के माध्यम से ही हम परमात्मा के अंदर विलीन होने की शक्ति को प्राप्त कर सकते हैं।

रात्रि में कवि सम्मेलन के आरंभ में पंडित रामनिवास पाराशर ने श्री हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में कवि हरिराम सिखवाल, कवि देवी सिंह बनारसी और कवि चेतन गिर के सुंदर ख्याल प्रस्तुत किये और श्रीमती अरुणा ठाकुर तथा समाज सेविका श्रीमती शोभा दुबे ने भजन प्रस्तुत किये।

कवि सम्मेलन में नगरद्वय के कवियों ने देश की समसामयिक परिस्थितियों तथा जीवन की विभिन्न समस्याओं पर अपने मार्मिक गीत, ग़ज़ल, हास्य-व्यंग्य और नयी कविताओं का पाठ किया तथा भक्ति रस प्रदान कविताओं की अविरल धारा बहाकर श्रोताओं को ख़ूब आनंदित किया। कविता पाठ करने वाले कवियों में सर्वश्री गोविंद अक्षय, चंपालाल बैद, रत्नकला मिश्र, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, आर. दुर्गाराज पटून, अनिल कुमार गुप्ता, सदानंद लाल गोगीकार, ठाकुर दिनेश सिंह, राजकुमार यादव आदि के नाम सम्मिलित हैं। कवि सम्मेलन में समाज सेवी श्री यशपाल सिंह गिल, श्रीमती शोभा दुबे, ठाकुर दिनेश सिंह बतौर विशेष अतिथि मंच पर विराजमान थे।

इम्पैक्ट मेकर्स कार्मिक कनेक्शन फाउंडेशन एक स्वैच्छिक संगठन है जो जरूरतमंदों को पूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के लिए काम करता है। स्वयंसेवक ज्यादातर युवा कामकाजी पेशेवर हैं जो विभिन्न क्षेत्रों से हैं। इसी संदर्भ में रविवार को एबिड्स में लगभग 3000 से अधिक राहगीरों में छांछ वितरित की गई।

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, Service No. JC 780707P Sub SRIKRISHAN, R/o.Vill:Gopalganj (tarkulhi), Post:Jhangaha, Teh:Sadar, Dist:Gorakhpur, Uttar Pradesh-273202 that my Son name is to be changed from OM to OOM KUMAR vide affidavit dt:16-4-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Service No.JC 780707P Sub SRIKRISHAN, R/o.Vill:Gopalganj (tarkulhi), Post:Jhangaha, Teh:Sadar, Dist:Gorakhpur, Uttar Pradesh-273202 that my daughter name is to be changed from RIYA to RIYA KUMARI, vide affidavit dt:16-4-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Smt RASNA spouse of Service No.JC 780707P Sub SRIKRISHAN, R/o. Vill:Gopalganj (tarkulhi), Post:Jhangaha, Teh:Sadar, Dist:Gorakhpur, Uttar Pradesh-273202 have changed my name from Smt RASNA to RASANA vide affidavit dt:16-4-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, ASHA SANADI spouse of Service No. 15188332L Hav (DS) SHRISHAIL SANADI, R/o Vill:Golabhavi, Post:Golabhavi, Teh:RabkaviBanahatti, Dist:Bagalkot, Karnataka - 587315 have changed my name from ASHA SANADI to ASHA SHRISHAIL SANADI vide affidavit dt:16-4-2025 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, No.JC 736590F Nb Sub Maudi Dharmendra Kumar of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, TS that my mother Name is changed from MAUDI SARASWATI to M.SARASWATI

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No JC 734824F Nb/Sub JITENDRA SINGH BHADOURIA of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad that my daughter name and DOB is to be changed from TANU BHADOURIA, DOB:20-01-2014 to TANU, DOB:17-10-2012

जैन प्रतिनिधि मण्डल ने भगवान ऋषभदेव की जन्मजयंती पर अवकाश की मांग की

हैदराबाद, 16 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव के जन्मकल्याणक दिवस पर अवकाश की मांग को आगे बढ़ाने के लिए लोकसभा सांसद किशन रेड्डी को जैन समाज के प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन सौंपा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव के जन्म कल्याणक दिवस पर केंद्र सरकार द्वारा अवकाश घोषित कराने की मांग जैन समाज द्वारा काफी पहले से चली आ रही है। राजस्थान का धर्म जाग्रति संस्थान और जैन पत्रकार महासंघ इस विषय को लेकर काफी समय से काम कर रहा है और उसी मांग को आगे बढ़ाते हुए पहले भी हैदराबाद के जैन प्रतिनिधि मण्डल ने राज्यसभा सांसद के. लक्ष्मण को इस बाबत ज्ञापन सौंपा था।अब लोकसभा में इस विषय को रखकर जैन समाज की मांग को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के सामने लाया जाये , इसी बाबत स्वाती जैन, रिद्धेश जागीरदार, मुकेश जैन चौहान, जसराज श्री श्रीमाल ने लोकसभा सांसद एवं तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी के सामने अपनी बात रखी और इस दिशा में प्रयास करने की उम्मीद जतायी।

बीआरएस ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का स्वागत किया

हैदराबाद, 16 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने बुधवार को कांचा गच्चीबावली में जंगल को बहाल करने और क्षेत्र में वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट के निर्देश की सराहना की और इसे तेलंगाना में पर्यावरण संरक्षण प्रयासों के लिए एक बड़ी जीत बताया।

तेलंगाना सरकार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट की कड़ी टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने कहा कि यह आदेश पर्यावरणविदों और बीआरएस द्वारा कांचा गाचीबोवली जंगल में बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई पर उठाई गई चिंताओं को सही साबित करता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि रेवंत रेड्डी सरकार खुद को मूर्ख नहीं बनाएगी।

उन्होंने एक बयान में कहा, बीआरएस सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का तहे दिल से स्वागत करता है। हमें उम्मीद है कि यह मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और कांग्रेस सरकार के लिए एक चेतावनी होगी कि वे पर्यावरण की हत्या करके बच नहीं सकते।

हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) के छात्रों और शिक्षकों को धन्यवाद देते हुए, जिन्होंने बेजुबान पेड़ों और वन्यजीवों के लिए आवाज़ उठाई, पूर्व मंत्री ने 400 एकड़ के जंगल की रक्षा के लिए उनके अथक प्रयासों का श्रेय दिया। उन्होंने हैदराबाद के हरित आवरण के लिए आवाज़ उठाने वाले सभी नागरिकों को भी धन्यवाद दिया।

रामा राव ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (सीईसी) की रिपोर्ट का भी स्वागत किया, जिसमें कांचा गाचीबोवली की जमीन को एक निजी पार्टी को गिरवी रखने में संभावित वित्तीय धोखाधड़ी का उल्लेख किया गया है। उन्होंने कहा कि यह बीआरएस पार्टी के इस आरोप को पुष्ट करता है कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी 10,000 करोड़ रुपये के घोटाले के केंद्र में हैं और उन पर राज्य के वन और वन्यजीवों के खिलाफ खलनायक नंबर 1 बनने का आरोप लगाया।

कामकाजी महिलाओं के लिए तीन जिलों में बन रहे हैं छात्रावास

लखनऊ, नोएडा और गाजियाबाद में बनेगा वर्किंग लेडीज़ हॉस्टल

लखनऊ, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रदेश की कामकाजी महिलाओं के लिए एक ऐतिहासिक पहल करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने लखनऊ, गौतमबुद्ध नगर और गाजियाबाद में आधुनिक छात्रावासों के निर्माण की योजना बनाई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में इस परियोजना का उद्देश्य कामकाजी महिलाओं को सुरक्षित, सुलभ और सुविधाजनक आवास उपलब्ध कराना है।

योगी सरकार की यह पहल न केवल कामकाजी महिलाओं को एक सुरक्षित आवास मुहैया कराएगी, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की दिशा में भी एक बड़ा कदम है। महिला सशक्तिकरण की दिशा में यह योजना मील का पत्थर साबित होगी।स्पेशल असिस्टेंस टू स्टेट्स फॉर कैपिटल इन्वेस्टमेंट योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में कुल 08 वर्किंग वूमेन हॉस्टल्स को मंजूरी दी गई है। इन छात्रावासों में प्रत्येक की क्षमता 500 महिलाओं की होगी। यह निर्माण लखनऊ, गौतमबुद्ध नगर (नोएडा) और गाजियाबाद में किया जाएगा। इस परियोजना के लिए कुल 381.56 करोड़ रुपए का बजट प्रस्तावित किया गया है। केंद्र सरकार द्वारा इनमें से 251.8296 करोड़ रुपए की पहली किस्त जारी कर दी गई है।

सुप्रीम कोर्ट का आदेश रेवंत सरकार के चेहरे पर तमाचा : हरीश राव

हैदराबाद, 16 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ बीआरएस विधायक टी हरीश राव ने कांचा गच्चीबावली मामले में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों को तेलंगाना में कांग्रेस सरकार की मूर्खतापूर्ण कार्रवाइयों के लिए मुंह पर करारा तमाचा करार दिया । उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों, खासकर छुट्टियों के दौरान बुलडोजर के इस्तेमाल पर उसकी निंदा ने रेवंत रेड्डी सरकार द्वारा जानबूझकर और खतरनाक तरीके से पर्यावरण को नष्ट करने की पोल खोल दी है।उन्होंने कहा, ये निर्देश उस सरकार के मुंह पर तमाचा है, जिसने विकास की आड़ में हैदराबाद को उसकी हरियाली से वंचित करने की कोशिश की।हरीश राव ने एक बयान में कांग्रेस सरकार के झूठ को उजागर करने के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (सीईसी) की रिपोर्ट की सराहना की। उन्होंने सराहना की कि नागरिक समाज और कानूनी व्यवस्था ने एक बार फिर लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए कदम उठाया है। उन्होंने मुख्यमंत्री पर विनाशकारी नीति अपनाने और हाइड्रा का दुरुपयोग करके सत्तावादी शासन देने का आरोप लगाया।हरीश राव ने कहा कि बीआरएस ने साक्ष्यों के साथ मुख्य चुनाव आयुक्त को एक विस्तृत रिपोर्ट सौंपी है और जनता से रेवंत रेड्डी के निरंकुश शासन के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान किया है।इस बीच, ग्रीन इंडिया चैलेंज पहल के लिए मशहूर पूर्व राज्यसभा सदस्य जे संतोष कुमार ने शीर्ष अदालत के हस्तक्षेप पर खुशी जताई। पर्यावरण न्याय के लिए इसे एक ऐतिहासिक क्षण बताते हुए उन्होंने कांचा गाचीबोवली क्षेत्र में प्रकृति और वन्यजीवों के लिए खड़े होने वाले सभी लोगों को बधाई दी।

दासोजू श्रवण ने एमएलसी के रूप में शपथ ली, कांग्रेस शासन के खिलाफ लड़ने की कसम खाई

हैदराबाद, 16 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। विधायक कोटे के तहत एमएलसी चुने गए वरिष्ठ बीआरएस नेता दासोजू श्रवण कुमार ने बुधवार को तेलंगाना विधान परिषद में शपथ ली। यह समारोह दोपहर 12:30 बजे आयोजित किया गया, जिसमें परिषद के अध्यक्ष गुथा सुखेंद्र रेड्डी ने उन्हें शपथ दिलाई।

उपसभापति बंदा प्रकाश, विधान परिषद में विपक्ष के नेता एस मधुसूदन चारी, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव, वरिष्ठ नेता टी हरीश राव, पी सबिता इंद्र रेड्डी, तलसानी श्रीनिवास यादव, मोहम्मद महमूद अली, टी पद्मा राव और कई अन्य निर्वाचित प्रतिनिधि इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

शपथ ग्रहण समारोह के बाद बोलते हुए, श्रवण जिन्होंने लगभग 18 वर्षों तक पार्टी में काम किया है, ने पार्टी अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के साथ-साथ पार्टी नेताओं केटी रामा राव, टी हरीश राव और कविता को इस अवसर के लिए धन्यवाद दिया।

उन्होंने कहा कि उनके चुनाव ने उनके राजनीतिक करियर को पुनर्जीवित किया और उन्होंने जीवन भर तेलंगाना के कल्याण के लिए काम करने की कसम खाई।

उन्होंने घोषणा की, मैं कांग्रेस सरकार के कुशासन को खत्म करने और के चंद्रशेखर राव को तीसरे कार्यकाल के लिए मुख्यमंत्री बनाने के लिए लड़ूंगा।

सीसीएमबी, आईआईसीटी और एनजीआरआई ने 22 और 23 अप्रैल को स्टार्ट-अप एन्क्लेव का आयोजन किया

हैदराबाद, 16 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। एक मजबूत स्टार्ट-अप इकोसिस्टम विकसित करने, नवाचार और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए, सेंटर फॉर सेल्युलर एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी (सीसीएमबी), इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी (आईआईसीटी) और नेशनल जियोफिजिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट (एनजीआरआई) सहित हैदराबाद की शीर्ष अनुसंधान और विकास प्रयोगशालाएं 22 और 23 अप्रैल के बीच हैदराबाद के तारनाका स्थित आईआईसीटी में 'स्टार्ट-अप एन्क्लेव हैदराबाद 2025' का आयोजन कर रही हैं।

..नवाचार को उत्प्रेरित करना, पारिस्थितिकी तंत्रों को जोड़ना.. विषय पर आयोजित यह सम्मेलन स्टार्टअप्स, उद्यमियों, निवेशकों, उद्योग जगत के नेताओं, शिक्षाविदों और सरकारी अधिकारियों को अंतर्दृष्टि साझा करने, नेटवर्क बनाने और सहयोग के अवसरों का पता लगाने के लिए मंच प्रदान करेगा।

सम्मेलन का विषय विभिन्न वैज्ञानिक संस्थानों, उद्योग भागीदारों, निवेशकों और नीति निर्माताओं के बीच सहयोग की आवश्यकता को भी रेखांकित करता है। सम्मेलन ज्ञान साझा करने के लिए भी बहुत जगह प्रदान करेगा और अनुसंधान संस्थानों को नए नवाचारों को प्रदर्शित करने का अवसर देगा।

सीसीएमबी, आईआईसीआर और एनजीआरआई ने बुधवार को कहा कि स्टार्ट-अप कॉन्क्लेव से स्टार्टअप्स के लिए दृश्यता और निवेश के अवसरों में वृद्धि होने की उम्मीद है। कॉन्क्लेव में पैनल चर्चाएँ, निवेशकों के सामने स्टार्टअप्स के लिए प्रस्तुतिकरण सत्र, संपर्क बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किए गए नेटवर्किंग ब्रेक और नवाचार को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच शामिल होगा।

तेलंगाना इंटरमीडिएट परिणाम 2025 इस तारीख को घोषित किए जाएंगे

हैदराबाद, 16 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। इंटरमीडिएट पब्लिक एग्जामिनेशन (आईपीई) मार्च 2025 के परिणाम 24 अप्रैल को या उससे पहले घोषित किए जाएंगे।परीक्षा आयोजित करने वाले इंटरमीडिएट शिक्षा बोर्ड (बीआईई) ने मूल्यांकन प्रक्रिया पूरी कर ली है और परिणाम तैयार करने का काम सेंटर फॉर गुड गवर्नेंस (सीजीजी) द्वारा किया जा रहा है।परिणाम 21 से 24 अप्रैल के बीच किसी दिन घोषित किए जाएंगे।

सीजीजी वर्तमान में जांच कर रहा है, जिसमें लगभग पांच से छह दिन लगेंगे। परिणामों की फाइल पहले ही मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को भेज दी गई है, जो शिक्षा मंत्री भी हैं। चूंकि मुख्यमंत्री जापान में हैं, इसलिए उपमुख्यमंत्री द्वारा परिणाम जारी किए जाने की संभावना है, एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा।व्हाट्सएप पर नतीजे उपलब्ध कराने के बारे में वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि समय की कमी के कारण अब यह संभव नहीं होगा। अधिकारी ने कहा, हमें आईटी विभाग से अनुमति लेनी होगी और इस पहल को शुरू करने के लिए एक समर्पित नंबर जारी करना होगा। चूंकि हमारे पास अभी समय नहीं है, इसलिए हम एडवांस सप्लीमेंट्री परीक्षाओं के लिए इसकी योजना बनाएंगे।

इस बार, यह सुनिश्चित करने के लिए कि परिणामों में कोई विसंगतियां न हों, बोर्ड के अधिकारियों ने उत्तर पुस्तिकाओं की बेतरतीब ढंग से जांच की, खासकर उन उम्मीदवारों की जिन्होंने सबसे कम अंक यानी शून्य अंक प्राप्त किए। इस अभ्यास के तहत, स्पॉट मूल्यांकन शिविर के अधिकारियों - परीक्षकों और जांचकर्ताओं - को उत्तर पुस्तिकाओं के पुन: सत्यापन के लिए चार स्लैब दिए गए हैं - 0 से 10 अंक, 25-35 अंक, 50-75 अंक और 90-100 अंक। अधिकारियों ने उन लोगों की उत्तर पुस्तिकाओं का भी पुन: सत्यापन किया जो एक विषय में अनुत्तीर्ण हो गए थे।राज्य भर में 5 से 25 मार्च तक 1,532 केंद्रों पर आयोजित इंटरमीडिएट परीक्षाओं के लिए कुल 9,96,971 छात्रों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें प्रथम वर्ष के 4,88,448 और द्वितीय वर्ष के 5,08,253 छात्र शामिल थे।

कोंडागांव-नारायणपुर सीमा पर मुठभेड़, दो नक्सली ढेर

जगदलपुर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। कोंडागांव व नारायणपुर सीमा से लगे किलम -बरगुम गांव में सोमवार की शाम को पुलिस नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में जवानों ने दो नक्सलियों को मार गिराने में सफलता हासिल की। वहीं, घटनास्थल से हथियार व गोला बारूद भी बरामद किया गया। मारे गए दोनों नक्सलियों की शिनाख्त हो गई, जिनके ऊपर आठ व पांच लाख का इनाम घोषित था।जिला कोंडागांव व नारायणपुर के सीमा से सटे किलम-बरगुम क्षेत्र में पुलिस जवानों को जंगलों में नक्सलियों के आने की सूचना के साथ ही बैठक लिए जाने की सूचना मिली। कोंडागांव डीआरजी, बस्तर फाइटर टीम नक्सलियों की खोज में निकली थी। अभियान के दौरान 15 अप्रैल की शाम को सुरक्षा बल और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में जवानों को भारी पड़ता देख नक्सली भाग खड़े हुए। जवानों के द्वारा रात में ही सर्चिंग अभियान चलाया गया। पुलिस ने अब तक दो नक्सली कैडरों के शव बरामद किए हैं।

माफिया मुख्तार अंसारी की बीवी अफसा भगोड़ा घोषित

पुलिस ने एक लाख का इनाम रखा

लखनऊ, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। माफिया मुख्तार अंसारी की पत्नी अफसा अंसारी को उत्तर प्रदेश की गाजीपुर पुलिस ने भगोड़ा घोषित कर दिया है। पुलिस ने अफसा पर एक लाख रुपए का इनाम भी रखा है। गाजीपुर पुलिस ने मंगलवार को जिले के 29 इनामी अपराधियों की सूची जारी की।

इनमें अफसा अंसारी का नाम भी शामिल है। पुलिस इन अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर सख्त हो गई है। इस लेकर 15 दिवसीय विशेष अभियान भी शुरू हो चुका है। पुलिस अफसा अंसारी को गिरफ्तार करने का प्रयास कर रही है। अफसा की गतिविधियों को ट्रैक करने के लिए स्वाट और सर्विलांस टीम को विशेष मूवमेंट में लगाया है। अफसा के पति मुख्तार अंसारी की कुछ समय पहले मौत हो चुकी है।

गच्चीबावली पुलिस ने दिया कांचा गच्चीबावली भूमि विवाद जांच में

आईएएस अधिकारी स्मिता सभरवाल को नोटिस

हैदराबाद, 16 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। गच्चीबावली पुलिस ने वरिष्ठ आईएएस अधिकारी स्मिता सभरवाल को नोटिस जारी कर उनसे कांचा गच्चीबावली विवादित भूमि मामले से जुड़ी कोई भी जानकारी बुधवार को जांच अधिकारियों के साथ साझा करने का आग्रह किया है। हालांकि, अधिकारी की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने के कारण पुलिस उन्हें दूसरी बार नोटिस भेजने की योजना बना रही है।नोटिस में पुलिस ने कहा, चूंकि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर छेड़छाड़ और संपादित क्लिप, वीडियो और छवियों को साझा करके फर्जी खबरें फैलाने से संबंधित मामला पहले से ही जांच के दायरे में था, यह पाया गया है कि अधिकारी ने अपने सत्यापित एक्स अकाउंट पर कुछ सामग्री को फिर से पोस्ट किया था।

नोटिस में कहा गया है, चूंकि आप मामले के तथ्यों और परिस्थितियों से परिचित हैं, इसलिए आप अपनी पसंद के स्थान पर जांच अधिकारी के समक्ष उपस्थित होकर इस संबंध में आपके पास उपलब्ध कोई भी जानकारी प्रदान कर सकते हैं।

हालाँकि, उनकी ओर से कोई जवाब नहीं मिलने पर पुलिस एक और नोटिस जारी करने की योजना बना रही है।

गच्चीबावली के एक पुलिस अधिकारी ने कहा, हमें पहले भेजे गए नोटिस का कोई जवाब नहीं मिला। हम अधिकारी को एक और नोटिस जारी कर सकते हैं, जिसमें उसे अपनी पसंद की जगह पर पुलिस अधिकारियों के सामने पेश होने के लिए कहा जाएगा, ताकि उसके पास मौजूद कोई भी जानकारी उसके साथ साझा की जा सके।

सिंगरेनी ने ओड़ीशा के नैनी ब्लॉक में कोयला खनन शुरू किया, जो तेलंगाना के बाहर पहली बार हुआ

हैदराबाद, 16 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना स्थित सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) ने बुधवार को ओडिशा के अंगुल जिले में नैनी कोल ब्लॉक में आधिकारिक तौर पर कोयला उत्पादन शुरू कर दिया। यह 136 साल के इतिहास में राज्य के बाहर इसका पहला खनन उपक्रम है।उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क द्वारा हैदराबाद से वर्चुअली उद्घाटन किए गए नैनी परियोजना से एससीसीएल का राष्ट्रीय विस्तार होगा, जिसमें अधिकारियों ने 340.78 मिलियन टन के भंडार से प्रतिवर्ष 10 मिलियन टन का अधिकतम उत्पादन होने का अनुमान लगाया है।मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने एक बयान में कहा कि एससीसीएल की इस उपलब्धि ने भावी पीढ़ियों के लिए सुनहरा रास्ता तैयार किया है। उन्होंने केंद्रीय मंजूरी हासिल करने में अपनी सरकार के निरंतर प्रयासों को इसका श्रेय दिया। एक अलग विज्ञप्ति में केंद्रीय कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी ने भी इस उपलब्धि की सराहना की और मंजूरी में तेजी लाने में मोदी सरकार के सहयोग का उल्लेख किया।भट्टी विक्रमार्क ने साइट के पास 1600 मेगावाट के थर्मल पावर प्लांट की योजना की घोषणा की, तथा ओडिशा से भूमि समर्थन की अपील की। उन्होंने स्थानीय विकास के लिए एससीसीएल की प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया, तथा कहा कि इस उद्यम का प्रबंधन सामाजिक चेतना के साथ किया जाएगा।

पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की पहल के कारण, एससीसीएल ने 2016 में नैनी कोयला ब्लॉक के लिए चुनाव लड़ा था। अनुमानित 340 मिलियन टन उच्च श्रेणी का कोयला रखने वाली खदान को उसी वर्ष आवंटित किया गया था, लेकिन लंबित मंज़ूरी के कारण देरी का सामना करना पड़ा क्योंकि इसमें 912.79 हेक्टेयर के खनन पट्टा क्षेत्र में लगभग 783 हेक्टेयर वन भूमि शामिल है। खदान को अक्टूबर 2021 में अपनी पर्यावरण मंज़ूरी मिली, जबकि चरण-ख वन मंज़ूरी जुलाई 2021 में दी गई, चरण-खख की अनुमति मार्च 2023 के दूसरे सप्ताह में दी गई।

नासिक में धार्मिक स्थल पर बुलडोजर कार्रवाई पर बवाल

नासिक, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने शहर के काठे गली इलाके में स्थित अनधिकृत धार्मिक स्थल को हटाने का आदेश दिया था। मंगलवार रात को जब धार्मिक स्थल को उसके ट्रस्टी हटा रहे थे तो भीड़ जमा हो गई। प्रदर्शनकारियों ने विरोध करते हुए पथराव कर दिया। इसमें 21 पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने लाठीचार्ज कर स्थिति को नियंत्रित किया।

महाराष्ट्र के नासिक में धार्मिक स्थल पर बुल्डोजर कार्रवाई पर बवाल हो गया। धार्मिक स्थल को गिराने पर गुस्साई भीड़ ने पुलिस पर हमला बोल दिया। इसमें 21 पुलिसकर्मी घायल हो गए। भीड़ ने तीन पुलिस वाहनों में तोड़फोड़ कर दी। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया। आंसू गैस के गोले छोड़े और स्थिति को नियंत्रण में किया। 15 लोगों को हिरासत में लिया है। जबकि अन्य की तलाश जारी है।पुलिस ने बताया कि बॉम्बे हाईकोर्ट ने शहर के काठे गली इलाके में स्थित अनधिकृत सतपीर बाबा दरगाह को हटाने का आदेश दिया था। नासिक के पुलिस आयुक्त संदीप कार्णिक ने कहा कि उच्च न्यायालय के आदेश के मुताबिक सतपीर दरगाह के ट्रस्टियों ने मंगलवार रात को ढांचे को हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी। तभी दरगाह को हटाने का विरोध करने के लिए उस्मानिया चौक पर भीड़ जमा हो गई। इसके बाद दरगाह के ट्रस्टी और अन्य लोग जब उन्हें शांत कराने गए तो उन्होंने उनकी एक न सुनी। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारियों ने भी उन्हें शांत करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने उनकी बात भी नहीं मानी। उपद्रवियों ने पथराव किया और कुछ वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले छोड़े। हमले में तीन पुलिस वाहन क्षतिग्रस्त हो गए तथा 21 पुलिसकर्मी घायल हो गए। दरगाह को सुबह ध्वस्त कर दिया गया। साथ ही 15 लोगों को हिरासत में लिया गया। इसके अलावा फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। संदिग्धों की 57 मोटरसाइकिलें जब्त की गई हैं। फिलहाल स्थिति शांतिपूर्ण और नियंत्रण में है।नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि बुधवार सुबह नगर निगम ने अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान लगभग 50 एनएमसी कर्मियों ने चार मिट्टी खोदने वाली मशीनों, छह ट्रकों और दो डंपरों से मलबा हटाया।

नीति निर्माताओं को जमीनी स्तर से जुड़े रहना चाहिए : राममोहन नायडू

संगारेड्डी, 16 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजराम्पू राममोहन नायडू ने कहा कि नीति निर्माण केवल कागजी काम नहीं है, यह लोगों का काम है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि नीति निर्माता जब तक लोगों के जीवन की बुनियादी सतह से जुड़े नहीं रहेंगे, तब तक उन्हें अपेक्षित परिणाम नहीं मिलेंगे।

बुधवार को संगारेड्डी जिले के रुद्राम में हैदराबाद के गीतम विश्वविद्यालय में कौटिल्य स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी (केएसपीपी) के स्नातक समारोह के छात्रों को संबोधित करते हुए नायडू ने कहा कि एक सांसद के रूप में अपने एक दशक से अधिक के राजनीतिक जीवन के दौरान उन्होंने लोगों से जुड़े रहने का मार्ग अपनाया है।

उन्होंने कहा कि नीति निर्माताओं को यह ध्यान रखना चाहिए कि वे जो भी काम कर रहे हैं उसका असर जमीनी स्तर पर लोगों पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि जब वे पहली बार निर्वाचित हुए थे तो उन्हें अपने पद पर कुशल नीति निर्माताओं की कमी के कारण अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने में कठिनाई हुई थी। नायडू ने महसूस किया कि देश में विभिन्न क्षेत्रों में कुशल नीति निर्माताओं की गंभीर आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि नीति निर्माण सरकारी प्रशासन, गैर सरकारी संगठनों, उद्योगों और निर्वाचित प्रतिनिधियों के कार्यालयों में प्रमुखता प्राप्त कर रहा है।

विमानन मंत्री ने आशा व्यक्त की कि इनमें से अधिकांश स्नातक नवोदित नीति निर्माता विमानन उद्योग में अपना करियर बनाएंगे, क्योंकि इस क्षेत्र में ऐसे पेशेवरों की अत्यंत आवश्यकता है।

नायडू ने छात्रों से देश को समग्र रूप से समझने और ऐसे विचार सामने लाने का आह्वान किया जो पूरे देश को प्रभावित करें।

उन्होंने छात्रों से उन सभी लोगों को शामिल करने के लिए समावेशी विचार सामने लाने को कहा जिन तक पहुंचने की जरूरत है। विशाखापत्तनम के सांसद और जीआईटीएएम के अध्यक्ष एम श्रीभारत और अन्य लोग मौजूद थे।

तेलंगाना में कृषि कार्यों के लिए महिला समूह ड्रोन संचालित करेंगे

करीमनगर, 16 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य में महिला स्वयं सहायता समूहों को अब राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 80 प्रतिशत सब्सिडी पर ड्रोन मिलेंगे। यह मुख्य रूप से कृषि क्षेत्र में उर्वरक और कीटनाशकों के छिड़काव के लिए ड्रोन के बढ़ते उपयोग को देखते हुए किया गया है, जिससे महिलाओं को आजीविका कमाने में मदद मिलेगी।

शुरुआत में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से एक समूह का चयन किया गया है। योजना के तहत समूहों को 10 लाख रुपये मूल्य के ड्रोन दिए जाएंगे, जिसमें से 2 लाख रुपये समूहों को देने होंगे तथा शेष 8 लाख रुपये एनआरएलएम द्वारा वहन किए जाएंगे। प्रत्येक समूह के दो सदस्यों को ड्रोन संचालन का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

किसानों के लिए मजदूरों की कमी एक बड़ी चुनौती बन गई है, इसलिए कई किसान खाद और कीटनाशकों का छिड़काव करने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल कर रहे हैं। प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (पीएसीएस) के अलावा, किसानों के एक समूह ने भी ड्रोन खरीदे हैं और उन्हें चलाकर पैसे कमा रहे हैं। कुछ इलाकों में, व्यक्तिगत रूप से भी ड्रोन चलाए जा रहे हैं।

इफको और कृभको जैसे संगठन भी समितियों के साथ-साथ किसान समूहों को तकनीकी सहायता प्रदान कर रहे हैं।

ड्रोन की बढ़ती मांग को देखते हुए सरकार ने ड्रोन संचालन में महिला समूहों को शामिल करने का फैसला किया। कृषि क्षेत्र के विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार खर्च कम करने के लिए कृषि क्षेत्र में ड्रोन के इस्तेमाल को बढ़ावा दे रही है।

यदि किसान ड्रोन का उपयोग करके फसलों पर यूरिया का छिड़काव करना चाहते हैं, तो उन्हें केवल नैनो यूरिया का उपयोग करना होगा, जो सामान्य यूरिया की तुलना में बाजार में कम कीमत पर उपलब्ध है।

राजीव युवा विकासम के लाभार्थियों को व्यवसाय चलाने के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा

हैदराबाद, 16 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने घोषणा की है कि राजीव युवा विकास योजना के लाभार्थियों को सफल व्यवसाय और अधिक लाभ सुनिश्चित करने के लिए 3-15 दिनों का प्रशिक्षण दिया जाएगा।बुधवार को प्रजा भवन में बैंकर्स के साथ आयोजित बैठक के दौरान भट्टी विक्रमार्क ने बैंकर्स से आग्रह किया कि वे राजीव युवा विकास को महज एक कल्याणकारी योजना के रूप में न देखें, बल्कि इसे रोजगार योग्य युवाओं के जीवन में परिवर्तन लाने वाली योजना के रूप में देखें, ताकि वे स्वरोजगार कर सकें।उन्होंने बैंकर्स से आग्रह किया कि वे इस योजना को मानवीय आधार पर देखें तथा इस नेकनीयत योजना के लिए 1,600 करोड़ रुपये का ऋण लिंकेज देकर राज्य सरकार के साथ सहयोग करें, जिसके लिए राज्य सरकार 6,000 करोड़ रुपये से अधिक खर्च करने जा रही है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा धनराशि जारी करने के बाद बैंकर्स को भी अपनी ऋण लिंकेज धनराशि जारी करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

बैंकर्स को शीघ्र ही जिला कलेक्टरों के साथ बैठक आयोजित करने के निर्देश देते हुए भट्टी ने कहा कि लाभार्थियों को ऋण स्वीकृति पत्र दिए जाने के बाद राज्य स्तरीय बैंकर्स बैठक आयोजित की जाएगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.